Հավելված

ՀՀ Սյունիքի մարզի Սիսիան համայնքի

ավագանու 2024 թվականի մարտի 15-ի   
թիվ -Ա որոշման

**ՀԱՅԱՍՏԱՆԻ ՀԱՆՐԱՊԵՏՈՒԹՅԱՆ ՍՅՈՒՆԻՔԻ ՄԱՐԶԻ ՍԻՍԻԱՆ ՀԱՄԱՅՆՔԻ ՔԱՂԱՔԱՇԻՆԱԿԱՆ ԿԱՆՈՆԱԴՐՈՒԹՅՈՒՆ**

Սույն կանոնադրությամբ սահմանվում են Հայաստանի Հանրապետության Սյունիքի մարզի Սիսիան համայնքի տարածքում քաղաքաշինական գործունեության իրակա­նաց­ման առանձնահատկությունները` ելնելով համայնքի պատմականորեն ձևավորված ավան­դույթ­ների և պատմաճարտարապետական միջավայրի պահպանման անհրաժեշտությունից:

1. **ԸՆԴՀԱՆՈՒՐ ԴՐՈՒՅԹՆԵՐ**
2. ՀՀ Սյունիքի մարզի Սիսիան համայնքն ընդգրկում է Սիսիան, Անգեղակոթ, Ախլաթյան, Աղիտու, Աշոտավան, Արևիս, Բալաք, Բնունիս, Բռնակոթ, Գետաթաղ, Գորայք, Դաստակերտ, Դարբաս, Թանահատ, Թասիկ, Իշխանասար, Լծեն, Լոր, Հացավան, Մուցք, Նժդեհ, Նորավան, Շամբ, Շաղատ, Շաքի, Շենաթաղ, Որոտնավան, Սալվարդ, Վաղատին, Տոլորս, Տորունիք, ՈՒյծ, Ծղուկ, Սպանդարյան, Սառնակունք, Ցղունի բնակավայրերը։ Սույն կանոնադրությունը գործում է Սիսիան խոշորացված համայնքի բոլոր 36 բնակավայրերի համար։
3. Սույն քաղաքաշինական կանոնադրությունը հիմք է հանդիսանում հետագայում գոտևորման նախագծի մշակման համար և կցվում է նախագծա­յին առաջադրանքին և պարտադիր հաշվի է առնվում համայնքի քաղաքաշինական ծրագրային փաստաթղթերի նախագծման ընթացքում:
4. Համայնքի ավագանու կողմից հաստատվելուց հետո քաղաքաշինական կա­նոնա­դրությամբ ամրագրված պայմանները ներառվում են համայնքի ղեկավարի կողմից կառուցապատողին տրամադրվող ճարտարապետահատակագծային առաջադրանքում` համապատասխան դրույթներ ամրագրելով առաջադրանքի ձևի «Լրացուցիչ պայման­ներ» բաժնում:
5. Համայնքի քաղաքաշինական գործունեությունը իրականացվում է Սիսիան խոշորացված համայնքի «ՍՅՈՒՆԻՔ – 4-6- » միկրոռեդգիոնալ մակարդակի համակցված տարածական պլանավորման նախագծի, սույն կանոնադրության, ՀՀ քաղաքաշինության բնագավառի օրենսդրության, գործող նորմատիվա-տեխնիկական փաստաթղթերի հիման վրա:
6. **ՀԱՄԱՅՆՔԻ (ԲՆԱԿԱՎԱՅՐԻ) ՔԱՂԱՔԱՇԻՆԱԿԱՆ ԱՎԱՆԴՈՒՅԹՆԵՐԸ**

(Ճարտարապետության առանձնահատկությունները և շինարարության տեխնոլոգիաները)

1. Համայնքի կազմում ընդգրկված բնակավայրերի տարածքում գտնվում են հիմնականում վերջին 150-200 տարվա ընթացքում կառուցված շենքեր և շինություններ, որոնց մեջ աչքի ընկնող կառույցներում գերիշխող են ավանդական քարի ճարտարա­պետական հին ոճը՝ քարե մակերեսների և մանրամասների որակյալ և բարձրարվեստ մշակմամբ հաճախ նորոգման կարիք ունեցող, ինչպես նաև հիմնականում վերջին 30 տարիներին կառուցված նորաոճ շենքերը՝ ժամանակակից բարձրորակ շինարարական նյութերի կիրառմամբ և տեխնիկական հագեցվածությամբ, հաճախ համադրված ավանդականի հետ:
2. Նկարագրությունը հիմնավորվում է համապատասխան լուսանկարներով, գծագրերով:
3. **ՀԱՄԱՅՆՔՈՒՄ ԱՌԿԱ ՊԱՏՄԱՄՇԱԿՈՒԹԱՅԻՆ ՀՈՒՇԱՐՁԱՆՆԵՐԸ**
4. Սյունիքի մարզի Սիսիան համայնքի տարածքում տեղակայված հուշարձանների ցուցակն ըստ բնակավայրերի բերված է ներքո աղյուսակում:

**ՀԱՅԱՍՏԱՆԻ ՀԱՆՐԱՊԵՏՈՒԹՅԱՆ ՍՅՈՒՆԻՔԻ ՄԱՐԶԻ ՍԻՍԻԱՆ ՀԱՄԱՅՆՔԻ ՊԱՏՄՈՒԹՅԱՆ ԵՎ ՄՇԱԿՈՒՅԹԻ ԱՆՇԱՐԺ ՀՈՒՇԱՐՁԱՆՆԵՐԻ ՑԱՆԿ**

êÆêÆ²Ü ՔԱՂԱՔ

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **Ðáõß³ñÓ³ÝÇ Ñ³Ù³ñÁ** | **Ðáõß³ñÓ³ÝÇ »ÝÃ³Ñ³Ù³ñÁ (»ÝÃ³Ñ³Ù³ñÝ»ñÁ)** | | | **Ðáõß³ñÓ³Ý³ËáõÙµÁ,**  **Ñáõß³ñÓ³ÝÁ** | **Ä³Ù³Ý³ÏÁ** | **î»ÕÁ µÝ³Ï³í³ÛñÇ ÝÏ³ïÙ³Ùµ, Ñ³ëó»Ý** | **Üß³Ý³ÏáõÃÛáõÝÁ. Ñ³Ýñ³å»ï³Ï³Ý / ï»Õ³Ï³Ý** | **Ì³ÝáÃ³·ñáõÃÛáõÝ** |
| **1** | **2** | **3** | **4** | **5** | **6** | **7** | **8** | **9** |
| **1** |  |  |  | ²Øðàò | µñáÝ½Ç ¹³ñ | ù³Õ³ùÇ Ñë-³» »½ñÇÝ, àñá-ï³Ý ·»ïÇ Ó³Ë³­ÏáÕÙÛ³Ý µ³ñÓñ ù³­ñ³­÷ÇÝ, êÇëÇ³Ý-²ÕÇ­ïáõ ×³Ý³­å³ñÑÇ ³Ù»­Ý³­­µ³ñÓñ Ñ³ïí³ÍáõÙ, êÛáõ­ÝÇ µ»ñ¹Çó Ùáï 20 Ù ³» | Ð | Ù³ëÝ³ÏÇ ³í»ñí³Í ¿ |
| **2** |  |  |  | ²Øðàò Ì²Î ø²ð | ÙÇçÝ³­¹³ñ | ù³Õ³ùÇ ³ñ¨ÙïÛ³Ý Ù³­ëáõÙ, êµ. ÐáíÑ³ÝÝ»ë »­Ï»­Õ»óáõ Ñ³ñ¨³­ÝáõÃÛ³Ùµ | Ð |  |
| **3** |  |  |  | ²Øðàò êÚàôÜÆ (êÚàôÜÆ ´ºð¸) | í³Õ ÙÇç­­Ý³­¹³ñ | ù³Õ³ùÇ Ñë-³» »½ñÇÝ, àñá-ï³Ý ·»ïÇ Ó³Ë³­ÏáÕÙÛ³Ý µ³ñÓñ ù³­ñ³­÷ÇÝ, êÇëÇ³Ý-²ÕÇ­ïáõ ×³Ý³­å³ñÑÇ ³Ù»­-Ý³­­µ³ñÓñ Ñ³ïí³ÍáõÙ | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
| **4** |  |  |  | ²Øðàò ø²ð²´ºð¸ | ø.³. 2-  1 Ñ³½. | ù³Õ³ùÇ Ñë-³Ù »½ñÇÝ | Ð |  |
|  | **4.1** |  |  | ¸³Ùµ³ñ³Ý³¹³ßï | ø.³. 2-  1 Ñ³½. |  | Ð |  |
| **5** |  |  |  | ´Ü²Î²îºÔÆ | ø.³. 2-  1 Ñ³½. | àñáï³ÝÇ µ³ñÓñ³¹Çñ Ó³Ë ³÷ÇÝ, êµ. ÐáíÑ³ÝÝ»ë »Ï»Õ»óáõ Ùáï ï³ñ³ÍíáÕ ·»ñ»½Ù³ÝáóÇó Ñë-³» | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
| **6** |  |  |  | ´Ü²Î²îºÔÆ  ¼àð²ò ø²ðºð | ø.³.  3 Ñ³½. í»ñç –  1 Ñ³½.  2-ñ¹ Ï»ë | ù³Õ³ùÇó 3 ÏÙ Ñë, ÁÝ¹³ñ-Ó³Ï Ññí³Ý¹³ÝÇ íñ³ | Ð | §ÔáßáõÝ ¹³ß¦, ³í»ñí³Í ¿ |
|  | **6.1** |  |  | ²ëïÕ³¹Çï³ñ³Ý ø³ñ³ÑáõÝç |  |  | Ð | Ù»Ý³ù³ñ»ñÇ ËáõÙµ, í»ñ³Ý­í³Ýí»É ¿ ÐÐ Î³é³­í³­ñáõ­ÃÛ³Ý 29.07.04 Ã. N 1095-Ü áñáßÙ³Ùµ |
|  | **6.2** |  |  | ¸³Ùµ³ñ³Ý³¹³ßï | ø.³.  3 Ñ³½. í»ñç –1 Ñ³½.  2-ñ¹ Ï»ë |  | Ð |  |
|  |  | **6.2.1** |  | §²ñù³Û³Ï³Ý¦ ¹³Ùµ³ñ³Ý | ø.³.  2 Ñ³½.  1-ÇÝ Ï»ë | ¹³Ùµ³ñ³Ý³¹³ßïÇ µ³ñÓñ³¹Çñ` ³» Ù³ëáõÙ | Ð |  |
| **7** |  |  |  | ¸²Ø´²ð²Ü | ø.³. 2-  1 Ñ³½. | êµ. ÐáíÑ³ÝÝ»ë »Ï»Õ»óáõó Ùáï 800 Ù Ñë, ë³ñ³É³ÝçÇÝ | Ð |  |
| **8** |  |  |  | ¸²Ø´²ð²Ü | ø.³. 1 ¹.  Ï»ë | ù³Õ³ùÇ ³» Ã³Õ³­Ù³­ëáõÙ, å³Ýñ³­·áñ­Í³­ñ³ÝÇ Ùáï | Ð | ÇßË³Ý³Ï³Ý ¹³Ùµ³ñ³Ý |
| **9** |  |  |  | ¸²Ø´²ð²Ü | ø.Ñ. 1 ¹. ëÏÇ½µ | ù³Õ³ùÇ ³» Ã³Õ³­Ù³­ëáõÙ, ÇßË³Ý³Ï³Ý ¹³Ùµ³ñ³ÝÇó Ùáï 150 Ù Ñë-³» | Ð | í³Õ »ñÏ³Ã»­¹³ñ-  Û³Ý ¹³Ùµ³ñ³ÝáõÙ Ï³ï³ñ­í³Í »ñÏñáñ­¹³­Ï³Ý Ã³ÕáõÙ |
| **10** |  |  |  | ¸²Ø´²ð²Ü²¸²Þî | ø.³.  2 Ñ³½. ëÏÇ½µ-  1 Ñ³½.  2-ñ¹ Ï»ë | àñáï³ÝÇ Ó³Ë ³÷ÇÝ, êÇëÇ³Ý, Ô½ÉçáõÕ ¨ ²Ý·»Õ³ÏáÃ µÝ³Ï³í³Ûñ»-ñÇ ÙÇç¨ | Ð | ³é³ÝÓÇÝ ¹³Ùµ³ñ³Ý³-  µÉáõñÝ»ñ »Ý |
| **11** |  |  |  | ¸²Ø´²ð²Ü²¸²Þî | ø.³.  1 Ñ³½. ëÏÇ½µ | ù³Õ³ùÇó Ùáï 4 ÏÙ Ñë, êÇëÇ³Ý-¶áñÇë Ù³Ûñáõ­Õáõ »ñÏ³ñáõÃÛ³Ùµ | Ð |  |
| **12** |  |  |  | ¸²Ø´²ð²Ü²¸²Þî êÆêÆ²Ü - 1 | ø.³.  2 Ñ³½.-  9-8 ¹¹. | ÷áñÓ³Ï³Û³ÝÇ ï³ñ³ÍùáõÙ | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
| **13** |  |  |  | ¸²Ø´²ð²Ü²¸²Þî êÆêÆ²Ü - 2 | ø.³.  2 Ñ³½. ëÏÇ½µ-  ø.³ 1 Ñ³½. 1-ÇÝ Ï»ë | ù³Õ³ùÇ ³» Ù³ïáõÛó-Ý»ñáõÙ, ³Õµ³ÝáóÇ ï³ñ³ÍùáõÙ | Ð | àñáï³ÝÇ ÏÇñ×Ç »½ñÇó Ó·íáõÙ ¿ ÙÇÝã¨ êÛáõÝÇ µ»ñ¹ |
| **14** |  |  |  | ºÎºÔºòÆ  ê´. ÐàìÐ²Ü­Üºê (êÆê²ì²ÜÆ ê´. ÐàìÐ²ÜÜºê ºÎºÔºòÆ, êÚàôÜÆ ì²Üø) | 670-689 ÃÃ. | ù³Õ³ùÇ ³Ù ÏáÕÙáõÙ | Ð | ·áñÍáÕ. ÑéÇ÷ëÇÙ»³­-  ïÇå Ï³éáõÛó ¿ |
|  | **14.1** |  |  | ¶»ñ»½Ù³Ýáó | 10-20 ¹¹. | »Ï»Õ»óáõ ßáõñçÁ | Ð | ï³ñ³ÍùáõÙ ¨ ßñç³Ï³ÛùáõÙ ÝÏ³ï»ÉÇ »Ý µÝ³Ï³ï»ÕÇÇ Ñ»ïù»ñ |
|  |  | **14.1.1** |  | Ê³ãù³ñ | 10 ¹. | »Ï»Õ»óáõó Ñë | Ð | ÏÇë³·»ïÝ³­Ã³Õ ¿ |
|  |  | **14.1.2** |  | Ê³ãù³ñ | 10 ¹. | »Ï»Õ»óáõó Ñë | Ð | ÏÇë³·»ïÝ³­Ã³Õ ¿ |
|  |  | **14.1.3** |  | Ê³ãù³ñ | 10-11 ¹¹. |  | Ð | ÁÝÏ³Í ¿ |
|  |  | **14.1.4** |  | Ê³ãù³ñ | 10-11 ¹¹. |  | Ð | »ñÏ³ïí³Í ¿, ÁÝÏ³Í |
|  |  | **14.1.5** |  | Ê³ãù³ñ | 11-12 ¹¹. |  | Ð | ÁÝÏ³Í ¿ |
|  |  | **14.1.6** |  | Ê³ãù³ñ ¾Ñ³Ý»ëÇ, Â³Ã³ñÇ | 1307 Ã. |  | Ð | »ñÏ³ïí³Í ¿, ÁÝÏ³Í |
|  |  | **14.1.7** |  | î³å³Ý³ù³ñ | 1607 Ã. | »Ï»Õ»óáõó Ùáï 15 Ù Ñí | Ð | ³éÛáõÍÇ ¨ óÉÇ ÏéíÇ ï»ë³ñ³­Ýáí |
|  | **14.2** |  |  | Ðáõß³ñÓ³Ýª ²ñó³ËÛ³Ý å³ï»ñ³½ÙáõÙ ½áÑí³Í ³½³ï³Ù³ñïÇÏÝ»ñÇÝ | 1993 Ã. |  | î | ×³ñï.` Ø.  Ð³Ùµ³ñÓáõÙÛ³Ý |
|  | **14.3** |  |  | Ðáõß³ñÓ³Ýª Ø»Í ºÕ»éÝÇ ½áÑ»ñÇÝ | 1993 Ã. |  | î | ×³ñï.` Ø.  Ð³Ùµ³ñÓáõÙÛ³Ý |
| **15** |  |  |  | Î²Øàôðæ | ÙÇçÝ³-¹³ñ | êÛáõÝÇ Ã³Õ³Ù³ëáõÙ, àñáï³Ý ¨ ¶ÇÅ ·»ï»ñÇ ÙÇ³Ë³éÝÙ³Ý í³ÛñÇ Ùáï, ù³Õ³ùÁ àõÛÍ ·Ûáõ­ÕÇ Ñ»ï Ï³åáÕ Ý»ñÏ³­­ÛÇë ³Ýßáõù Ï³ÙñçÇó ·»­­ïÇ Ñáë³Ýùáí  ÙÇ ù³ÝÇ Ù»ïñ ó³Í, µ³Ý-ç³ñ³ÝáóÇ ï³ñ³ÍùáõÙ | Ð | Ñ³ÛïÝÇ ¿ ¼³ñ», Ê³ÝùÛá÷ñÇ ³Ýí³Ý³Ó¨»ñáí, »Õ»É ¿ »ñÏÃéÇãù,  å³Ñå³Ýí»É ¿ Ó³Ë³÷ÝÛ³  Ë»ÉÁ |
| **16** |  |  |  | ÐàôÞ²Ô´Úàôðª ºðÎðàð¸ ²ÞÊ²ðÐ²Ø²ðîàôØ ¼àÐì²Ì ´àôÄ²ÞÊ²îàÔÜºðÆÜ | 1992 Ã. | ù³Õ³ùÇ Ñí ÏáÕÙáõÙ, ÑÇí³Ý¹³ÝáóÇ µ³ÏáõÙ | î |  |
| **17** |  |  |  | ÐàôÞ²Ô´Úàôðª ºðÎðàð¸ ²ÞÊ²ðÐ²Ø²ðîàôØ ¼àÐì²ÌÜºðÆÜ | 1945 Ã. | ù³Õ³ù³å»ï³ñ³ÝÇ Ùáï | Ð | ×³ñï.`  è. Æëñ³Û»ÉÛ³Ý |
| **18** |  |  |  | ÐàôÞ²Ô´Úàôðª  Ð²Ú ºì èàôê ÄàÔàìàôð¸ÜºðÆ ´²ðºÎ²ØàôÂÚ²Ü | 1970-³Ï³Ý ÃÃ. | ù³Õ³ùÇ Ñë »½ñÇÝ, êÇëÇ³Ý-Þ³ùÇ ×³Ý³­å³ñÑÇ ³ç ÏáÕÙáõÙ | î |  |
| **19** |  |  |  | ÐàôÞ²Ô´Úàôðª Ð²ÚðºÜ²Î²Ü ØºÌ ä²îºð²¼ØàôØ î²ð²Ì Ð²ÔÂ²Ü²ÎÆ  40 - ²ØÚ²ÎÆÜ | 1985 Ã. | ¸áõñÛ³Ý ÷áÕ. | Ð | ×³ñï.`  è. Æëñ³Û»ÉÛ³Ý |
| **20** |  |  |  | ÐàôÞ²ðÒ²Üª §²ðÌÆì¦ (ø²Ô²øÆ ØàôîøÀ) | 1975 Ã. | Þ³ùÇ-êÇëÇ³Ý ×³Ý³­å³ñÑÇ ³ç ÏáÕÙáõÙ | î |  |
|  | **20.1** |  |  | Ê³ãù³ñ | 17 ¹. | Ñáõß³ñÓ³ÝÇó Ùáï 50 Ù ³» | î | å³ñ½áõÝ³Ï ¿ |
| **21** |  |  |  | ÐàôÞ²ðÒ²Üª 1988 Ã. ºðÎð²Þ²ðÄÆ ¼àÐºðÆÜ | 1990 Ã. | ÞÇñ³ÏÇ ÷áÕ., êÇëÇ³Ý - ²ßáï³í³Ý ×³Ý³­å³ñ­ÑÇ Ë³ãÙ»ñáõÏáõÙ | î |  |
| **22** |  |  |  | ÐàôÞ²ðÒ²Üª ºðÎðàð¸  ²ÞÊ²ðÐ²­Ø²ðîàôØ ¼àÐì²ÌÜº­ðÆÜ | 1960-³Ï³Ý ÃÃ. | ÞÇñí³Ý½³¹»Ç ÷áÕ., ½ÇÝíáñ³Ï³Ý å³ñ»­ï³-  ï³Ý ß»ÝùÇ Ùáï | î |  |
| **23** |  |  |  | ÐàôÞ²ðÒ²Üª ºðÎðàð¸  ²ÞÊ²ðÐ²­Ø²ðîàôØ ¼àÐì²ÌÜº­ðÆÜ | 1975 Ã. | ù³Õ³ùÇ Ñë »½ñÇÝ, êµ. ÐáíÑ³ÝÝ»ë »Ï»Õ»óáõó ³», µ³ñÓáõÝùÇ íñ³ | Ð | ×³ñï.` ². ´³Õ¹³ë³ñÛ³Ý |
| **24** |  |  |  | ÐàôÞ²ðÒ²Üª  Ð²Ú²ê­î²ÜàôØ Êàð­Ðð- ¸²­ÚÆÜ Î²ð¶ºðÆ Ð²ê­î²î­Ø²Ü Ð²Ø²ð ÀÜÎ²Ì Ø²ðîÆÎÜºðÆÜ | 1961 Ã. | ¸áõñÛ³Ý ÷áÕ. | î | ù³Ý¹.`  Î. Ø»Í³ïáõñÛ³Ý |
| **25** |  |  |  | ÐàôÞ²ðÒ²Üª ²Þàî Ü²ì²ê²ð¸Ú²ÜÆ | 2005 Ã. | ù³Õ³ùÇ Ù»ç | î | ù³Ý¹.` ¶. ´³Õ¹³ë³ñÛ³Ý |
| **26** |  |  |  | ÐàôÞ²ðÒ²Üª  êîºö²Ü Þ²ÐàôØÚ²ÜÆ | 1970 Ã. | ¶»Õ³ñí»ëïÇ ¹åñáóÇ ¹ÇÙ³ó | î |  |
| **27** |  |  |  | ÐàôÞ²ðÒ²Üª  Ð²Øà ê²ÐÚ²ÜÆ | 2004 Ã. | ù³Õ³ùÇ Ï»ÝïñáÝáõÙ | î | ×³ñï.` Ø. Ð³Ùµ³ñÓáõÙÛ³Ý, ù³Ý¹.` ¶. ´³Õ¹³ë³ñÛ³Ý |
| **28** |  |  |  | ÞºÜø ¶ð²¸²ð²ÜÆ | 1935 Ã. | ù³Õ³ùÇ Ï»ÝïñáÝáõÙ | î |  |
| **29** |  |  |  | äàðî²ø²ð |  | êÇëÇ³Ý-¶áñÇë Ë×áõÕáõ Ó³Ë ÏáÕÙáõÙ | Ð |  |
| **30** |  |  |  | ø²Ô²ø²îºÔÆ Þ²ÐðÆêî²Ü | 5-15 ¹¹. | ù³Õ³ùÇ ³» »½ñÇÝ,  ä. ê¨³ÏÇ ÷áÕ. | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
|  | **30.1** |  |  | Ê³ãù³ñ | 1056 Ã. |  | Ð |  |
|  | **30.2** |  |  | Ê³ãù³ñ | 11 ¹. |  | Ð |  |
|  | **30.3** |  |  | ÎáÃáÕ | 1071 Ã. |  | Ð | ÷áùñ |
| **31** |  |  |  | ø²Ü¸²Î §ÎîðÆÖ¦ | 1988 Ã. | ù³Õ³ùÇ ³ç³÷ÝÛ³ÏáõÙ, ÏÇÝáÃ³ïñáÝÇ ¹ÇÙ³ó | î | ù³Ý¹.` ¶. ´³Õ¹³ë³ñÛ³Ý |
| **32** |  |  |  | ø²ð²¸²ð²Ü | 1972 Ã. | ù³Õ³ùÇ Ï»ÝïñáÝáõÙ | Ð |  |
|  | **32.1** |  |  | Ä³Ûé³å³ïÏ»ñ | ø.³. 5-2 Ñ³½. | ù³ñ³¹³ñ³ÝÇ µ³ÏáõÙ | Ð | ï»Õ³÷áËí»É ¿ àõÕï³ë³ñÇó |
|  | **32.2** |  |  | Ä³Ûé³å³ïÏ»ñ | ø.³. 5-2 Ñ³½. | ù³ñ³¹³ñ³ÝÇ µ³ÏáõÙ | Ð | ï»Õ³÷áËí»É ¿ àõÕï³ë³ñÇó |
|  | **32.3** |  |  | Ä³Ûé³å³ïÏ»ñ | ø.³. 5-2 Ñ³½. | ù³ñ³¹³ñ³ÝÇ µ³ÏáõÙ | Ð | ï»Õ³÷áËí»É ¿ àõÕï³ë³ñÇó |
|  | **32.4** |  |  | Ä³Ûé³å³ïÏ»ñ | ø.³. 5-2 Ñ³½. | ù³ñ³¹³ñ³ÝÇ µ³ÏáõÙ | Ð | ï»Õ³÷áËí»É ¿ àõÕï³ë³ñÇó |
|  | **32.5** |  |  | Ä³Ûé³å³ïÏ»ñ | ø.³. 5-2 Ñ³½. | ù³ñ³¹³ñ³ÝÇ µ³ÏáõÙ | Ð | ï»Õ³÷áËí»É ¿ àõÕï³ë³ñÇó |
|  | **32.6** |  |  | Ä³Ûé³å³ïÏ»ñ | ø.³. 5-2 Ñ³½. | ù³ñ³¹³ñ³ÝÇ µ³ÏáõÙ | Ð | ï»Õ³÷áËí»É ¿ àõÕï³ë³ñÇó |
|  | **32.7** |  |  | Ä³Ûé³å³ïÏ»ñ | ø.³. 5-2 Ñ³½. | ù³ñ³¹³ñ³ÝÇ µ³ÏáõÙ | Ð | ï»Õ³÷áËí»É ¿ àõÕï³ë³ñÇó |
|  | **32.8** |  |  | Ê³ãù³ñ | 9-10 ¹¹. | ù³ñ³¹³ñ³ÝÇ µ³ÏáõÙ | Ð |  |
|  | **32.9** |  |  | Ê³ãù³ñ | 14-15 ¹¹. | ù³ñ³¹³ñ³ÝÇ µ³ÏáõÙ | Ð |  |
|  | **32.10** |  |  | Ê³ãù³ñ | 1549 Ã. | ù³ñ³¹³ñ³ÝÇ µ³ÏáõÙ | Ð | ï»Õ³÷áËí»É ¿ ²Ý·»Õ³ÏáÃÇó, ù³ñ·áñÍ` ²Ïáµ ÝÏ³ñáÕ |
|  | **32.11** |  |  | Ê³ãù³ñ | 16-17 ¹¹. | ù³ñ³¹³ñ³ÝÇ µ³ÏáõÙ | Ð |  |
|  | **32.12** |  |  | Ê³ãù³ñª Âá¹áëÇ | 1459 Ã. | ù³ñ³¹³ñ³ÝÇ µ³ÏáõÙ | Ð |  |
|  | **32.13** |  |  | Ê³ãù³ñª ÊáõÙ³ñÇ | 1423 Ã. | ù³ñ³¹³ñ³ÝÇ µ³ÏáõÙ | Ð |  |
|  | **32.14** |  |  | Ê³ãù³ñª Þ³ÑñÇ³ñÇ | 1420 Ã. | ù³ñ³¹³ñ³ÝÇ µ³ÏáõÙ | Ð |  |
|  | **32.15** |  |  | Ê³ãù³ñª ÞÙ³íáÝ ù³Ñ³Ý³ÛÇ | 1424 Ã. | ù³ñ³¹³ñ³ÝÇ µ³ÏáõÙ | Ð |  |
|  | **32.16** |  |  | Ðáõß³ñÓ³Ýª ÜÇÏáÕ³Ûáë ²¹áÝóÇ | 1993 Ã. | ù³ñ³¹³ñ³ÝÇ Ùáï | Ð | ù³Ý¹.`  ². Ðáíë»÷Û³Ý |
|  | **32.17** |  |  | î³å³Ý³ù³ñ | 15-16 ¹¹. | ù³ñ³¹³ñ³ÝÇ µ³ÏáõÙ | Ð | ËáÛ³Ó¨ |
|  | **32.18** |  |  | î³å³Ý³ù³ñ | 15-16 ¹¹. | ù³ñ³¹³ñ³ÝÇ µ³ÏáõÙ | Ð | ËáÛ³Ó¨ |
|  | **32.19** |  |  | î³å³Ý³ù³ñ | 15-16 ¹¹. | ù³ñ³¹³ñ³ÝÇ µ³ÏáõÙ | Ð | ËáÛ³Ó¨, ³ñ­Ó³­Ý³·Çñ, å³ï­íÇ­ñ³ïáõ` Ü»ÉÇ×³Ý |
|  | **32.20** |  |  | î³å³Ý³ù³ñ | 15-16 ¹¹. | ù³ñ³¹³ñ³ÝÇ µ³ÏáõÙ | Ð | ËáÛ³Ó¨ |
|  | **32.21** |  |  | î³å³Ý³ù³ñ | 15-16 ¹¹. | ù³ñ³¹³ñ³ÝÇ µ³ÏáõÙ | Ð | ËáÛ³Ó¨, ³ñ³­µ³ï³é ³ñÓ³­Ý³·ñáõÃÛ³Ùµ |
|  | **32.22** |  |  | î³å³Ý³ù³ñ | 15-16 ¹¹. | ù³ñ³¹³ñ³ÝÇ µ³ÏáõÙ | Ð | ËáÛ³Ó¨, ³ñ³­µ³ï³é ³ñÓ³­Ý³·ñáõÃÛ³Ùµ |
|  | **32.23** |  |  | î³å³Ý³ù³ñ | 15-16 ¹¹. | ù³ñ³¹³ñ³ÝÇ µ³ÏáõÙ | Ð | ËáÛ³Ó¨, ³ñ³­µ³ï³é ³ñÓ³­Ý³·ñáõÃÛ³Ùµ |
|  | **32.24** |  |  | î³å³Ý³ù³ñ | 15-16 ¹¹. | ù³ñ³¹³ñ³ÝÇ µ³ÏáõÙ | Ð | ËáÛ³Ó¨, ³ñ³­µ³ï³é ³ñÓ³­Ý³·ñáõÃÛ³Ùµ |
|  | **32.25** |  |  | î³å³Ý³ù³ñ | 15-16 ¹¹. | ù³ñ³¹³ñ³ÝÇ µ³ÏáõÙ | Ð | ËáÛ³Ó¨, ³ñ³­µ³ï³é ³ñÓ³­Ý³·ñáõÃÛ³Ùµ |
|  | **32.26** |  |  | î³å³Ý³ù³ñª Æë³Ë³ÝÇ | 1569 Ã. | ù³ñ³¹³ñ³ÝÇ µ³ÏáõÙ | Ð | ËáÛ³Ó¨ |
|  | **32.27** |  |  | î³å³Ý³ù³ñª ê³ñ·ëÇ | 1661 Ã. | ù³ñ³¹³ñ³ÝÇ µ³ÏáõÙ | Ð | ËáÛ³Ó¨ |
| **33** |  |  |  | ø²ð²Úð - Î²ò²ð²ÜÜºð | ù³ñÇ ¹³ñ | ù³Õ³ùÇ Ñë-³Ù »½ñÇÝ, êÇëÇ³Ý-Þ³ùÇ ×³Ý³å³ñÑÇó ³ç | Ð | 4 ù³ñ³Ûñ |
| **34** |  |  |  | ø²ð²Úð - Î²ò²ð²ÜÜºð | ù³ñÇ ¹³ñ | ù³Õ³ùÇ Ñë ÏáÕÙáõÙ, êµ. ÐáíÑ³ÝÝ»ë »Ï»Õ»óáõó ³», §¶»ÕÇ ·ÉáõË¦ í³ÛñáõÙ | Ð | 3 ù³ñ³Ûñ |

¸²êî²Îºðî

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **1** | **2** | **3** | **4** | **5** | **6** | **7** | **8** | **9** |
| **1** |  |  |  | ´Ü²ÎºÈÆ ø²ð²Úð | áõß ÙÇç-Ý³¹³ñ | ù³Õ³ùÇ Ñë ÏáÕÙáõÙ | Ð | ÙÇ³ëñ³Ñ ¿ |
| **2** |  |  |  | ´Ü²ÎºÈÆ ø²ð²Úð | áõß ÙÇç-Ý³¹³ñ | ù³Õ³ùÇ Ñë ÏáÕÙáõÙ | Ð | ÙÇ³ëñ³Ñ ¿ |
| **3** |  |  |  | ¶ºðº¼Ø²Üàò | áõß ÙÇç- Ý³¹³ñ | ù³Õ³ùÇ Ñë-³» »½ñÇÝ, µ³ñÓñ³¹Çñ í³ÛñáõÙ | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
| **4** |  |  |  | ¶ÚàôÔ²îºÔÆ |  | ù³Õ³ùÇó 2 ÏÙ Ñë-³Ù, §øÛáõñ Óáñ¦ í³ÛñáõÙ | Ð |  |
| **5** |  |  |  | Ê²âø²ð | 1320 Ã. | ù³Õ³ùÇó 2 ÏÙ Ñë | Ð |  |
| **6** |  |  |  | Ê²âø²ðª Ô²Ðä²Ð ì²ð­¸²äºîÆ | 13-14 ¹¹. | îáñáõÝÇù ï³ÝáÕ ×³Ý³å³ñÑÇÝ | Ð |  |
| **7** |  |  |  | î²ä²Ü²ø²ðª ²êÈ²ÜÆ | 16 ¹. | ù³Õ³ùÇ Ï»ÝïñáÝáõÙ | Ð | Ñ³ñÃ |

²ÊÈ²ÂÚ²Ü

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **1** | **2** | **3** | **4** | **5** | **6** | **7** | **8** | **9** |
| **1** |  |  |  | ¶ºðº¼Ø²Üàò | áõß ÙÇç-Ý³¹³ñ | ·ÛáõÕÇó Ùáï 500 Ù Ñí | Ð |  |
| **2** |  |  |  | ¶ÚàôÔ²îºÔÆ ²ÊÈ²ÂÚ²Ü | ÙÇçÝ³­¹³ñ-  20 ¹. | ·ÛáõÕÇó Ùáï 500 Ù ³Ù, ²ÛñÇ·»ïÇ ³ç ³÷ÇÝ | Ð | ³í»ñí»É ¿  1931 Ã. »ñÏñ³ß³ñÅÇó |
|  | **2.1** |  |  | ¶»ñ»½Ù³Ýáó | 11-19 ¹¹. | ·ÛáõÕ³ï»ÕÇÇ êµ. ê³ñ­·Çë »Ï»Õ»óáõó Ñí ¨ ³Ù | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
|  |  | **2.1.1** |  | Ê³ãù³ñ | 11 ¹. |  | Ð | ÁÝÏ³Í ¿ |
|  | **2.2** |  |  | ¶»ñ»½Ù³Ýáó | ÙÇçÝ³-¹³ñ-20 ¹. ëÏÇ½µ | ·ÛáõÕ³ï»ÕÇÇ êµ. ê³ñ­·Çë »Ï»Õ»óáõó Ùáï 100 Ù ³», µ³ñÓáõÝùÇ íñ³ | Ð |  |
|  |  | **2.2.1** |  | Ê³ãù³ñ | 9-10 ¹¹. |  | Ð | ÁÝÏ³Í ¿ |
|  |  | **2.2.2** |  | Ê³ãù³ñª | 1003 Ã. |  | Ð |  |
|  |  | **2.2.3** |  | Ê³ãù³ñ Ø³ñÇ³ÙÇ | 11-12 ¹¹. |  | Ð | ÁÝÏ³Í ¿ |
|  |  | **2.2.4** |  | î³å³Ý³ù³ñ | 1674 Ã. |  | Ð | µ³ñÓñ ¿, å³ï­Ï»­ñ³ù³Ý­¹³Ï­Ý»ñáí |
|  |  | **2.2.5** |  | î³å³Ý³ù³ñª ¶ñÇ·áñÇ | 1581 Ã. |  | Ð | ûñáñáó³Ó¨ ¿, ï»Õ³Ñ³Ýí³Í |
|  |  | **2.2.6** |  | î³å³Ý³ù³ñª îáÕ³ÝÇ | 1601 Ã. |  | Ð | µ³ñÓñ ¿, å³ï­Ï»­ñ³ù³Ý­¹³ÏÝ»ñáí |
|  | **2.3** |  |  | ¶»ñ»½Ù³Ýáó | 17-19 ¹¹. | ·ÛáõÕ³ï»ÕÇÇ  êµ. ê³ñ·Çë »Ï»Õ»óáõó Ùáï 80 Ù Ñë, µÉñÇ íñ³ | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
|  |  | **2.3.1** |  | Ê³ãù³ñª Ø³ñïÇñáëÇ ¨ Þ³ÙÝ³ÙÇ | 1674 Ã. |  | Ð |  |
|  | **2.4** |  |  | ºÏ»Õ»óÇ êµ. ê³ñ·Çë | 17 ¹. |  | Ð | ÏÇë³í»ñ ¿ |
|  |  | **2.4.1** |  | Ê³ãù³ñ | 16-17 ¹¹. | »Ï»Õ»óáõ Ù»ç | Ð |  |
|  |  | **2.4.2** |  | Ê³ãù³ñ | 16-17 ¹¹. | »Ï»Õ»óáõ Ù»ç | Ð |  |
| **3** |  |  |  | ¶ÚàôÔ²îºÔÆ ²ð²ìàôê | ÙÇçÝ³-¹³ñ | ·ÛáõÕÇó 2 ÏÙ Ñí, ²ÛñÇ·»ïÇ Ó³Ë ³÷ÇÝ | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
|  | **3.1** |  |  | ¶»ñ»½Ù³Ýáó | ÙÇçÝ³-¹³ñ | ·ÛáõÕ³ï»ÕÇáõÙ, µÉñÇ ·³·³ÃÇÝ | Ð | Ù»Í ¿, ³í»ñí³Í |
|  |  | **3.1.1** |  | Ê³ãù³ñ | 10 ¹. |  | Ð | ÁÝÏ³Í ¿ |
|  |  | **3.1.2** |  | Ê³ãù³ñ | 11-12 ¹¹. |  | Ð | ÁÝÏ³Í ¿ |
|  | **3.2** |  |  | ¶»ñ»½Ù³Ýáó | ÙÇçÝ³-¹³ñ | ·ÛáõÕ³ï»ÕÇáõÙ, ÃÙµÇ íñ³ | Ð | ÷áùñ ¿, ³í»ñ­í³Í |
|  |  | **3.2.1** |  | Ê³ãù³ñ | 10 ¹. |  | Ð | ÁÝÏ³Í ¿ |
|  |  | **3.2.2** |  | Ê³ãù³ñ | 10 ¹. |  | Ð | ÁÝÏ³Í ¿ |
|  |  | **3.2.3** |  | Ê³ãù³ñ | 10 ¹. |  | Ð | ÏÇëáí ã³÷ ÑáÕÇ Ù»ç ¿ |
|  |  | **3.2.4** |  | Ê³ãù³ñ | 10 ¹. |  | Ð | ÁÝÏ³Í ¿ |
|  |  | **3.2.5** |  | Ê³ãù³ñ | 10-11 ¹¹. |  | Ð | ³ñÓ³Ý³·Çñ ¿, ÁÝÏ³Í |
|  |  | **3.2.6** |  | Ê³ãù³ñ | 11-12 ¹¹. |  | Ð | ÏÇëáí ã³÷ ÑáÕÇ Ù»ç ¿ |
|  |  | **3.2.7** |  | Ê³ãù³ñ | 1211 Ã. |  | Ð | ÁÝÏ³Í ¿ |
| **4** |  |  |  | ¶ÚàôÔ²îºÔÆ Ê²âÆ ¶ÚàôÔ | 15-17 ¹¹. | ·ÛáõÕÇó Ñë, îáÉáñë ï³ÝáÕ ×³Ý³å³ñÑÇÝ | Ð |  |
| **5** |  |  |  | ¸²Ø´²ð²Ü²¸²Þî | ø.³. 3-1 Ñ³½. | ²ÛñÇ·»ïÇ Ó³Ë ³÷ÇÝ, §æ³Õ³óÇ ·ÉáõË¦ (§æ³Õ³ó³ï»Õ¦) µ³ñÓñ³¹Çñ í³ÛñáõÙ | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
| **6** |  |  |  | ¸²Ø´²ð²Ü²¸²Þî | ø.³. 3-1 Ñ³½. | ·ÛáõÕÇ ßñç³Ï³ÛùáõÙ, ÑÇÙ­Ý³Ï³ÝáõÙ` ²Ë­É³ÃÛ³Ý-îáÉáñë ×³Ý³­å³ñÑÇ áõÕÕáõÃÛ³Ùµ | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
| **7** |  |  |  | î²ä²Ü²ø²ð | 16-17 ¹¹. | ·ÛáõÕÇ Ù»ç, Î. ØáíëÇë­­­Û³­ÝÇ ïÝ³Ù»ñÓ ÑáÕ³Ù³ëáõÙ | Ð | ËáÛ³Ó¨ ¿, ï»­Õ³­­­÷áË»É »Ý êµ. ê³ñ·Çë »Ï»Õ»­óáõó 100 Ù ³» ï³ñ³Í­íáÕ ·»ñ»½Ù³­ÝáóÇó |

²ÔÆîàô

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **1** | **2** | **3** | **4** | **5** | **6** | **7** | **8** | **9** |
| **1** |  |  |  | ²Ô´Úàôð | 1702 Ã. | ·ÛáõÕÇ Ù»ç | Ð |  |
| **2** |  |  |  | ²Øðàò | ø.³. 3 Ñ³½. í»ñç-ø.³.1 Ñ³½. | ·ÛáõÕÇ Ñí Ù³ëáõÙ | Ð | ³Ùñáó ²ÕÇïáõ |
|  | **2.1** |  |  | ¸³Ùµ³ñ³Ý³¹³ßï | ø.³. 3 Ñ³½. í»ñç-ø.³.1 Ñ³½. |  | Ð |  |
|  | **2.2** |  |  | ø³ñ³Ûñ - Ï³ó³ñ³Ý | ø.³. 2-1 Ñ³½. |  | Ð |  |
| **3** |  |  |  | ºÎºÔºòÆ | í³Õ ÙÇçÝ³­¹³ñ | ·ÛáõÕÇ Ù»ç | Ð | ÙÇ³Ý³í ¿, ÏÇë³í»ñ |
|  | **3.1** |  |  | ¶»ñ»½Ù³Ýáó | í³Õ ÙÇçÝ³-¹³ñ- 17 ¹. |  | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
|  |  | **3.1.1** |  | Ê³ãù³ñ | 15 ¹. |  | Ð |  |
|  |  | **3.1.2** |  | Ê³ãù³ñ | 16 ¹. |  | Ð | ÁÝÏ³Í ¿ |
|  |  | **3.1.3** |  | Ê³ãù³ñ | 16 ¹. |  | Ð | ³ñÓ³Ý³·Çñ ¿, å³ïíÇñ³ïáõ` êï»÷³Ýáë |
|  |  | **3.1.4** |  | Ê³ãù³ñª ²ÕÙáõñÇ | 16 ¹. ëÏÇ½µ |  | Ð | ÁÝÏ³Í ¿ |
|  |  | **3.1.5** |  | Ê³ãù³ñª ê³ñ·Çë »ñ»óÇ | 1023 Ã. |  | Ð | ÁÝÏ³Í ¿ |
|  |  | **3.1.6** |  | ÎáÃáÕ | 6 ¹. |  | Ð |  |
|  |  | **3.1.7** |  | î³å³Ý³ù³ñ | 1518 Ã. |  | Ð | ù³Ý¹³Ï³½³ñ¹ µ»Ïáñ |
|  |  | **3.1.8** |  | î³å³Ý³ù³ñ | 16-17 ¹¹. |  | Ð | ûñáñáó³Ó¨ ¿, ù³Ý¹³ÏÝ»ñáí |
|  |  | **3.1.9** |  | î³å³Ý³ù³ñª ²ÏáµÇ | 1328 Ã. |  | Ð | Ñ³ñÃ |
|  |  | **3.1.10** |  | î³å³Ý³ù³ñª Ø³ñïÇñáëÇ | 16-17 ¹¹. |  | Ð | Ï»Ýó³Õ³ÛÇÝ ï»ë³ñ³Ýáí |
|  |  | **3.1.11** |  | î³å³Ý³ù³ñª àõÉáõË³ÝÇ | 16-17 ¹¹. |  | Ð | ù³Ý¹³Ï³½³ñ¹ µ»Ïáñ |

²Ü¶ºÔ²ÎàÂ

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **1** | **2** | **3** | **4** | **5** | **6** | **7** | **8** | **9** | |
| **1** |  |  |  | ´²òúÂÚ² Î²Ú²Ü §Ì²ÔÎÆ êàôð´¦ | ù³ñÇ ¹³ñ | ·ÛáõÕÇ Ñí-³» »½ñÇÝ, àñáï³ÝÇ ÏÇñ×Ç Ó³Ë ³÷ÇÝ, Ññí³Ý¹³ÝÇ íñ³ ¨ É³Ýç»ñÇÝ | Ð |  | |
|  | **1.1** |  |  | Ø³ïáõé §Ì³ÕÏÇ ëáõñµ¦ | ÙÇçÝ³­¹³ñ |  | Ð | ³í»ñí³Í ¿ | |
|  |  | **1.1.1** |  | î³å³Ý³ù³ñ | 1322 Ã. | Ù³ïáõéÇ Ùáï | Ð |  | |
|  | **1.2** |  |  | ø³ñ³Ûñ §Ì³ÕÏÇ ëáõñµ¦ | ÙÇçÝ³¹³ñ | Ù³ïáõéÇó Ùáï 200 Ù ³», Óáñ ÇçÝáÕ ×³Ý³å³ñÑÇ »½ñÇÝ | Ð | ø³ñ³Ûñ öÉí³Í ½³Õ³ | |
| **2** |  |  |  | ´Ü²Î²îºÔÆ | ø.³.  2 Ñ³½. ëÏÇ½µ | ·ÛáõÕÇ Ñí »½ñÇÝ, àñá­ï³ÝÇ ÏÇñ×Ç Ó³Ë³÷­ÝÛ³ ¹³ñ³í³Ý¹³Ó¨ É³Ýç»ñÇÝ | Ð | ³í»ñí³Í ¿ | |
|  | **2.1** |  |  | ¶ÛáõÕ³ï»ÕÇ ²Ý·»Õ³ÏáÃ | í³Õ ÙÇçÝ³-¹³ñ-19 ¹. í»ñç | ·ÛáõÕÇó Ñí | Ð | µñáÝ½»¹³ñÛ³Ý µÝ³Ï³ï»ÕÇÇ ï³ñ³ÍùáõÙ ¿ | |
|  |  | **2.1.1** |  | ¶»ñ»½Ù³Ýáó | 15-16 ¹¹. | ·ÛáõÕ³ï»ÕÇÇ Ñë »½ñÇÝ, çñ³í³½³ÝÇ Ùáï | Ð | ³í»ñí³Í ¿ | |
|  |  |  | **2.1. 1.1** | Ê³ãù³ñ | 15-16 ¹¹. |  | Ð | ³ñÓ³Ý³·Çñ ëïáñÇÝ Ï»ë | |
|  |  |  | **2.1. 1.2** | Ê³ãù³ñª ï»ñ ´³ñë»ÕÇ | 1489 Ã. |  | Ð | ï»Õ³Ñ³Ýí³Í ¿ | |
|  |  |  | **2.1. 1.3** | Ê³ãù³ñª ï»ñ ØÇù³Û»ÉÇ | 1525 Ã. |  | Ð | ï»Õ³Ñ³Ýí³Í ¿ | |
|  |  | **2.1.2** |  | ¶»ñ»½Ù³Ýáó | 16-17 ¹¹. | ·ÛáõÕ³ï»ÕÇáõÙ, §ÜáÛÝáõ¦ ³ÕµÛáõñÇ Ùáï | Ð | ³í»ñí³Í ¿ | |
|  |  |  | **2.1. 2.1** | î³å³Ý³ù³ñ | 16-17 ¹¹. |  | Ð | ûñáñáó³Ó¨ ¿, ËÝçáõÛùÇ ï»ë³ñ³Ýáí | |
|  |  |  | **2.1. 2.2** | î³å³Ý³ù³ñ ²ÉÃáõÝÇ | 1609 Ã. |  | Ð | ûñáñáó³Ó¨ ¿, Ï»Ýó³Õ³ÛÇÝ ï»ë³ñ³Ýáí | |
|  |  | **2.1.3** |  | ¶»ñ»½Ù³Ýáó | 16-19 ¹¹. | ·ÛáõÕ³ï»ÕÇÇ Ñí Ù³ëáõÙ | Ð | ³í»ñí³Í ¿ | |
|  |  |  | **2.1. 3.1** | î³å³Ý³ù³ñ | 17 ¹. |  | Ð | ûñáñáó³Ó¨ ¿, ï»Õ³Ñ³Ýí³Í, ËÝçáõÛùÇ ï»ë³ñ³Ýáí | |
|  |  |  | **2.1. 3.2** | î³å³Ý³ù³ñ | 17 ¹. |  | Ð | ûñáñáó³Ó¨ ¿, ï»Õ³Ñ³Ýí³Í, ËÝçáõÛùÇ ï»ë³ñ³Ýáí | |
|  |  |  | **2.1. 3.3** | î³å³Ý³ù³ñª Ð³ñáõÃÇ | 1716 Ã. |  | Ð | Ï»Ýó³Õ³ÛÇÝ ï»ë³ñ³Ýáí | |
|  |  | **2.1.4** |  | æñ³Õ³ó | 19 ¹. |  | î |  | |
|  |  |  | **2.1. 4.1** | Ê³ãù³ñ | 14 ¹. | çñ³Õ³óÇ Ùáï | Ð |  | |
|  |  |  | **2.1. 4.2** | Ê³ãù³ñ | 15-16 ¹¹. | çñ³Õ³óÇ Ùáï | Ð |  | |
|  |  |  | **2.1. 4.3** | Ê³ãù³ñ | 16-17 ¹¹. | çñ³Õ³óÇ Ùáï | Ð | ³ñÓ³Ý³·Çñ | |
| **3** |  |  |  | ´Ü²Î²îºÔÆ | ø.³.  1 Ñ³½.  2-ñ¹ Ï»ë | ·ÛáõÕÇó 1.5 ÏÙ Ñë-³Ù, êµ. ì³ñ¹³Ý »Ï»Õ»óáõó Ñë | Ð |  | |
|  | **3.1** |  |  | ¸³Ùµ³ñ³Ý³¹³ßï | ø.³.  1 Ñ³½.  2-ñ¹ Ï»ë | µÝ³Ï³ï»ÕÇÇ ³» Ù³ëáõÙ | Ð |  | |
| **4** |  |  |  | ¶ºðº¼Ø²Üàò | í³Õ ÙÇç-  Ý³¹³ñ-  20 ¹. | ·ÛáõÕÇ Ñë »½ñÇÝ, µ³ñÓáõÝùÇ íñ³ | Ð |  | |
|  | **4.1** |  |  | Ê³ãù³ñ | 1284 Ã. |  | Ð | ó³Íñ å³ï­­í³Ý¹³ÝÇ íñ³ | |
|  | **4.2** |  |  | Ê³ãù³ñ | 14-15 ¹¹. |  | Ð | Ù³ëÝ³ïí³Í ¿ | |
|  | **4.3** |  |  | Ê³ãù³ñ | 14-15 ¹¹. |  | Ð | å³ï­­í³Ý¹³ÝÇ íñ³ | |
|  | **4.4** |  |  | Ê³ãù³ñ | 15 ¹. |  | Ð | å³ïí³Ý¹³ÝÇ íñ³ | |
|  | **4.5** |  |  | Ê³ãù³ñ | 15 ¹. |  | Ð | »ñÏ³ïí³Í ¿, å³ïí³Ý¹³ÝÇ íñ³ | |
|  | **4.6** |  |  | Ê³ãù³ñ | 15 ¹. |  | Ð | »ñÏ³ïí³Í ¿, å³ïí³Ý¹³ÝÇ íñ³ | |
|  | **4.7** |  |  | Ê³ãù³ñ | 15 ¹. |  | Ð | å³ïí³Ý¹³ÝÇ íñ³ | |
|  | **4.8** |  |  | Ê³ãù³ñ | 15 ¹. |  | Ð | å³ïí³Ý¹³ÝÇ íñ³ | |
|  | **4.9** |  |  | Ê³ãù³ñ | 15 ¹. |  | Ð | ó³Íñ å³ï­í³Ý¹³ÝÇ íñ³ | |
|  | **4.10** |  |  | Ê³ãù³ñ | 15 ¹. |  | Ð | ³ñÓ³Ý³·Çñ í»ñÇÝ µ»Ïáñ | |
|  | **4.11** |  |  | Ê³ãù³ñ | 15 ¹. |  | Ð | å³ïí³Ý¹³ÝÇ íñ³ | |
|  | **4.12** |  |  | Ê³ãù³ñ | 15 ¹. |  | Ð | »ñÏ³ïí³Í ¿, ÁÝÏ³Í | |
|  | **4.13** |  |  | Ê³ãù³ñ | 15-16 ¹¹. |  | Ð | å³ïí³Ý¹³ÝÇ íñ³ | |
|  | **4.14** |  |  | Ê³ãù³ñ | 15-16 ¹¹. |  | Ð | ÁÝÏ³Í ¿ | |
|  | **4.15** |  |  | Ê³ãù³ñ | 15-16 ¹¹. |  | Ð | »ñÏ³ïí³Í ¿, ÁÝÏ³Í | |
|  | **4.16** |  |  | Ê³ãù³ñ | 15-16 ¹¹. |  | Ð | å³ïí³Ý¹³ÝÇ íñ³ | |
|  | **4.17** |  |  | Ê³ãù³ñ | 15-16 ¹¹. |  | Ð | »ñÏ³ïí³Í ¿ | |
|  | **4.18** |  |  | Ê³ãù³ñ | 16-17 ¹¹. | Ï³Ý·Ý»óí³Í ¿ 5 ¹. ÏáÃáÕÇ íñ³ | Ð |  | |
|  | **4.19** |  |  | Ê³ãù³ñ | 16-17 ¹¹. | Ï³Ý·Ý»óí³Í ¿ 5 ¹. ÏáÃáÕÇ µ³½Ù³ëïÇ×³Ý å³ïí³Ý¹³ÝÇ íñ³ | Ð |  | |
|  | **4.20** |  |  | Ê³ãù³ñ ²Ã³µ»ÏÇ | 1431Ã. | ·»ñ»½Ù³ÝáóÇ Ñë »½ñÇÝ | Ð | å³ïí³Ý¹³ÝÇ íñ³ | |
|  | **4.21** |  |  | Ê³ãù³ñª ²ÙÇñÇ ¨ ¶ÇÝ»ÏÇ | 1418 Ã. | ·»ñ»½Ù³ÝáóÇ ³Ù Ù³ëáõÙ | Ð |  | |
|  | **4.22** |  |  | Ê³ãù³ñª ¶ñÇ·áñ ù³Ñ³Ý³ÛÇ | 1415 Ã. | ·»ñ»½Ù³ÝáóÇ ³Ù Ù³ëáõÙ | Ð |  | |
|  | **4.23** |  |  | Ê³ãù³ñª Ê³ã³ïáõñÇ | 15 ¹. |  | Ð | ëïáñÇÝ µ»Ïáñ | |
|  | **4.24** |  |  | Ê³ãù³ñª Ø³ñïÇñáëÇ | 1357 Ã. | ·»ñ»½Ù³ÝáóÇ ³Ù Ù³ëáõÙ | Ð | »ñÏ³ïí³Í ¿, ÁÝÏ³Í | |
|  | **4.25** |  |  | Ê³ãù³ñª Øáõñ³¹Ç | 15 ¹. |  | Ð | »ñÏ³ïí³Í ¿, å³ïí³Ý¹³ÝÇ íñ³ | |
|  | **4.26** |  |  | Ê³ãù³ñª Úáõëáõ÷Ç | 1421 Ã. |  | Ð | Ù³ëÝ³ïí³Í ¿ | |
|  | **4.27** |  |  | Ê³ãù³ñª êáõÉ¹³ÝÇ | 1425 Ã. |  | Ð | å³ïí³Ý¹³ÝÇ íñ³ | |
|  | **4.28** |  |  | ÎáÃáÕ | 5 ¹. |  | Ð | Ï³Ý·Ý»ó­í³Í ¿ µ³½Ù³ë­ïÇ­×³­Ý å³ï­í³Ý¹³­ÝÇó ³é³ÝÓÇÝ | |
|  | **4.29** |  |  | Ø³ïáõé | ÙÇçÝ³¹³ñ | ·»ñ»½Ù³ÝáóÇ ÑÇÝ Ã³ÕáõÙÝ»ñÇ Ñ³ïí³ÍÇ Ñí Ù³ëáõÙ | î | å³Ñå³Ýí»É »Ý ÑÇÙù»ñÁ | |
|  |  | **4.29.1** |  | Ê³ãù³ñ | 12 ¹. | Ù³ïáõéÇ Ëáñ³ÝáõÙ | Ð | í»ñÝ³Ù³ëÁ Ïáïñí³Í ¿ | |
|  | **4.30** |  |  | Ø³ïáõé | ÙÇçÝ³¹³ñ | ·»ñ»½Ù³ÝáóÇ ÑÇÝ Ã³ÕáõÙÝ»ñÇ Ñ³ïí³ÍÇ Ñí Ù³ëáõÙ | î | å³Ñå³Ýí»É »Ý ÑÇÙù»ñÁ | |
|  | **4.31** |  |  | î³å³Ý³ù³ñ | 1491 Ã. |  | Ð | ù³Ý¹³Ï³½³ñ¹ ¿, »ñÏÃ»ù í»ñÝ³Ù³­ëáí | |
|  | **4.32** |  |  | î³å³Ý³ù³ñ | 16 ¹. |  | Ð | ûñáñáó³Ó¨ ¿, ù³Ý¹³ÏÝ»ñáí | |
|  | **4.33** |  |  | î³å³Ý³ù³ñª ²É»ùë³ÝáëÇ | 1550 Ã. |  | Ð | ËÝçáõÛùÇ ï»ë³ñ³Ýáí | |
|  | **4.34** |  |  | î³å³Ý³ù³ñª ²ÉÃáõÝÇ | 16 ¹. |  | Ð | áñëÇ ¨ ËÝçáõÛ­ùÇ ï»ë³ñ³Ýáí | |
|  | **4.35** |  |  | î³å³Ý³ù³ñª ²ëïí³­Í³ïáõñ ù³Ñ³Ý³ÛÇ | 1405 Ã. |  | Ð | ûñáñáó³Ó¨ | |
|  | **4.36** |  |  | î³å³Ý³ù³ñª ´³Õ¹³ë³ñÇ | 1526 Ã. |  | Ð | áñëÇ ¨ ËÝçáõÛ­ùÇ ï»ë³ñ³Ýáí | |
|  | **4.37** |  |  | î³å³Ý³ù³ñª ¼³½ÇÏÇ ¨ ¸ÇÉß³ïÇ | 15-16 ¹¹. |  | Ð | ûñáñáó³Ó¨ | |
|  | **4.38** |  |  | î³å³Ý³ù³ñª ÆëÏ³Ý¹³ñÇ | 1569 Ã. |  | Ð | ËÝçáõÛùÇ ï»ë³ñ³Ýáí | |
|  | **4.39** |  |  | î³å³Ý³ù³ñª Ð³Ûñ³å»ïÇ | 1536 Ã. |  | Ð | áñëÇ ï»ë³ñ³Ýáí | |
|  | **4.40** |  |  | î³å³Ý³ù³ñª Ô³½³ñÇ | 1558 Ã. |  | Ð | ûñáñáó³Ó¨ ¿, ù³Ý¹³ÏÝ»ñáí | |
|  | **4.41** |  |  | î³å³Ý³ù³ñª Øáõñ³¹Ç | 15-16 ¹¹. |  | Ð | áñëÇ ï»ë³ñ³­Ýáí, ù³ñ·áñÍ` ê³ñ·Çë ßÇÝáÕ | |
|  | **4.42** |  |  | î³å³Ý³ù³ñª Ü³½Ë³ÃáõÝÇ | 17 ¹. |  | Ð | Ñ³ñÃ | |
|  | **4.43** |  |  | î³å³Ý³ù³ñª Þ³å³ÝÇ | 16-17 ¹¹. |  | Ð | ËÝçáõÛùÇ ï»ë³ñ³Ýáí | |
|  | **4.44** |  |  | î³å³Ý³ù³ñª öÇñÝï³ñÇ | 1549 Ã. |  | Ð | áñëÇ ¨ ËÝçáõÛ­ùÇ ï»ë³ñ³Ýáí | |
| **5** |  |  |  | ¶ºðº¼Ø²Üàò | 9-19 ¹¹. | ·ÛáõÕÇ Ï»ÝïñáÝáõÙ, Øß³ÏáõÛÃÇ ï³Ý Ùáï | Ð | ³í»ñí³Í ¿ | |
|  | **5.1** |  |  | Ê³ãù³ñ | 9 ¹. | Ñ»Ý³Í ¿ Øß³ÏáõÛÃÇ ï³Ý å³ïÇÝ | Ð | ï»Õ³Ñ³Ý­í³Í ¿ | |
|  | **5.2** |  |  | Ê³ãù³ñ | 10 ¹. | Ñ»Ý³Í ¿ Ùáï³Ï³ µÝ³Ï»ÉÇ ï³Ý å³ïÇÝ | Ð | ï»Õ³Ñ³Ýí³Í ¿, ëïáñÇÝ ³ç ³ÝÏÛáõÝÁ` Ïáïñí³Í | |
|  | **5.3** |  |  | Ê³ãù³ñ | 14-15 ¹¹. | ·»ñ»½Ù³ÝáóáõÙ | Ð |  | |
|  | **5.4** |  |  | Ê³ãù³ñ | 14-15 ¹¹. | ·»ñ»½Ù³ÝáóáõÙ | Ð |  | |
|  | **5.5** |  |  | Ê³ãù³ñ | 15-16 ¹¹. | ·»ñ»½Ù³ÝáóáõÙ | Ð |  | |
|  | **5.6** |  |  | Ê³ãù³ñª ´³ÛÇ ¨ ö³ß³µ»ÏÇ | 1606 Ã. | ·»ñ»½Ù³ÝáóáõÙ | Ð | ÁÝÏ³Í ¿, Ï³½­ÙáÕ` ÔáõÏ³ë | |
|  | **5.7** |  |  | Ê³ãù³ñª Ü³íéáõ½Ç | 1425 Ã. | ·»ñ»½Ù³ÝáóáõÙ | Ð |  | |
|  | **5.8** |  |  | Ê³ãù³ñª äáÕáëÇ | 1283 Ã. | ·»ñ»½Ù³ÝáóáõÙ | Ð | å³ïí³Ý¹³ÝÇ íñ³ | |
|  | **5.9** |  |  | î³å³Ý³ù³ñ | 16-17 ¹¹. | ·»ñ»½Ù³ÝáóáõÙ | Ð | ËÝçáõÛùÇ ï»ë³ñ³Ýáí | |
|  | **5.10** |  |  | î³å³Ý³ù³ñ | 16-17 ¹¹. | ·»ñ»½Ù³ÝáóáõÙ | Ð | ë»Õ³Ý³Ó¨ ¿, í³ñ áõ ó³ÝùÇ ï»ë³ñ³Ýáí | |
|  | **5.11** |  |  | î³å³Ý³ù³ñ | 16-17 ¹¹. | ·»ñ»½Ù³ÝáóáõÙ | Ð | áñëÇ ¨ ËÝçáõÛ­ùÇ ï»ë³ñ³Ýáí | |
|  | **5.12** |  |  | î³å³Ý³ù³ñª ²éáõëï³ÙÇ ¥ÀéÁëï³ÙÇ¤ | 1683 Ã. | ·»ñ»½Ù³ÝáóáõÙ | Ð | ËÝçáõÛùÇ ï»ë³ñ³Ýáí | |
|  | **5.13** |  |  | î³å³Ý³ù³ñª Â³Ã³ñÇ | 16-17 ¹¹. | ·»ñ»½Ù³ÝáóáõÙ | Ð | ûñáñáó³Ó¨ ¿ | |
|  | **5.14** |  |  | î³å³Ý³ù³ñª ø³µ³µÇ | 1656 Ã. | ·»ñ»½Ù³ÝáóáõÙ | Ð | ûñáñáó³Ó¨ ¿, ËÝ­çáõÛùÇ ¨ áñ­ëÇ ï»ë³ñ³Ýáí | |
| **6** |  |  |  | ¶ºðº¼Ø²Üàò | 10-11 ¹¹. | ·ÛáõÕÇ Ñí-³» »½ñÇÝ, §ê³é»Ýó ëáõñµ¦ Ù³ïáõéÇó ³» | Ð | ³í»ñí³Í ¿ | |
|  | **6.1** |  |  | Ê³ãù³ñ | 10 ¹. | ·»ñ»½Ù³ÝáóáõÙ | Ð | ÁÝÏ³Í ¿ | |
|  | **6.2** |  |  | Ø³ïáõé §ê³é»Ýó ëáõñµ¦ | ÙÇçÝ³-¹³ñ |  | Ð | ³í»ñí³Í ¿ | |
|  |  | **6.2.1** |  | Ê³ãù³ñ | 10 ¹. | Ù³ïáõéáõÙ | Ð |  | |
|  |  | **6.2.2** |  | Ê³ãù³ñ | 10 ¹. | Ù³ïáõéáõÙ | Ð |  | |
|  |  | **6.2.3** |  | Ê³ãù³ñ | 10 ¹. | Ù³ïáõéáõÙ | Ð |  | |
|  |  | **6.2.4** |  | Ê³ãù³ñ | 10 ¹. | Ù³ïáõéáõÙ | Ð |  | |
|  |  | **6.2.5** |  | Ê³ãù³ñ | 10 ¹. | Ù³ïáõéáõÙ | Ð |  | |
|  |  | **6.2.6** |  | Ê³ãù³ñ | 10-11 ¹¹. | ³·áõóí³Í ¿ Ù³ïáõéÇ Ñë å³ïÇÝ | Ð |  | |
|  |  | **6.2.7** |  | Ê³ãù³ñ | 11 ¹. | Ù³ïáõéáõÙ | Ð |  | |
| **7** |  |  |  | ¶ºðº¼Ø²Üàò | 10-17 ¹¹. | ·ÛáõÕÇ Ù»ç, êµ. ²ëïí³­Í³ÍÇÝ »Ï»Õ»óáõó ³» | Ð | ³í»ñí³Í ¿ | |
|  | **7.1** |  |  | Ê³ãù³ñ | 10 ¹. |  | Ð | ÁÝÏ³Í ¿ | |
|  | **7.2** |  |  | Ê³ãù³ñ | 10 ¹. |  | Ð | ÁÝÏ³Í ¿, ëïá­ñÇÝ Ó³Ë ³ÝÏ­Ûáõ­ÝÁ` Ïáïñí³Í | |
|  | **7.3** |  |  | Ê³ãù³ñ | 11 ¹. |  | Ð | í»ñÇÝ »½ñÁ Ïáïñí³Í ¿ | |
|  | **7.4** |  |  | Ê³ãù³ñ | 16-17 ¹¹. |  | Ð | ³ñÓ³Ý³·Çñ ¿, ÏÇëáí ã³÷ Ñá­ÕÇ Ù»ç Ëñí³Í | |
|  | **7.5** |  |  | Ê³ãù³ñ | 1611 Ã. |  | Ð |  | |
| **8** |  |  |  | ¶ºðº¼Ø²Üàò | 19 ¹. | ·ÛáõÕÇ Ù»ç, Ù³ÝÏ³å³ñï»½Ç Ùáï | î | ÷áùñ ¿, ³í»ñí³Í | |
| **9** |  |  |  | ¶ºðº¼Ø²Üàò | 19 ¹. í»ñç-20 ¹. ëÏÇ½µ | ·ÛáõÕÇ Ù»ç, ²Ý·»Õ³ÏáÃ-Þ³Õ³ï ×³Ý³å³ÑÇ ³ç ÏáÕÙáõÙ | î |  | |
| **10** |  |  |  | ¶ÚàôÔ²îºÔÆ  ìºðÆÜ ¶à¸ºÒàð | ÙÇçÝ³¹³ñ | ·ÛáõÕÇó Ùáï 5 ÏÙ Ñë-³Ù, àñáï³ÝÇ ÏÇñ×áõÙ, ·»ïÇ Ó³Ë ³÷ÇÝ | Ð | ³í»ñí³Í ¿ | |
|  | **10.1** |  |  | ºÏ»Õ»óÇ | ÙÇçÝ³-  ¹³ñ |  | Ð | ÏÇë³í»ñ ¿ | |
| **11** |  |  |  | ¸²Ø´²ð²Ü²¸²Þî | ø.³. 9-  8 ¹¹. | ·ÛáõÕÇó Ùáï 1 ÏÙ ³Ù | Ð | å»Õí»É ¿ ù³ñ³ñÏÕ³ÛÇÝ 8 ¹³Ùµ³ñ³Ý | |
| **12** |  |  |  | ¸²Ø´²ð²Ü²¸²Þî ¶àôÂ²Ü²ê²ð ¥¶àôÂ²Ü²´Èàôð¤ | ø.³. 2-  1 Ñ³½. | ·ÛáõÕÇó 0.5-1.5 ÏÙ  Ñë-³Ù, ²Ý·»Õ³ÏáÃ-ºñ¨³Ý ÑÇÝ ×³Ý³­å³ñ­ÑÇ »ñÏáõ ÏáÕÙáõÙ | Ð |  | |
|  | **12.1** |  |  | ø³ñ³Ûñ - Ï³ó³ñ³Ý ²ñÛáõÝÇ ³ÝÓ³í | í³Õ ßñç³Ý-ÙÇçÝ³¹³ñ | ·ÛáõÕÇó 1.5 ÏÙ Ñë-³Ù, ¶áõÃ³Ý³ë³ñÇ ¹³Ùµ³­ñ³Ý³¹³ßïÇ ³Ù »½ñÇÝ | Ð | ø³ñ³Ûñ  ²ñÛáõÝÇ ½³Õ³ | |
| **13** |  |  |  | ¸²Ø´²ð²Ü²¸²Þî àðàî²Ü | ø.³. 2-  1 Ñ³½. | ·ÛáõÕÇó 0.2-1.5 ÏÙ ³Ù | Ð |  | |
| **14** |  |  |  | ºÎºÔºòÆ | ÙÇçÝ³­¹³ñ | ·ÛáõÕÇ Ï»ÝïñáÝáõÙ | Ð | ÏÇë³í»ñ ¿ | |
|  | **14.1** |  |  | ¶»ñ»½Ù³Ýáó | áõß ÙÇç-Ý³¹³ñ-  19 ¹. | »Ï»Õ»óáõ Ñí ¨ ³Ù ÏáÕÙ»ñáõÙ | Ð | ³í»ñí³Í ¿ | |
| **15** |  |  |  | ºÎºÔºòÆ  ê´. ²êîì²Ì²ÌÆÜ | 17 ¹. | ·ÛáõÕÇ Ù»ç | Ð | »é³Ý³í µ³½ÇÉÇÏ | |
|  | **15.1** |  |  | ¶»ñ»½Ù³Ýáó | áõß ÙÇç-Ý³¹³ñ | »Ï»Õ»óáõó Ñë-³Ù | Ð | ³í»ñí³Í ¿. ²Ïáµ í³ñå»ïÇ 1549 Ã. Ë³ãù³­­ñÁ ·»ñ»½Ù³­Ýá­óÇó ï»Õ³÷á­Ë»É »Ý êÇ­ëÇ³Ý | |
|  |  | **15.1.1** |  | î³å³Ý³ù³ñ | 16-17 ¹¹. |  | Ð | ûñáñáó³Ó¨ ¿, ËÝçáõÛùÇ ï»ë³ñ³Ýáí | |
|  | **15.2** |  |  | ¶»ñ»½Ù³Ýáó | 19 ¹. í»ñç-20 ¹. ëÏÇ½µ | »Ï»Õ»óáõ Ñë ÏáÕÙáõÙ | î |  | |
| **16** |  |  |  | ºÎºÔºòÆ  §Ð²¼²ð²öðÎÆâ¦ | áõß ÙÇç-Ý³¹³ñ | ·ÛáõÕÇ Ñí ÏáÕÙáõÙ, ù³ñÇ Ùß³ÏÙ³Ý ³ñï³¹ñ³Ù³ëÇ Ùáï | Ð | ÏÇë³í»ñ ¿. Ñë å³ïÇ ¹»ñ ¿ Ï³­­ï³ñáõÙ Ë³­­ã»ñáí Ñ³ñ­¹³ñ­í³Í Å³ÛéÁ | |
|  | **16.1** |  |  | ¶³íÇÃ | áõß ÙÇç-Ý³¹³ñ | ÏÇó ¿ »Ï»Õ»óáõÝ ³Ù-Çó | Ð | ³í»ñí³Í ¿ | |
|  |  | **16.1.1** |  | Ê³ãù³ñ | 12 ¹. |  | Ð |  | |
|  |  | **16.1.2** |  | Ê³ãù³ñ | 15-16 ¹¹. |  | Ð | ³ñÓ³Ý³·Çñ ¿, ÏÇë³·»ïÝ³­Ã³Õ | |
|  |  | **16.1.3** |  | Ê³ãù³ñ | 1526 Ã. Ï³Ù  1536 Ã. |  | Ð |  | |
|  |  | **16.1.4** |  | Ê³ãù³ñ | 16 ¹. |  | Ð |  | |
|  |  | **16.1.5** |  | Ê³ãù³ñ | 16 ¹. |  | Ð | í»ñÇÝ »½ñÁ Ïáïñí³Í ¿ | |
|  |  | **16.1.6** |  | Ê³ãù³ñ | 16 ¹. |  | Ð |  | |
|  |  | **16.1.7** |  | Ê³ãù³ñ | 17 ¹. |  | Ð |  | |
| **17** |  |  |  | ºÎºÔºòÆ  ê´. êîºö²Üàê | 1708 Ã. | ·ÛáõÕÇ Ù»ç | Ð | ÙÇ³Ý³í | |
|  | **17.1** |  |  | ¶³íÇÃ | 18 ¹. ëÏÇ½µ | ÏÇó ¿ »Ï»Õ»óáõÝ ³Ù-Çó | Ð | ³í»ñí³Í ¿ | |
|  | **17.2** |  |  | ¶»ñ»½Ù³Ýáó | 9 ¹.- áõß ÙÇçÝ³-¹³ñ | »Ï»Õ»óáõó Ñí | Ð | ³í»ñí³Í ¿ | |
|  |  | **17.2.1** |  | Ê³ãù³ñ | 9 ¹. |  | Ð | å³Ñå³Ýí»É ¿ ÏÇëáí ã³÷ | |
|  |  | **17.2.2** |  | Ê³ãù³ñ | 12-13 ¹¹. | ·»ñ»½Ù³ÝáóáõÙ, »Ï»­Õ»óáõ ³Ù å³ïÇ Ùáï | Ð |  | |
|  |  | **17.2.3** |  | Ê³ãù³ñ | 12-13 ¹¹. |  | Ð | å³ïíÇñ³ïáõ` ê³ñ·Çë | |
|  |  | **17.2.4** |  | Ê³ãù³ñ | 16-17 ¹¹. |  | Ð | ëïáñÇÝ Ï»ë | |
|  |  | **17.2.5** |  | î³å³Ý³ù³ñ | 16 ¹. |  | Ð | ûñáñáó³Ó¨ ¿, Ï³½ÙáÕ` ä³Ëß³ÛÇß | |
|  |  | **17.2.6** |  | î³å³Ý³ù³ñª ä³ñ»ù ³Õ³ÛÇ | 16 ¹. |  | Ð | ûñáñáó³Ó¨ ¿, Ï³½ÙáÕ` ä³Ëß³ÛÇß | |
|  | **17.3** |  |  | Ê³ãù³ñ | 10 ¹. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ ³Ù ×³Ï³ïÇÝ | Ð |  | |
|  | **17.4** |  |  | Ê³ãù³ñ | 1283 Ã. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ ³Ù ×³Ï³ïÇÝ | Ð | å³ïíÇñ³ïáõ` úÑ³Ý»ë | |
|  | **17.5** |  |  | Ê³ãù³ñ | 16 ¹. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ ÙáõïùÇó í»ñ | Ð |  | |
|  | **17.6** |  |  | Ê³ãù³ñª ÂáõÝÇÇ | 15-16 ¹¹ | »Ï»Õ»óáõ Ñí å³ïÇ ËáñßáõÙ | Ð |  | |
|  | **17.7** |  |  | Ê³ãù³ñª ØáõÉùÇÇ | 1542 Ã. | Ñ»Ý³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ Ñí å³ïÇÝ, Ý»ñùáõëï | Ð |  | |
| **18** |  |  |  | ºÎºÔºòÆ ê´. ì²ð¸²Ü | 13 ¹. | ·ÛáõÕÇó 0.5 ÏÙ ³Ù, ²Ý·»Õ³ÏáÃ-Þ³Õ³Ã ×³Ý³å³ñÑÇó ³ç | Ð |  | |
|  | **18.1** |  |  | ¶³íÇÃ | 13 ¹. | ÏÇó ¿ êµ. ì³ñ¹³Ý »Ï»Õ»óáõÝ ³Ù-Çó | Ð | ÏÇë³í»ñ ¿ | |
|  |  | **18.1.1** |  | Ê³ãù³ñ | 11-12 ¹¹. | ·³íÃáõÙ | Ð |  | |
|  |  | **18.1.2** |  | Ê³ãù³ñ | 13 ¹. | ·³íÃáõÙ | Ð |  | |
|  |  | **18.1.3** |  | Ê³ãù³ñª ²ÙÇñß³ïÇ | 1300 Ã. | ·³íÃáõÙ | Ð |  | |
|  |  | **18.1.4** |  | Ê³ãù³ñª Êáó³¹»ÕÇ | 1298 Ã. | ·³íÃáõÙ | Ð |  | |
|  | **18.2** |  |  | ¶»ñ»½Ù³Ýáó | 5-16 ¹¹. | »Ï»Õ»óáõ Ñí ÏáÕÙáõÙ | Ð | ³í»ñí³Í ¿ | |
|  |  | **18.2.1** |  | Ê³ãù³ñ | 10 ¹. |  | Ð | ï»Õ³Ñ³Ýí³Í ¿ | |
|  |  | **18.2.2** |  | Ê³ãù³ñ | 10 ¹. |  | Ð | ÏÇëáí ã³÷ ÑáÕÇ Ù»ç ¿ | |
|  |  | **18.2.3** |  | Ê³ãù³ñ | 11 ¹. |  | Ð | ï»Õ³Ñ³Ýí³Í ¿ | |
|  |  | **18.2.4** |  | ÎáÃáÕ | 5 ¹. |  | Ð | »ÝÃ³¹ñíáõÙ ¿, áñ ì³ñ¹³Ý Ø³ÙÇÏáÝÛ³ÝÇ Ù³Ñ³ñÓ³ÝÝ ¿, å³Ñå³Ýí»É »Ý ËáÛ³ÏÁ ¨ µ»ÏáñÝ»ñ |
|  |  | **18.2.5** |  | î³å³Ý³ù³ñª æ³ÝÇµ»ÏÇ | 1550 Ã. |  | Ð | ûñáñáó³Ó¨ ¿, Ï»Ýó³Õ³ÛÇÝ ï»ë³ñ³Ýáí |
|  | **18.3** |  |  | ÞÇÝáõÃÛáõÝÝ»ñª ûÅ³Ý¹³Ï | 13 ¹. |  | Ð | ³í»ñí³Í »Ý |
|  |  | **18.3.1** |  | Ê³ãù³ñ | 10 ¹. | »Ï»Õ»óáõó Ñí, ³í»ñ­í³Í ßÇÝáõÃÛ³Ý Ù»ç | Ð | ÏÇëáí ã³÷ ÑáÕÇ Ù»ç ¿ |
|  |  | **18.3.2** |  | Ê³ãù³ñ | 10 ¹. | »Ï»Õ»óáõó Ñí, ³í»ñ­í³Í ßÇÝáõÃÛ³Ý Ù»ç | Ð |  |
|  | **18.4** |  |  | ø³ñ³Ûñ - Ï³ó³ñ³Ý | ÙÇçÝ³¹³ñ | ÏÇó ¿ ·³íÃÇ Ñë å³ïÇÝ | Ð |  |
| **19** |  |  |  | Ä²Úè²ä²îÎºðÜºð | ø.³. 5-  4 Ñ³½. | àõÕï³ë³ñáõÙ | Ð |  |
| **20** |  |  |  | Ê²âø²ð ¶àôÈÜ²¼Æ | 1324 Ã. | ·ÛáõÕÇó Ùáï 500 Ù ³», ¹³ßïáõÙ | Ð | ÁÝÏ³Í ¿ |
| **21** |  |  |  | ÐÜ²ì²Úð §äàÈÆ¶àÜ¦ | ø.³.  6 Ñ³½. í»ñç – ÙÇçÝ³¹³ñ | ·ÛáõÕÇó 1.5-2 ÏÙ ³Ù, àñáï³ÝÇ Ó³Ë ³÷ÇÝ | Ð | ï³ñ³ÍùÇ ÙÇ Ù³­ëÁ å³ïÏ³­ÝáõÙ ¿ ·ÛáõÕÇÝ, ÙÛáõë Ù³ëÁ` ³Ý­ï³é­ïÝï»ëáõ­ÃÛ³ÝÁ, Ù»Í Ù³ëÁ í»ñ³Íí»É ¿ ù³ñÑ³ÝùÇ |
|  | **21.1** |  |  | ´Ý³Ï³ï»ÕÇ | ø.³.  6 Ñ³½. í»ñç –  4 Ñ³½. | ·ÛáõÕÇó 2 ÏÙ ³Ù, àñá­ï³ÝÇ ÏÇñ×áõÙ, ·»ïÇ Ó³Ë ³÷ÇÝ, Ü»ñùÇÝ ¶á¹»Óáñ ï»Õ³Ù³ëáõÙ | Ð | ½µ³Õ»óÝáõÙ ¿ ÁÝ¹³ñÓ³Ï ï³ñ³Íù |
|  |  | **21.1.1** |  | ´³ñÓñ³ù³Ý¹³Ï Ýß³ÝÝ»ñ | µñáÝ½Ç ¹³ñ, ÙÇçÝ³¹³ñ | Ü»ñùÇÝ ¶á¹»ÓáñÇ Ñë Ù³ëáõÙ, ³ÕµÛáõñÇ Ùáï, ù³ñ³óñáÝÝ»ñáõÙ | Ð |  |
|  |  | **21.1.2** |  | Ä³Ûé³å³ïÏ»ñ | ø.³. 5-  4 Ñ³½. | µÝ³Ï³ï»ÕÇÇ ³Ýï³­é³å³ï Ñ³ïí³ÍáõÙ | Ð |  |
|  |  | **21.1.3** |  | öáñ³Íá Ýß³ÝÝ»ñ | µñáÝ½Ç ¹³ñ, ÙÇçÝ³¹³ñ | ·ÛáõÕÇó 1 ÏÙ ³Ù, ù³ñ³óñáÝÝ»ñáõÙ | Ð |  |
|  | **21.2** |  |  | ´Ý³Ï³ï»ÕÇ | ³ÝïÇÏ ßñç³Ý- ÙÇçÝ³-¹³ñ | ²Ý·»Õ³ÏáÃ-Þ³Õ³Ã ×³­Ý³å³ñÑÇó ³ç, Ü»­ñ­ùÇÝ ¶á¹»Óáñ ï»Õ³Ù³­ëáõÙ, Ñ³Ýñ³­Ï³ó³­ñ³­ÝÇ ß»ÝùÇ ßñç³­Ï³ÛùáõÙ | Ð | ½µ³Õ»óÝáõÙ ¿ ÁÝ¹³ñÓ³Ï ï³ñ³Íù |
|  |  | **21.2.1** |  | ºÏ»Õ»óÇ | í³Õ ÙÇç-  Ý³¹³ñ |  | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
|  |  | **21.2.2** |  | Ê³ãù³ñ | 9 ¹. | ³í»ñí³Í »Ï»Õ»óáõ Ùáï | Ð | ï»Õ³Ñ³Ýí³Í ¿ |
|  |  | **21.2.3** |  | æñ³Ùµ³ñ | ³ÝïÇÏ ßñç³Ý |  | Ð | ÏÇë³í»ñ ¿ |
| **22** |  |  |  | ÐàôÞ²ðÒ²Üª ºðÎðàð¸ ²ÞÊ²ðÐ²Ø²ðîàôØ ¼àÐì²ÌÜºðÆÜ | 1975 Ã. | ·ÛáõÕÇ Ù»ç, ¹åñáóÇ Ùáï | î |  |
| **23** |  |  |  | ÐàôÞ²ðÒ²Üª ²Ü¸ð²ÜÆÎ ú¼²ÜÚ²ÜÆ | 1991Ã. | ·ÛáõÕÇ Ï»ÝïñáÝáõÙ, Øß³ÏáõÛÃÇ ï³Ý Ùáï | Ð | ù³Ý¹.`  Ð. Øáõñ³¹Û³Ý, È. ¶ñÇ·áñÛ³Ý |
| **24** |  |  |  | ÒÆÂÐ²Ü | 19 ¹. | ·ÛáõÕÇ Ù»ç, êµ. ²ëïí³­Í³-ÍÇÝ »Ï»Õ»óáõó Ñë | Ð |  |
| **25** |  |  |  | Ø²îàôè | áõß ÙÇç­Ý³¹³ñ | ·ÛáõÕÇ Ù»ç, êµ. ²ëïí³­Í³ÍÇÝ »Ï»Õ»óáõó Ùáï 150 Ù ³», ê»Ûñ³Ý ØÏñïãÛ³ÝÇ ï³Ý Ùáï | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
|  | **25.1** |  |  | Ê³ãù³ñ | 16 ¹. |  | Ð |  |
|  | **25.2** |  |  | Ê³ãù³ñ | 16 ¹. |  | Ð |  |
|  | **25.3** |  |  | Ê³ãù³ñ | 16 ¹. |  | Ð |  |
|  | **25.4** |  |  | î³å³Ý³ù³ñª ê³ñ·Çë ë³ñÏ³í³·Ç | 1529 Ã. |  | Ð | Ñ³ñÃ |
| **26** |  |  |  | î²ä²Ü²ø²ðª Ô²ð²´ºÎÆ | 16-17 ¹¹. | ·ÛáõÕÇ Ù»ç, Ù³ÝÏ³­å³ñ­­ï»½Ç µ³ÏáõÙ | Ð |  |
| **27** |  |  |  | ø²ð²Úð - Î²ò²ð²Ü | ÙÇçÝ³¹³ñ | ·ÛáõÕÇó 0.5 ÏÙ ³Ù,  êµ. ì³ñ¹³Ý »Ï»Õ»óáõó  40 Ù ³Ù | Ð |  |
| **28** |  |  |  | ø²ð²Úð - Î²ò²ð²ÜÜºð | ÙÇçÝ³¹³ñ | ·ÛáõÕÇ Ñí-³Ù »½ñÇÝ, êµ. ²ëïí³Í³ÍÇÝ »Ï»Õ»óáõ Ùáï | Ð | 4 ù³ñ³Ûñ |
| **29** |  |  |  | ø²ð²Úð - Î²ò²ð²ÜÜºð | ÙÇçÝ³¹³ñ | ·ÛáõÕÇó ³» | Ð | 8 ù³ñ³Ûñ |

²Þàî²ì²Ü

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **1** | **2** | **3** | **4** | **5** | **6** | **7** | **8** | **9** |
| **1** |  |  |  | ¶ÚàôÔ²îºÔÆ ²Þàî²ì²Ü | 19-20 ¹¹. | ·ÛáõÕÇó Ùáï 500 Ù  Ñí-³», çñ³Ùµ³ñÇ Ùáï | î | ³ÛÉ ³Ýí³ÝáõÙ` ²Õù»Ý¹, ï³­ñ³Í­ùÇ Ù»Í Ù³­ëÁ ¨ »Ï»Õ»­óÇÝ ÙÝ³ó»É »Ý îáÉáñëÇ çñ³Ù­µ³ñÇ ï³Ï |
|  | **1.1** |  |  | ¶»ñ»½Ù³Ýáó | 19-20 ¹¹. |  | î |  |
|  |  | **1.1.1** |  | Ê³ãù³ñ | 1342 Ã. |  | Ð | Ï³½ÙáÕ` öá÷­ËÇÏ, ï»Õ³÷á­Ë»É »Ý Ùáï³­Ï³ ÎÇñ³­Ïá­ëÇÏ ·ÛáõÕ³­ï»ÕÇÇó |
| **2** |  |  |  | ¶ÚàôÔ²îºÔÆ ÎÆð²ÎàêÆÎ | 13-19 ¹¹. | ·ÛáõÕÇó Ùáï 1 ÏÙ Ñí-³», çñ³Ùµ³ñÇ Ùáï, Ã»ù³¹Çñ ï»Õ³ÝùáõÙ | Ð | ³ÛÉ ³Ýí³ÝáõÙ` ²Õù»Ý¹, ³í»ñí³Í ¿ |
|  | **2.1** |  |  | ¶»ñ»½Ù³Ýáó | 13 ¹.– áõß ÙÇç­Ý³¹³ñ |  | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
|  |  | **2.1.1** |  | î³å³Ý³ù³ñ | 16-17 ¹¹. |  | Ð | ûñáñáó³Ó¨ ¿` íÇß³å³Ù³ñïÇ ï»ë³ñ³Ýáí |
|  |  | **2.1.2** |  | î³å³Ý³ù³ñ | 16-17 ¹¹. |  | Ð | µ³ñÓñ ¿, ù³Ý¹³Ï³½³ñ¹ |
|  |  | **2.1.3** |  | î³å³Ý³ù³ñª Þ³ù³ÝÇ | 16-17 ¹¹. |  | Ð | ë»Õ³Ý³Ó¨ ¿ |
|  |  | **2.1.4** |  | î³å³Ý³ù³ñª îáÕ³ÝÇ | 1601 Ã. |  | Ð | µ³ñÓñ ¿, ËÝ­çáõÛùÇ ¨ áñëÇ ï»ë³ñ³Ýáí |
|  | **2.2** |  |  | ¶»ñ»½Ù³Ýáó | 19 ¹. | ·ÛáõÕ³ï»ÕÇÇó îáÉáñë ï³ÝáÕ ³ñ³Ñ»ïÇ ÙÇçÝ³Ù³ëáõÙ | Ð |  |
| **3** |  |  |  | ÐàôÞ²ðÒ²Üª ºðÎðàð¸ ²ÞÊ²ðÐ²Ø²ðîàôØ ¼àÐì²ÌÜºðÆÜ | 1972 Ã. | ·ÛáõÕÇ Ù»ç, µ³ñÓáõÝùÇ íñ³ | î |  |

²ðºìÆê

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **1** | **2** | **3** | **4** | **5** | **6** | **7** | **8** | **9** |
| **1** |  |  |  | ²Øðàò |  | ·ÛáõÕÇó 10-12 ÏÙ Ñí | Ð |  |
| **2** |  |  |  | ¶ÚàôÔ²îºÔÆ Â²Ü²Ð²î | 5 ¹.- áõß ÙÇçÝ³-  ¹³ñ | ·ÛáõÕÇó 3 ÏÙ Ñë | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
|  | **2.1** |  |  | ºÏ»Õ»óÇ Â³Ý³Ñ³ïÇ  êµ. êï»÷³Ýáë (Â³Ý³Ñ³ïÇ í³Ýù) | 491 Ã. | êÇëÇ³Ý ·»ïÇ í»ñÇÝ Ñáë³ÝùÇ ³ç³÷ÝÛ³ÏáõÙ | Ð | ³ÛÉ ³Ýí³ÝáõÙ` Î³ñÙÇñ í³Ýù, ÔÁ½ÁÉ í³Ýù, ÙÇ³Ý³í, Ñí-Çó ÏÇó áõÝ»ó»É ¿ ëñ³Ñ |
|  |  | **2.1.1** |  | ¶»ñ»½Ù³Ýáó | 5 ¹.- áõß ÙÇçÝ³-  ¹³ñ |  | Ð | ³í»ñí³Í ¿, ï³ñ³ÍùÇó Ñ³ÛïÝ³µ»ñí»É ¿ ²ñ·ÇßïÇ ´-Ç ë»å³·Çñ ³ñÓ³­Ý³·ñáõ­ÃÛáõÝÁ (ø.³. 7 ¹.), áñÝ ³ÛÅÙ å³ÑíáõÙ ¿ ºñ¨³ÝÇ §¾ñ»µáõ­ÝÇ¦ Ã³Ý·³ñ³­ÝáõÙ |
|  |  |  | **2.1.**  **1.1** | ¸³Ùµ³ñ³Ý | ø.³. 1 Ñ³½. | í³ÝùÇ ³Ù ÏáÕÙáõÙ, µÉñ³ÏÇ íñ³ | Ð |  |
|  |  |  | **2.1.**  **1.2** | Ê³ãù³ñ | 10 ¹. |  | Ð | ÁÝÏ³Í ¿ |
|  |  |  | **2.1.**  **1.3** | Ê³ãù³ñ | 10-11 ¹¹. |  | Ð |  |
|  |  |  | **2.1.**  **1.4** | Ê³ãù³ñ | 10-11 ¹¹. |  | Ð |  |
|  |  |  | **2.1.**  **1.5** | Ê³ãù³ñª ¶ñÇ·áñ »ñ»óÇ | 14-15 ¹¹. |  | Ð |  |
|  |  |  | **2.1.**  **1.6** | Ê³ãù³ñª ¶ñÇ·áñÇÏ »ñ»óÇ | 986 Ã. |  | Ð | ÁÝÏ³Í ¿ |
|  |  |  | **2.1.**  **1.7** | Ê³ãù³ñª Ðáíë»÷Ç ¥Ðáõë»÷Ç¤ | 1271 Ã. |  | Ð | ÁÝÏ³Í ¿ |
|  |  |  | **2.1.**  **1.8** | î³å³Ý³ù³ñª Ñ³Ûñ ¶ñÇ·áñÇ | 6-7 ¹¹. |  | Ð |  |

´²È²ø

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **1** | **2** | **3** | **4** | **5** | | **6** | **7** | **8** | **9** |
| **1** |  |  |  | ²Øðàò | | ø.³. 7-4 ¹¹. | ·ÛáõÕÇó 1.5 ÏÙ ³», àñáï³ÝÇ ³ç ³÷ÇÝ | Ð |  |
|  | **1.1** |  |  | ¸³Ùµ³ñ³Ý³¹³ßï | | í³Õ »ñÏ³ÃÇ ¹³ñ-ø.³. 6-4 ¹¹. | ³Ùñáó-µÝ³Ï³ï»ÕÇÇó Ñí ¨ ³», ¹³ñ³í³Ý¹Ç íñ³ | Ð |  |
| **2** |  |  |  | ¶ºðº¼Ø²Üàò | | 10-19 ¹¹. | ·ÛáõÕÇ Ñí »½ñÇÝ, ·áñ­­ÍáÕ ·»ñ»½Ù³ÝáóÇ Ùáï | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
|  | **2.1** |  |  | Ê³ãù³ñ | 10 ¹. | |  | Ð | ï»Õ³Ñ³Ýí³Í ¿ |
| **3** |  |  |  | ¶ºðº¼Ø²Üàò | 16-20 ¹¹. | | ·ÛáõÕÇ Ñí-³» »½ñÇÝ | Ð | ·áñÍáÕ |
|  | **3.1** |  |  | Ðáõß³ñÓ³Ýª ºñÏñáñ¹ ³ßË³ñÑ³Ù³ñïáõÙ ½áÑí³ÍÝ»ñÇÝ | 1971-1972 ÃÃ. | | ·»ñ»½Ù³ÝáóÇ Ñë »½ñÇÝ | î | ×³ñï.`  ì. ØÝ³ó³Ï³ÝÛ³Ý |
| **4** |  |  |  | ºÎºÔºòÆ ê´. ¶ºìàð¶ | 17 ¹. | | ·ÛáõÕÇ Ù»ç | Ð |  |
|  | **4.1** |  |  | ¶»ñ»½Ù³Ýáó | 17-19 ¹¹. | |  | Ð |  |
|  |  | **4.1.1** |  | î³å³Ý³ù³ñ | 16-17 ¹¹. | | ·»ñ»½Ù³ÝáóáõÙ | Ð | ËáÛ³Ó¨ |

´ÜàôÜÆê

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **1** | | **2** | **3** | **4** | **5** | **6** | **7** | **8** | **9** |
| **1** | |  |  |  | ¶ºðº¼Ø²Üàò | 10-20 ¹¹. | ·ÛáõÕÇ Ñë »½ñÇÝ | Ð |  |
|  | | **1.1** |  |  | Ê³ãù³ñ | 12-13 ¹¹. |  | Ð |  |
|  | | **1.2** |  |  | Ê³ãù³ñ | 1331 Ã. |  | Ð | áñÙÝ³÷³Ï ¿, ×³ñï.` ¶ñÇ­·á­ñÇÏ í³ñ¹­å»ï. í»ñçÇÝÇë Ù³Ï³­·ñáõÃÛáõÝÁ ÏñáÕ ß³ñí³ÍùÇ ù³­ñ»­­ñÇó Ù»ÏÁ Ñ»­ï³·³ÛáõÙ û·­ï³­­·áñÍí»É ¿ áñå»ë ßÇñ­Ù³­ù³ñ |
|  | | **1.3** |  |  | Ê³ãù³ñª Ã¨³íáñ | 16-17 ¹¹. |  | Ð | µ»Ïáñ |
|  | | **1.4** |  |  | î³å³Ý³ù³ñ | 1422 Ã. | áñÙÝ³÷³Ï Ë³ãù³ñÇ Ùáï | Ð | Ñ³ñÃ |
|  | | **1.5** |  |  | î³å³Ý³ù³ñ | 1549 Ã. | áñÙÝ³÷³Ï Ë³ãù³ñÇó ÙÇ ù³ÝÇ Ù»ïñ ³» | Ð | ûñáñáó³Ó¨ ¿, ³é­ÛáõÍÇ ¨ óÉÇ ÏéíÇ ï»ë³ñ³­Ýáí |
|  | | **1.6** |  |  | î³å³Ý³ù³ñ | 1645 Ã. |  | Ð | ë»Õ³Ý³Ó¨ ¿, ËÝçáõÛùÇ ï»ë³­ñ³Ýáí |
|  | | **1.7** |  |  | î³å³Ý³ù³ñ | 16-17 ¹¹. |  | Ð | µ³ñÓñ ¿, ù³Ý¹³Ï³½³ñ¹ |
|  | | **1.8** |  |  | î³å³Ý³ù³ñ | 16-17 ¹¹. | áñÙÝ³÷³Ï Ë³ãù³ñÇó ÙÇ ù³ÝÇ Ù»ïñ Ñí-³Ù | Ð | µ³ñÓñ ¿, í³ñ áõ ó³ÝùÇ ï»ë³­ñ³Ýáí |
|  | | **1.9** |  |  | î³å³Ý³ù³ñ | 16-17 ¹¹. | áñÙÝ³÷³Ï Ë³ãù³ñÇó ÙÇ ù³ÝÇ Ù»ïñ ³» | Ð | µ³ñÓñ ¿, ËÝ­çáõÛ­ùÇ ï»ë³­ñ³Ýáí |
|  | | **1.10** |  |  | î³å³Ý³ù³ñ | 17 ¹. |  | Ð | ë»Õ³Ý³Ó¨ ¿, Ï»Ý­ó³Õ³ÛÇÝ ï»ë³ñ³Ýáí |
|  | | **1.11** |  |  | î³å³Ý³ù³ñ | 1727 Ã. |  | Ð | å³ïíÇñ³ïáõ` ¶³Éáõëï,  í³ñ áõ ó³ÝùÇ ¨ ËÝçáõÛùÇ ï»­ë³ñ³ÝÝ»ñáí |
|  | | **1.12** |  |  | î³å³Ý³ù³ñª ¾Ë³ÝÇëÇ | 1604 Ã. |  | Ð | ûñáñáó³Ó¨ ¿, Ï»Ýó³Õ³ÛÇÝ ï»ë³ñ³Ýáí |
|  | | **1.13** |  |  | î³å³Ý³ù³ñª Ê³ÃáõÝßÇÝÇ | 15 ¹. | áñÙÝ³÷³Ï Ë³ãù³ñÇ Ùáï | Ð | Ñ³ñÃ |
|  | | **1.14** |  |  | î³å³Ý³ù³ñª Î³ñ³å»ï ù³Ñ³Ý³ÛÇ | 1414 Ã. | áñÙÝ³÷³Ï Ë³ãù³ñÇ Ùáï | Ð | Ñ³ñÃ |
|  | | **1.15** |  |  | î³å³Ý³ù³ñª Ø³ñïÇñáëÇ | 1451 Ã. | áñÙÝ³÷³Ï Ë³ãù³ñÇó ÙÇ ù³ÝÇ Ù»ïñ ³» | Ð |  |
| **2** | |  |  |  | ¶ºðº¼Ø²Üàò | áõß ÙÇç-Ý³¹³ñ | ·ÛáõÕÇ Ñí »½ñÇÝ, µ³ñÓáõÝùÇ íñ³, êµ. Ø³ñÇ­³Ù ²ëïí³Í³ÍÇÝ Ýáñ­³­ß»Ý ëñµ³ï»ÕÇÇ Ùáï | î | ³í»ñí³Í ¿ |
| **3** | |  |  |  | ¶ÚàôÔ²îºÔÆ ²Ô²ÐÆ | ÙÇçÝ³-¹³ñ-20 ¹. ëÏÇ½µ | ·ÛáõÕÇó 2 ÏÙ ³Ù | Ð |  |
|  | | **3.1** |  |  | ¶»ñ»½Ù³Ýáó | ÙÇçÝ³-¹³ñ-20 ¹. ëÏÇ½µ |  | Ð |  |
| **4** | |  |  |  | ¶ÚàôÔ²îºÔÆ ¼²´²¼²îàôð  (¼àð´² Ì²îàôð) | 10-20 ¹. ëÏÇ½µ | ·ÛáõÕÇó 3 ÏÙ ³Ù, ´Ýáõ­ÝÇë ¨ Â³ëÇÏ ·ÛáõÕ»ñÇ ë³ÑÙ³Ý³·ÉËÇÝ | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
|  | **4.1** | |  |  | ¶»ñ»½Ù³Ýáó | 10-17 ¹¹. | §Ê³ãù³ñÇ Ñ³Ý¹³Ù³ë¦-áõÙ | Ð |  |
| **5** |  | |  |  | ¶ÚàôÔ²îºÔÆ æ²ÜÔàôÂ²ð²Ü | 10-17 ¹¹. | ·ÛáõÕÇó 500 Ù Ñí-³Ù | Ð |  |
|  | **5.1** | |  |  | ¶»ñ»½Ù³Ýáó | 10-17 ¹¹. |  | Ð |  |
| **6** |  | |  |  | ºÎºÔºòÆ  ê´. ²êîì²Ì²ÌÆÜ | í»ñ³-Ï³é.19 ¹. | ·ÛáõÕÇ Ù»ç | Ð |  |
|  | **6.1** | |  |  | ¶»ñ»½Ù³Ýáó | 14-19 ¹¹. | »Ï»Õ»óáõó Ñí | Ð | ï³å³Ý³ù³­­­ñ»ñÝ ³·áõó­í³Í »Ý »Ï»Õ»­óáõ å³ï»ñÇÝ |
|  |  | | **6.1.1** |  | Ø³ïáõé §Ü³Ñ³ï³ÏÇ¦ | 19 ¹. | »Ï»Õ»óáõó Ñí | Ð | ÏÇë³·»ïÝ³÷áñ ¿ |
|  |  | | **6.1.2** |  | î³å³Ý³ù³ñ | 1559 Ã. | ·»ñ»½Ù³ÝáóáõÙ, »Ï»Õ»óáõó 10 Ù Ñí | Ð | ûñáñáó³Ó¨ ¿, Ï»Ýó³Õ³ÛÇÝ ï»ë³ñ³Ýáí |
|  | **6.2** | |  |  | Ê³ãù³ñ | 1290 Ã. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ ³» ×³Ï³ïÇÝ | Ð |  |
|  | **6.3** | |  |  | Ê³ãù³ñ | 1432 Ã. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ Ñí ×³Ï³ïÇÝ | Ð |  |
|  | **6.4** | |  |  | Ê³ãù³ñ | 1432 Ã. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ Ñí ×³Ï³ïÇÝ, ÙáõïùÇó Ó³Ë | Ð |  |
|  | **6.5** | |  |  | Ê³ãù³ñ | 15 ¹. | »Ï»Õ»óáõ ÙÏñïáõÃÛ³Ý ³í³½³ÝÇ ËáñßáõÙ | Ð |  |
|  | **6.6** | |  |  | Ê³ãù³ñ | 15-16 ¹¹. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ Ñí ×³Ï³ïÇÝ, ÙáõïùÇó ³ç | Ð |  |
|  | **6.7** | |  |  | Ê³ãù³ñ | 15-16 ¹¹. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ ³» ×³Ï³ïÇÝ | Ð | ³ñÓ³Ý³·Çñ í»ñÇÝ µ»Ïáñ |
|  | **6.8** | |  |  | Ê³ãù³ñ | 15-16 ¹¹. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ ³» ×³Ï³ïÇ í»ñÝ³Ù³­ëáõÙ | Ð | ³ñÓ³Ý³·Çñ í»ñÇÝ Ï»ë |
|  | **6.9** | |  |  | Ê³ãù³ñ | 16-17 ¹¹. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ Ñë-³» ³í³Ý¹³ï³Ý ÙáõïùÇó í»ñ | Ð | ³ñÓ³Ý³·Çñ ¿, å³ïíÇñ³ïáõ` ²Õ³ |
|  | **6.10** | |  |  | Ê³ãù³ñ | 16-17 ¹¹. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ ³» ×³Ï³ïÇÝ | Ð | í»ñÇÝ Ï»ë |
|  | **6.11** | |  |  | î³å³Ý³ù³ñ | 16-17 ¹¹. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ Ñí-³» ³í³Ý¹³ï³Ý ÙáõïùÇó í»ñ | Ð | ËÝçáõÛùÇ ï»ë³ñ³Ýáí |
| **7** |  | |  |  | ÐàôÞ²ðÒ²Üª ºðÎðàð¸ ²ÞÊ²ðÐ²Ø²ðîàôØ ¼àÐì²ÌÜºðÆÜ | 1974 Ã. | ·ÛáõÕÇ Ù»ç | î | ×³ñï.` ì.¸áÉáõË³ÝÛ³Ý |
|  | **7.1** | |  |  | Ê³ãù³ñ | 15-16 ¹¹. | Ñáõß³ñÓ³ÝÇ Ùáï, Ýáñ³ß»Ý ëñµ³ï»ÕÇáõÙ | Ð |  |

´èÜ²ÎàÂ

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **1** | **2** | **3** | **4** | | **5** | **6** | **7** | **8** | **9** |
| **1** |  |  |  | | ²Ô´Úàôð §ÂàôØÆ¦ | 1640 Ã., í»ñ³Ï³é. 1989 Ã. | ·ÛáõÕÇ Ù»ç | Ð |  |
|  | **1.1** |  |  | | Ê³ãù³ñ | 10-11 ¹¹. | ³ÕµÛáõñÇ Ùáï | Ð |  |
| **2** |  |  |  | | ²Øðàò àðÒ²´ºð¸ - 1 | ø.³.1 Ñ³½. Ï»ë»ñ | ·ÛáõÕÇó 500 Ù Ñë | Ð |  |
| **3** |  |  |  | | ²Øðàò àðÒ²´ºð¸ - 2 (Ì²ÔÎ²ì²Ü) | ø.³. 1 Ñ³½. 2-ñ¹ Ï»ë-ÙÇçÝ³­¹³ñ | ·ÛáõÕÇó 1.5 ÏÙ Ñë-³» | Ð |  |
| **4** |  |  |  | | ´Ü²ÎºÈÆ ø²ð²Úðºð | áõß ÙÇç-Ý³¹³ñ | ·ÛáõÕÇó 1-2 ÏÙ Ñë-³», §Ì³Ï»ñÇ Óáñ¦ í³ÛñáõÙ | Ð |  |
| **5** |  |  |  | | ¶ºðº¼Ø²Üàò | ÙÇçÝ³-¹³ñ- 20 ¹. | ·ÛáõÕÇ ³Ù ÏáÕÙáõÙ | Ð | ³» ÏáÕÙáõÙ ²¹áÝóÝ»ñÇ, Ï»Ýï-ñáÝáõÙ` Ø»ÉÇù-Â³Ý·Û³Ý­Ý»ñÇ ïáÑÙ³Ï³Ý ·»ñ»½-Ù³Ý³ïÝ»ñÝ »Ý |
|  | **5.1** |  |  | Ê³ãù³ñ | | 11 ¹. |  | Ð |  |
| **6** |  |  |  | ¶ºðº¼Ø²Üàò | | ÙÇçÝ³-¹³ñ-  20 ¹. | ·ÛáõÕÇ Ñë »½ñÇÝ, µ³ñÓáõÝùÇ íñ³ | î |  |
|  | **6.1** |  |  | Ê³ãù³ñ | | 10 ¹. |  | Ð | ÁÝÏ³Í ¿ |
|  | **6.2** |  |  | î³å³Ý³ù³ñª ÎÇÉÇÇ | | 1683 Ã. |  | Ð | ËÝçáõÛùÇ ï»ë³ñ³Ýáí |
|  | **6.3** |  |  | î³å³Ý³ù³ñª êÇÉÇÙ³ÝÇ | | 1683 Ã. |  | Ð | ËÝçáõÛùÇ ï»ë³ñ³Ýáí |
| **7** |  |  |  | ¶ºðº¼Ø²Üàò | | ÙÇçÝ³-¹³ñ- 20 ¹. | ·ÛáõÕÇ Ñë-³» ÏáÕÙáõÙ, ´éÝ³ÏáÃ-êÇëÇ³Ý ×³Ý³å³ñÑÇó Ó³Ë | î |  |
|  | **7.1** |  |  | Ê³ãù³ñ | | 9-10 ¹¹. | ·»ñ»½Ù³­ÝáóÇ Ï»ÝïñáÝáõÙ | Ð |  |
| **8** |  |  |  | ¶ÚàôÔ²îºÔÆ ÎÈºì²Üê | | 15-19 ¹¹. | ·ÛáõÕÇó 2 ÏÙ Ñë | Ð | ³ÛÉ ³Ýí³ÝáõÙÝ»ñ` ¶³ÛÉáó í³Ýù, ÎÇÉ»í³Ýó |
| **9** |  |  |  | ¶ÚàôÔ²îºÔÆ ÎàðàìÆ | | ÙÇçÝ³¹³ñ-19 ¹. ëÏÇ½µ | ·ÛáõÕÇó 1 ÏÙ ³Ù | Ð | ³ÛÉ ³Ýí³ÝáõÙ` Îñáí,  ³í»ñí³Í ¿ |
| **10** |  |  |  | ºÎºÔºòÆ ê´. ¶ðÆ¶àð | | 1704 Ã. | ·ÛáõÕÇ Ï»ÝïñáÝáõÙ | Ð | »é³Ý³í µ³½ÇÉÇÏ |
|  | **10.1** |  |  | ¶³íÇÃ | | 1848 Ã. | ÏÇó ¿ »Ï»Õ»óáõÝ Ñí-Çó | Ð | Ï³é.` Ø»ÉÇù Â³Ý·Ç ´ |
|  |  | **10.1.1** |  | Ê³ãù³ñ | | 1358 Ã. | ³·áõóí³Í ¿ ·³íÃÇ ³» å³ïÇÝ, Ý»ñùáõëï | Ð |  |
|  |  | **10.1.2** |  | Ê³ãù³ñ | | 16-17 ¹¹. | ³·áõóí³Í ¿ ·³íÃÇ ³» å³ïÇÝ, Ý»ñùáõëï | Ð |  |
|  |  | **10.1.3** |  | Ê³ãù³ñ | | 16-17 ¹¹. | ³·áõóí³Í ¿ ·³íÃÇ ³Ù å³ïÇÝ, Ý»ñùáõëï | Ð |  |
|  |  | **10.1.4** |  | î³å³Ý³ù³ñ | | 16-17 ¹¹. | ³·áõóí³Í ¿ ·³íÃÇ Ñë å³ïÇÝ, Ý»ñùáõëï | Ð | Ï»Ýó³Õ³ÛÇÝ ï»ë³ñ³Ýáí |
|  | **10.2** |  |  | ¶»ñ»½Ù³Ýáó | | 19 ¹. | »Ï»Õ»óáõó Ñí | Ð |  |
|  | **10.3** |  |  | Ê³ãù³ñ | | 11 ¹. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ ³Ù ×³Ï³ïÇÝ | Ð |  |
|  | **10.4** |  |  | Ê³ãù³ñ | | 12 ¹. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ  Ñë ×³Ï³ïÇÝ | Ð |  |
|  | **10.5** |  |  | Ê³ãù³ñ | | 12-13 ¹¹. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ  Ñí å³ïÇÝ, ÙáõïùÇó ³ç | Ð |  |
|  | **10.6** |  |  | Ê³ãù³ñ | | 12-13 ¹¹. | »Ï»Õ»óáõ »ñÏñáñ¹ Ñ³ñÏÇ Ñí-³» ³í³Ý­¹³ï³Ý Ñí ËáñßáõÙ | Ð |  |
|  | **10.7** |  |  | Ê³ãù³ñ | | 1554 Ã. | »Ï»Õ»óáõ Ñí-³» ³í³Ý­¹³ïÝÇó Ã³ùëïáó ï³ÝáÕ µ³óí³ÍùáõÙ | Ð |  |
|  | **10.8** |  |  | Ê³ãù³ñ | | 16-17 ¹¹. | »Ï»Õ»óáõ »ñÏñáñ¹ Ñ³ñÏÇ Ñí-³» ³í³Ý­¹³ï³Ý Ñë ËáñßáõÙ | Ð |  |
|  | **10.9** |  |  | Ê³ãù³ñ | | 16-17 ¹¹. | »Ï»Õ»óáõ Ñí-³» ³í³Ý­¹³ïÝÇó Ã³ùëïáó ï³ÝáÕ µ³óí³ÍùáõÙ | Ð |  |
|  | **10.10** |  |  | Ê³ãù³ñ | | 16-17 ¹¹. | »Ï»Õ»óáõ »ñÏñáñ¹ Ñ³ñ­ÏÇ Ñí-³» ³í³Ý¹³ï³Ý Ñí ËáñßáõÙ | Ð |  |
|  | **10.11** |  |  | Ê³ãù³ñ | | 16-17 ¹¹. | »Ï»Õ»óáõ »ñÏñáñ¹ Ñ³ñ­ÏÇ Ñí-³» ³í³Ý¹³­ï³Ý Ñë ËáñßáõÙ | Ð |  |
|  | **10.12** |  |  | Ê³ãù³ñ | | 16-17 ¹¹. | »Ï»Õ»óáõ »ñÏñáñ¹ Ñ³ñ­ÏÇ Ñí-³» ³í³Ý¹³­ï³Ý Ñë ËáñßáõÙ | Ð | ³ñÓ³Ý³·Çñ |
|  | **10.13** |  |  | Ê³ãù³ñ | | 16-17 ¹¹. | »Ï»Õ»óáõ Ñë-³» ³í³Ý­¹³ïÝÇó Ã³ùëïáó ï³ÝáÕ µ³óí³ÍùáõÙ | Ð |  |
|  | **10.14** |  |  | Ê³ãù³ñ | | 16-17 ¹¹. | »Ï»Õ»óáõ Ñë-³» ³í³Ý­¹³ïÝÇó Ã³ùëïáó ï³ÝáÕ µ³óí³ÍùáõÙ | Ð |  |
|  | **10.15** |  |  | Ê³ãù³ñ | | 16-17 ¹¹. | »Ï»Õ»óáõ Ëáñ³ÝÇ Ñí ËáñßáõÙ | Ð |  |
|  | **10.16** |  |  | Ê³ãù³ñ | | 16-17 ¹¹. | »Ï»Õ»óáõ Ëáñ³ÝÇ Ñí ËáñßáõÙ | Ð |  |
|  | **10.17** |  |  | Ê³ãù³ñ | | 16-17 ¹¹. | »Ï»Õ»óáõ Ëáñ³ÝÇ Ñí ËáñßáõÙ | Ð |  |
|  | **10.18** |  |  | Ê³ãù³ñ | | 16-17 ¹¹. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ Ñí å³ïÇÝ | Ð |  |
|  | **10.19** |  |  | Ê³ãù³ñ | | 16-17 ¹¹. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ ³Ù ×³Ï³ïÇÝ, ÙáõïùÇó Ó³Ë | Ð |  |
|  | **10.20** |  |  | Ê³ãù³ñ | | 16-17 ¹¹. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ ³Ù ×³Ï³ïÇÝ, ÙáõïùÇó Ó³Ë | Ð |  |
|  | **10.21** |  |  | Ê³ãù³ñª ²Õ³ÙÇ | | 1551 Ã. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ Ñí å³ïÇÝ, ÙáõïùÇó Ó³Ë | Ð |  |
|  | **10.22** |  |  | Ê³ãù³ñª ²Õ³ç³ÝÇ | | 16-17 ¹¹. | »Ï»Õ»óáõ Ëáñ³ÝÇ Ñë ËáñßáõÙ | Ð | µ»Ïáñ |
|  | **10.23** |  |  | î³å³Ý³ù³ñ | | 1428 Ã. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ Ñí å³ïÇÝ | Ð | µ³ñÓñ ¿, ù³Ý¹³ÏÝ»ñáí |
|  | **10.24** |  |  | î³å³Ý³ù³ñ | | 1541 Ã. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ Ñí å³ïÇÝ | Ð | áñ­ëÇ ï»ë³ñ³Ýáí |
|  | **10.25** |  |  | î³å³Ý³ù³ñ | | 1563 Ã. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ ³Ù ×³Ï³ïÇÝ, ÙáõïùÇó ³ç | Ð | Ë³­­ã³ù³Ý¹³Ï­Ý»­ñáí |
|  | **10.26** |  |  | î³å³Ý³ù³ñ | | 1571 Ã. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ Ñë å³ïÇÝ | Ð | µ³ñÓñ ¿, Ë³ã³­ù³Ý¹³ÏÝ»ñáí |
|  | **10.27** |  |  | î³å³Ý³ù³ñ | | 16-17 ¹¹. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ Ñë å³ïÇÝ | Ð | í³ñ áõ ó³ÝùÇ ï»ë³ñ³Ýáí |
|  | **10.28** |  |  | î³å³Ý³ù³ñ | | 16-17 ¹¹. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ Ñë å³ïÇÝ | Ð | ³ñÓ³Ý³·Çñ ¿, Ë³ã³­ù³Ý¹³Ï­Ý»ñáí |
|  | **10.29** |  |  | î³å³Ý³ù³ñ | | 16-17 ¹¹. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ Ñë å³ïÇÝ | Ð | áñëÇ ¨ ËÝçáõÛùÇ ï»ë³ñ³Ýáí |
|  | **10.30** |  |  | î³å³Ý³ù³ñ | | 16-17 ¹¹. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ Ñë ×³Ï³ïÇÝ | Ð | ËÝçáõÛùÇ ï»ë³ñ³Ýáí |
|  | **10.31** |  |  | î³å³Ý³ù³ñ | | 16-17 ¹¹. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ Ñë ×³Ï³ïÇÝ | Ð | í³ñ áõ ó³ÝùÇ ï»ë³ñ³Ýáí |
|  | **10.32** |  |  | î³å³Ý³ù³ñ | | 16-17 ¹¹. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ Ñí ×³Ï³ïÇÝ | Ð | áñëÇ ¨ ËÝçáõÛ­ùÇ ï»ë³ñ³Ýáí |
|  | **10.33** |  |  | î³å³Ý³ù³ñ | | 16-17 ¹¹. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ Ñí ×³Ï³ïÇÝ | Ð | ³éÛáõÍÇ ¨ óÉÇ Ù³ñïÇ ï»ë³­ñ³Ýáí |
|  | **10.34** |  |  | î³å³Ý³ù³ñ | | 16-17 ¹¹. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ Ñí ×³Ï³ïÇÝ | Ð | ù³Ý¹³Ï³­­½³ñ¹ ¿ |
|  | **10.35** |  |  | î³å³Ý³ù³ñ | | 16-17 ¹¹. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ ³Ù ×³Ï³ïÇÝ | Ð | ³ñÓ³Ý³·Çñ ¿, Ë³ã³ù³Ý¹³Ï­Ý»ñáí |
|  | **10.36** |  |  | î³å³Ý³ù³ñ | | 16-17 ¹¹. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ ³Ù ×³Ï³ïÇÝ | Ð | ³ñÓ³Ý³·Çñ ¿, Ë³ã³­ù³Ý­¹³Ï­Ý»ñáí |
|  | **10.37** |  |  | î³å³Ý³ù³ñ | | 16-17 ¹¹. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ ³» ×³Ï³ïÇÝ | Ð | áñëÇ ï»ë³ñ³Ýáí |
| **11** |  |  |  | ÐàôÞ²Ô´Úàôðª ºðÎðàð¸ ²ÞÊ²ðÐ²Ø²ðîàôØ ¼àÐì²ÌÜºðÆÜ | | 1946 Ã. | ·ÛáõÕÇ Ï»ÝïñáÝáõÙ | Ð |  |
| **12** |  |  |  | ÐàôÞ²ðÒ²Üª ºðÎðàð¸ ²ÞÊ²ðÐ²Ø²ðîàôØ ¼àÐì²ÌÜºðÆÜ | | 1950 Ã. | ·ÛáõÕÇ Ù»ç | Ð |  |
|  | **12.1** |  |  | Ê³ãù³ñ | | 10-11 ¹¹. | Ñáõß³ñÓ³ÝÇ Ùáï | Ð |  |
|  | **12.2** |  |  | Ê³ãù³ñ | | 11 ¹. | Ñáõß³ñÓ³ÝÇ Ùáï | Ð |  |
|  | **12.3** |  |  | î³å³Ý³ù³ñ | | 16-17 ¹¹. | Ñáõß³ñÓ³ÝÇ Ùáï | Ð | ËáÛ³Ó¨ |
| **13** |  |  |  | ÐàôÞ²ðÒ²Üª ºðÎðàð¸ ²ÞÊ²ðÐ²Ø²ðîàôØ ¼àÐì²ÌÜºðÆÜ | | 1988 Ã. | ·ÛáõÕÇ Ï»ÝïñáÝáõÙ | Ð | ×³ñï.`  ². Æëñ³Û»ÉÛ³Ý,  ù³Ý¹.` ¶. ´³Õ¹³ë³ñÛ³Ý |
| **14** |  |  |  | ÐàôÞ²ðÒ²Üª ÎàØÆî²êÆ | |  | ·ÛáõÕÇ Ù»ç, µÉñ³·³·³ÃÇÝ | Ð |  |
| **15** |  |  |  | ÐàôÞ²ðÒ²Üª ê²ØêàÜ ØÎðîàôØÚ²ÜÆ ºì ÈÆä²ðÆî Æêð²ÚºÈÚ²ÜÆ | | 1970-³Ï³Ý ÃÃ. | ·ÛáõÕÇ Ù»ç | î |  |
| **16** |  |  |  | Ø²îàôè | | ÙÇçÝ³¹³ñ | ·ÛáõÕÇó Ùáï 2 ÏÙ ³», §Ê³ã»ñ¦ í³ÛñáõÙ | Ð | ÁÝ¹·ÍíáõÙ »Ý ³», Ñí ¨ Ù³­ë³Ùµ` Ñë å³­ï»­ñÇ ÑÇÙù»ñÁ |
|  | **16.1** |  |  | Ê³ãù³ñ | | 10-11 ¹¹. | ³í»ñí³Í Ù³ïáõéáõÙ | Ð | ³ñÓ³Ý³·Çñ |
| **17** |  |  |  | ÞºÜøª ¸äðàòÆ | | 1882 Ã. | ·ÛáõÕÇ Ù»ç | Ð | ßñç³ÝÇ ³é³­çÇÝ ¹åñáóÝ ¿ |

¶ºî²Â²Ô

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **1** | **2** | **3** | **4** | **5** | **6** | **7** | **8** | **9** |
| **1** |  |  |  | ²Øðàò | ø.³. 2-1 Ñ³½. | ·ÛáõÕÇ Ù»ç, µÉñÇ íñ³ | Ð |  |
|  | **1.1** |  |  | ¸³Ùµ³ñ³Ý³¹³ßï | ø.³. 2-1 Ñ³½. |  | Ð | å³ï³Ñ³Ï³­Ýáñ»Ý µ³óí»É ¿ ø.³. 8-7 ¹¹. ¹³Ùµ³ñ³Ý |
| **2** |  |  |  | ´Ü²ÎºÈÆ ø²ð²Úð | áõß ÙÇç-Ý³¹³ñ | ·ÛáõÕÇó Ùáï 5.5 ÏÙ Ñë, ´³Ñ³ñÉáõ ï³ÝáÕ ×³Ý³å³ñÑÇÝ | Ð |  |
| **3** |  |  |  | ´Ü²ÎºÈÆ ø²ð²Úð | áõß ÙÇç-Ý³¹³ñ | ·ÛáõÕÇó Ùáï 6 ÏÙ Ñë, ´³Ñ³ñÉáõ ï³ÝáÕ ×³Ý³å³ñÑÇÝ | Ð | »ñÏÑ³ñÏ |
| **4** |  |  |  | ¶ºðº¼Ø²Üàò | 13-19 ¹¹. | ·ÛáõÕÇ Ñí-³Ù ÏáÕÙáõÙ | Ð |  |
| **5** |  |  |  | ¶ÚàôÔ²îºÔÆ ²ÎÜàôî | 15-19 ¹¹. | ·ÛáõÕÇó Ùáï 500 Ù ³» | Ð |  |
| **6** |  |  |  | ¶ÚàôÔ²îºÔÆ î²ÜÒ²î²ö | 15-19 ¹¹. | ·ÛáõÕÇó Ùáï 1.5 ÏÙ ³Ù | Ð |  |
|  | **6.1** |  |  | Ø³ïáõé | 16-17 ¹¹. |  | Ð | å³ï»ñÁ å³Ñ-å³Ýí»É »Ý 0.8-1 Ù µ³ñÓ­­ñáõ­ÃÛ³Ùµ |
| **7** |  |  |  | ¸²Ø´²ð²Ü²¸²Þî | ø.³. 2-1 Ñ³½. | ·ÛáõÕÇ Ñë »½ñÇÝ | Ð |  |
| **8** |  |  |  | ºÎºÔºòÆ  ê´. ²êîì²Ì²ÌÆÜ | 1651-1652 ÃÃ. | ·ÛáõÕÇ Ù»ç | Ð | »é³Ý³í µ³½ÇÉÇÏ |
|  | **8.1** |  |  | ¶»ñ»½Ù³Ýáó | ÙÇçÝ³-¹³ñ- 19 ¹. | »Ï»Õ»óáõó Ñí | Ð | ³í»ñí³Í ¿, Ë³ã­ù³­ñ»ñÝ ³­·áõó­í³Í »Ý »Ï»­Õ»óáõ å³ï»ñÇÝ |
|  | **8.2** |  |  | Ê³ãù³ñ | 12-13 ¹¹. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ Ñí ×³Ï³ïÇÝ, ÙáõïùÇó Ó³Ë | Ð |  |
|  | **8.3** |  |  | Ê³ãù³ñ | 14-15 ¹¹. | »Ï»Õ»óáõ Ù»ç | Ð | ÁÝÏ³Í ¿ |
|  | **8.4** |  |  | Ê³ãù³ñ | 14-15 ¹¹. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ ³Ù å³ïÇÝ | Ð |  |
|  | **8.5** |  |  | Ê³ãù³ñ | 1451 Ã. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ Ñë-³» ³í³Ý¹³ï³Ý ³Ù å³ïÇÝ, ÙáõïùÇó í»ñ | Ð |  |
|  | **8.6** |  |  | Ê³ãù³ñ | 16-17 ¹¹. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ Ñí ×³Ï³ïÇÝ | Ð |  |
|  | **8.7** |  |  | Ê³ãù³ñ | 16-17 ¹¹. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ µ»ÙÇ ×³Ï³ïÇÝ | Ð |  |
|  | **8.8** |  |  | Ê³ãù³ñ | 16-17 ¹¹. | »Ï»Õ»óáõ ÙÏñï³ñ³ÝÇ ËáñßáõÙ | Ð | ³ñÓ³Ý³·Çñ |
|  | **8.9** |  |  | Ê³ãù³ñª ÂáíÙ³ëÇ | 15-16 ¹¹. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ Ñë-³» ³í³Ý¹³ï³Ý ³» å³ïÇÝ | Ð |  |
|  | **8.10** |  |  | Ê³ãù³ñª ì³ñ¹³ÝÇ | 13 ¹. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ Ñí-³» ³í³Ý¹³ï³Ý å³ïÇÝ, ÙáõïùÇó Ó³Ë | Ð |  |
| **9** |  |  |  | ÐàôÞ²ðÒ²Üª ºðÎðàð¸ ²ÞÊ²ðÐ²Ø²ðîàôØ ¼àÐì²ÌÜºðÆÜ | 1975 Ã. | ·ÛáõÕÇ Ù»ç | î |  |

¶àð²Úø

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **1** | **2** | **3** | **4** | **5** | **6** | **7** | **8** | **9** |
| **1** |  |  |  | ´Ü²Î²îºÔÆ | ø.³. 3-1 Ñ³½. | ·ÛáõÕÇó 0.5 ÏÙ ³Ù | Ð |  |
|  | **1.1** |  |  | ¸³Ùµ³ñ³Ý³¹³ßï | ø.³. 3-1 Ñ³½. |  | Ð |  |
| **2** |  |  |  | ÐàôÞ²Ô´Úàôð | 1992 Ã. | ·ÛáõÕÇ Ñí »½ñÇÝ, ì³Ûù-êÇëÇ³Ý ³íïá×³Ý³­å³ñÑÇ Ó³Ë ÏáÕÙáõÙ | î |  |
| **3** |  |  |  | ÐàôÞ²ðÒ²Ü §¼²Ü¶º¼àôðÆ ¸²ðä²êÜºð¦ | 1987 Ã. | ·ÛáõÕÇó ³Ù, êÇëÇ³ÝÇ É»éÝ³ÝóùÇ ³Ù»Ý³µ³ñÓñ Ï»ïáõÙ, ì³Ûù -êÇëÇ³Ý Ù³ÛñáõÕáõ »ñÏáõ ÏáÕÙáõÙ | Ð | ÅáÕ. ³Ýí³­ÝáõÙÁ` §¼³Ý­·»ñ¦, ×³ñï.`  ². Æëñ³Û»ÉÛ³Ý, ù³Ý¹.` ¶. ´³Õ¹³ë³ñÛ³Ý, ¶. Ô³ñÇµÛ³Ý |

¸²ð´²ê

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **1** | **2** | **3** | **4** | **5** | **6** | **7** | **8** | **9** |
| **1** |  |  |  | ´Ü²ÎºÈÆ ø²ð²Úðºð | ÙÇçÝ³­¹³ñ | ·ÛáõÕÇ Ñë »½ñÇÝ | Ð |  |
| **2** |  |  |  | ¶ºðº¼Ø²Üàò | 10-20 ¹¹. | ·ÛáõÕÇ ³Ù Ù³ëáõÙ, µÉñÇ íñ³ | Ð |  |
| **3** |  |  |  | ¶ºðº¼Ø²Üàò | 13-15 ¹¹. | ·ÛáõÕÇó Ùáï 2 ÏÙ  Ñë-³», §ö³ñí³Ýó¦ í³ÛñáõÙ, µÉñ³É³ÝçÇÝ | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
|  | **3.1** |  |  | Ê³ãù³ñ | 13-14 ¹¹. |  | Ð | ³ñÓ³Ý³·Çñ ¿, ÁÝÏ³Í |
|  | **3.2** |  |  | Ê³ãù³ñ | 14-15 ¹¹. |  | Ð | ÁÝÏ³Í ¿ |
| **4** |  |  |  | ¶ºðº¼Ø²Üàò | 13-20 ¹¹. | ·ÛáõÕÇ Ñë ÏáÕÙáõÙ, µÉñÇ íñ³ | Ð |  |
|  | **4.1** |  |  | Ê³ãù³ñ | 1286 Ã. |  | Ð | í»ñÇÝ Ï»ë |
|  | **4.2** |  |  | Ê³ãù³ñ | 1472 Ã. |  | Ð |  |
|  | **4.3** |  |  | Ê³ãù³ñ | 15-16 ¹¹. |  | Ð | ÁÝÏ³Í ¿, ³ç³­ÏáÕÙÛ³Ý í»­ñÇÝ Ñ³ï­í³ÍÁ` Ïá­ïñí³Í |
|  | **4.4** |  |  | î³å³Ý³ù³ñ | 1584 Ã. |  | Ð | ûñáñáó³Ó¨ ¿, Ï»Ýó³Õ³ÛÇÝ ï»ë³ñ³Ýáí |
|  | **4.5** |  |  | î³å³Ý³ù³ñ | 16-17 ¹¹. |  | Ð | ûñáñáó³Ó¨ ¿, å³ïÏ»ñ³­ù³Ý­­¹³ÏÝ»ñ­áí |
|  | **4.6** |  |  | î³å³Ý³ù³ñ | 16-17 ¹¹. |  | Ð | ûñáñáó³Ó¨ ¿, Ï»Ýó³Õ³ÛÇÝ ï»ë³ñ³Ýáí |
|  | **4.7** |  |  | î³å³Ý³ù³ñ | 16-17 ¹¹. |  | Ð | ûñáñáó³Ó¨ ¿, ËÝçáõÛùÇ ï»ë³ñ³Ýáí |
|  | **4.8** |  |  | î³å³Ý³ù³ñª ÎáßáéÇ | 1314 Ã. |  | Ð | Ñ³ñÃ |
|  | **4.9** |  |  | î³å³Ý³ù³ñª Ø³ÝëáõñÇ | 16-17 ¹¹. |  | Ð | ûñáñáó³Ó¨ |
|  | **4.10** |  |  | î³å³Ý³ù³ñª ØÏñïãÇ | 1697 Ã. |  | Ð | ûñáñáó³Ó¨ |
|  | **4.11** |  |  | î³å³Ý³ù³ñª ä³ñ³ÃÇ | 16-17 ¹¹. |  | Ð | ûñáñáó³Ó¨ ¿, Ï»Ýó³Õ³ÛÇÝ ï»ë³ñ³Ýáí |
|  | **4.12** |  |  | î³å³Ý³ù³ñª æÑ³Ý·ÇñÇ | 16-17 ¹¹. |  | Ð | ûñáñáó³Ó¨ ¿, ËÝçáõÛùÇ ï»ë³ñ³Ýáí |
| **5** |  |  |  | ºÎºÔºòÆ  ê´. ²êîì²Ì²ÌÆÜ | 1272 Ã., í»ñ³Ï³é. 1677 Ã. | ·ÛáõÕÇ Ù»ç | Ð | Ï³é.` î³ñë³­ÛÇ× úñµ»ÉÛ³Ý ¨ ØÇÝ³Ë³ÃáõÝ, ³í»ñí³Í ¿ |
|  | **5.1** |  |  | ¶»ñ»½Ù³Ýáó | 13-20 ¹¹. | »Ï»Õ»óáõ Ùáï | Ð |  |
|  | **5.2** |  |  | Ê³ãù³ñª Ø»ÉÇùë»Ã ù³Ñ³Ý³ÛÇ | 1571 Ã. | »Ï»Õ»óáõ ³í»ñ³ÏÝ»ñÇ Ù»ç | Ð |  |
|  | **5.3** |  |  | Ê³ãù³ñª ä³ÑáÝÇ | 1581 Ã. | »Ï»Õ»óáõ ³í»ñ³ÏÝ»ñÇ Ù»ç | Ð |  |
|  | **5.4** |  |  | Ê³ãù³ñª ê»Ã ù³Ñ³Ý³ÛÇ | 1287 Ã. | »Ï»Õ»óáõ ³í»ñ³ÏÝ»ñÇ Ù»ç | Ð |  |
|  | **5.5** |  |  | Ê³ãù³ñª ì³Ññ³ÙÇ | 1288 Ã. | »Ï»Õ»óáõ ³í»ñ³ÏÝ»ñÇ Ù»ç | Ð |  |
| **6** |  |  |  | ºÎºÔºòÆ  ê´. êîºö²Üàê | 17 ¹. | ·ÛáõÕÇ Ù»ç | Ð | å³Ñå³Ýí»É ¿ Ëáñ³ÝÇ Ñ³ïí³ÍÁ |
| **7** |  |  |  | Ê²âø²ð | 12-13 ¹¹. | ·ÛáõÕÇ Ù»ç,  Ø. Ê³ã³ïñ­Û³ÝÇ ïÝ³Ù»ñÓ ÑáÕ³Ù³ëáõÙ | Ð | ÏÇëáí ã³÷ ÑáÕÇ Ù»ç ¿ |
| **8** |  |  |  | Ê²âø²ð §Ð²¼²ð²öðÎÆâ¦ | 14-15 ¹¹. | ·ÛáõÕÇ Ù»ç,  è. ä»ïñáëÛ³ÝÇ ïÝ³Ù»ñÓ ÑáÕ³Ù³ëáõÙ | Ð |  |
| **9** |  |  |  | Ê²âø²ð-àôÔºòàôÚò | 13 ¹. | ·ÛáõÕÇó Ñë, Þ³Ùµ-ÈÍ»Ý-ì³Õ³ïÇÝ-¸³ñµ³ë ·ÛáõÕ»ñÇ ×³Ý³­å³ñÑ­Ý»­ñÇ Ë³ãÙ»ñáõÏáõÙ, µÉñ³É³ÝçÇÝ | Ð |  |
| **10** |  |  |  | Î²Øàôðæ §²ð¼àôØ²ÜÆ¦ | 1675 Ã. | ·ÛáõÕÇó ³», Èáñ³·»ïÇ íñ³ | Ð | ÙÇ³ÃéÇãù |
| **11** |  |  |  | ÐàôÞ²ðÒ²Üª ºðÎðàð¸ ²ÞÊ²ðÐ²Ø²ðîàôØ ¼àÐì²ÌÜºðÆÜ | 1965 Ã. | ·ÛáõÕÇ Ù»ç | î |  |

Þ²Ø´

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **1** | **2** | **3** | **4** | **5** | **6** | **7** | **8** | **9** |
| **1** |  |  |  | ´Ü²ÎºÈÆ ø²ð²Úð | áõß ÙÇç-Ý³¹³ñ | Þ³Ùµ-¸³ñµ³ë-ÈÍ»Ý Ë³ãÙ»ñáõÏÇ Ùáï | Ð | Ï³í» ß»ñïÇ Ù»ç, ù³é³ëñ³Ñ |
| **2** |  |  |  | ¶ºðº¼Ø²Üàò | 10-15 ¹¹. | ·ÛáõÕÇ Ñí-³» »½ñÇÝ, çñ³Ùµ³ñÇ Ùáï | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
|  | **2.1** |  |  | Ê³ãù³ñ | 10 ¹. |  | Ð |  |
|  | **2.2** |  |  | Ê³ãù³ñ | 14 ¹. |  | Ð | å³ñ½áõÝ³Ï ¿ |
| **3** |  |  |  | Ê²âø²ð | 13 ¹. | ·ÛáõÕÇó 1 ÏÙ ³Ù, ¸³ñµ³ë ï³ÝáÕ Ë³ãÙ»­ñáõ­­ÏÇó  100 Ù Ñ»éáõ | Ð | ëïáñÇÝ »½ñÁ ç³ñ¹í³Í ¿ |

Â²êÆÎ

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **1** | **2** | **3** | **4** | **5** | **6** | **7** | **8** | **9** |
| **1** |  |  |  | ¶ºðº¼Ø²Üàò | 19-20 ¹¹. | ·ÛáõÕÇ Ñë-³Ù »½ñÇÝ, ë³ñ³É³ÝçÇÝ | î |  |
| **2** |  |  |  | ¶ÚàôÔ²îºÔÆ | 17-18 ¹¹. | ·ÛáõÕÇó 2 ÏÙ Ñë-³Ù, §Î³ÙÝÇ¦ ¨ §î»ñ ì³ñ­¹³Ý¦ É×³ÏÝ»ñÇ Ùáï, §Ê³½Ë³½¦ í³ÛñáõÙ | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
| **3** |  |  |  | ÐàôÞ²ðÒ²Üª ºðÎðàð¸ ²ÞÊ²ðÐ²Ø²ðîàôØ ¼àÐì²ÌÜºðÆÜ | 1980 Ã. | ·ÛáõÕÇ ³» »½ñÇÝ, êÇëÇ³Ý-Â³ëÇÏ ×³Ý³å³ñÑÇó ³ç | î |  |

ÈÌºÜ

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **1** | **2** | **3** | **4** | **5** | **6** | **7** | **8** | **9** |
| **1** |  |  |  | ´Ü²Î²îºÔÆ | ø.³. 3 Ñ³½. ëÏÇ½µ, ø.³. 1 Ñ³½. Ï»ë»ñ | ·ÛáõÕÇ Ñë-³» Ù³ëáõÙ | Ð |  |
| **2** |  |  |  | ¶ºðº¼Ø²Üàò | 12-14 ¹¹. | ·ÛáõÕÇó 1.5 ÏÙ ³Ù, ³Ý­ï³­éÇ »½ñÇÝ, §ÐáõéáõÙ Ë³ã¦ í³ÛñáõÙ | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
|  | **2.1** |  |  | Ê³ãù³ñ | 9-10 ¹¹. |  | Ð | ï»Õ³Ñ³Ýí³Í ¿ |
|  | **2.2** |  |  | Ê³ãù³ñ | 13-14 ¹¹. |  | Ð | ï»Õ³Ñ³Ýí³Í ¿ |
|  | **2.3** |  |  | Ê³ãù³ñ | 14-15 ¹¹. |  | Ð | ï»Õ³Ñ³Ýí³Í ¿ |
| **3** |  |  |  | ¶ºðº¼Ø²Üàò | 14-20 ¹¹. | ·ÛáõÕÇ ³Ù »½ñÇÝ | Ð |  |
|  | **3.1** |  |  | Ê³ãù³ñ | 14 ¹. |  | Ð | ³ñÓ³Ý³·Çñ |
|  | **3.2** |  |  | Ðáõß³ñÓ³Ýª ºñÏñáñ¹ ³ßË³ñÑ³Ù³ñïáõÙ ½áÑí³ÍÝ»ñÇÝ | 1978 Ã. |  | î | ×³ñï.`  Ð. ²ñ½áõÙ³ÝÛ³Ý |
| **4** |  |  |  | ¶ÚàôÔ²îºÔÆ | 12-15 ¹¹. | ·ÛáõÕÇó 1.5 ÏÙ ³Ù,  ³Ý­ï³­é³å³ï É»éÝ³É³ÝçÇÝ | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
|  | **4.1** |  |  | Ø³ïáõé ²Ý³å³ï | 1347 Ã. |  | Ð |  |
| **5** |  |  |  | ºÎºÔºòÆ  ê´. êîºö²Üàê | 19 ¹. | ·ÛáõÕÇ Ï»ÝïñáÝáõÙ | Ð | ÙÇ³Ý³í ëñ³Ñ |
|  | **5.1** |  |  | ¶»ñ»½Ù³Ýáó | 19 ¹. | »Ï»Õ»óáõ ßáõñçÁ | î |  |
|  | **5.2** |  |  | Ê³ãù³ñ | 13-14 ¹¹. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ ³Ù å³ïÇÝ, ÙáõïùÇó ³ç | Ð |  |
|  | **5.3** |  |  | Ê³ãù³ñ | 14-15 ¹¹. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ ³Ù å³ïÇÝ | Ð | ³ñÓ³Ý³·Çñ |
|  | **5.4** |  |  | î³å³Ý³ù³ñ | 16-17 ¹¹. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ Ñí å³ïÇÝ | Ð | Ï»Ýó³Õ³ÛÇÝ ï»ë³ñ³Ýáí |
| **6** |  |  |  | Ê²âø²ð §ØºÌ ¸²ÈÆ Ê²â¦ |  | î³Ã¨ ï³ÝáÕ ×³Ý³å³ñÑÇÝ | Ð |  |

Èàð

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **1** | **2** | **3** | **4** | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| **1** |  |  |  | ´Ü²Î²îºÔÆ | ø.³. 1 Ñ³½. | ·ÛáõÕÇ Ñë ÏáÕÙáõÙ, §ÞÉáñáõï¦ í³ÛñáõÙ | Ð |  |
|  | **1.1** |  |  | ¸³Ùµ³ñ³Ý³¹³ßï | ø.³. 1 Ñ³½. |  | Ð |  |
| **2** |  |  |  | ¶ºðº¼Ø²Üàò | 13-20 ¹. ëÏÇ½µ | ·ÛáõÕÇ Ñë »½ñÇÝ | Ð |  |
|  | **2.1** |  |  | Ê³ãù³ñ §ÈáñÇÏÇ Ë³ã¦ (§êåÇï³Ï Ë³ã¦) | 1271 Ã. |  | Ð | áñÙÝ³÷³Ï |
|  | **2.2** |  |  | î³å³Ý³ù³ñ | 13-14 ¹¹. |  | Ð | Ñ³ñÃ ¿, ³ñÓ³­Ý³­·Çñ |
|  | **2.3** |  |  | î³å³Ý³ù³ñª ¸áÝ¹ÇÏÇ | 1327 Ã. |  | Ð | Ñ³ñÃ |
|  | **2.4** |  |  | î³å³Ý³ù³ñª ØÇëñ³ÕÇ | 1663 Ã. |  | Ð |  |
| **3** |  |  |  | ¶ºðº¼Ø²Üàò | 13-20 ¹¹. | ·ÛáõÕÇó 100 Ù Ñë-³Ù | Ð |  |
| **4** |  |  |  | ¸²Ø´²ð²Ü²¸²Þî | ø.³. 2-1 ¹¹. | ·ÛáõÕÇó 0.5 ÏÙ Ñí,  Ì³éáõ êµ. ÐáíÑ³ÝÝ»ë »Ï»Õ»óáõó 50 Ù Ñë | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
| **5** |  |  |  | ºÎºÔºòÆ ê´. ¶ºìàð¶ | 1666 Ã. | ·ÛáõÕÇ Ù»ç | Ð | »é³Ý³í µ³½ÇÉÇÏ |
|  | **5.1** |  |  | ¶»ñ»½Ù³Ýáó | 16-19 ¹¹. |  | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
|  | **5.2** |  |  | Ê³ãù³ñ | 16-17 ¹¹. | »Ï»Õ»óáõ Ëáñ³ÝÇ ËáñßáõÙ | Ð |  |
|  | **5.3** |  |  | Ê³ãù³ñ | 16-17 ¹¹. | »Ï»Õ»óáõ Ëáñ³ÝÇ ËáñßáõÙ | Ð |  |
|  | **5.4** |  |  | Ê³ãù³ñ | 16-17 ¹¹. | »Ï»Õ»óáõ Ñë å³ïÇ ËáñßáõÙ | Ð |  |
|  | **5.5** |  |  | Ê³ãù³ñ | 16-17 ¹¹. | »Ï»Õ»óáõ Ñë å³ïÇ ËáñßáõÙ | Ð |  |
| **6** |  |  |  | ºÎºÔºòÆ Ì²èàô ê´. ÐàìÐ²ÜÜºê | 1686 Ã. | ·ÛáõÕÇó 0.5 ÏÙ Ñí, ÑÇÙÝáíÇÝ ³í»ñí³Í Ø³ñ­¹³Ï³Ûñ ·ÛáõÕ³ï»­ÕÇáõÙ, µÉñ³É³ÝçÇÝ | Ð | Ñí-Çó ÏÇó áõÝ»­­ó»É ¿ ·³íÇÃ |
|  | **6.1** |  |  | Ê³ãù³ñ | 1423 Ã. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ Ñí ×³Ï³ïÇÝ | Ð |  |
|  | **6.2** |  |  | Ê³ãù³ñ | 15 ¹. | »Ï»Õ»óáõ Ù»ç | Ð | í»ñÝ³Ù³ëÁ Ïáïñí³Í ¿ |
| **7** |  |  |  | ÐàôÞ²ðÒ²Üª ºðÎðàð¸ ²ÞÊ²ðÐ²Ø²ðîàôØ ¼àÐì²ÌÜºðÆÜ | 1971 Ã. | ·ÛáõÕÇ Ù»ç | Ð | ù³ñ·áñÍ í³ñå»ï`  ¼. ì³ñ¹³ÝÛ³Ý |
| **8** |  |  |  | Ø²îàôè  ê´. ²êîì²Ì²ÌÆÜ (§ê²ð¶êÆ Ê²âºð¦) | 1345 Ã. | ·ÛáõÕÇó 300-500 Ù  Ñë-³Ù | Ð | ÏÇë³­­·»ï­Ý³÷áñ ¿ |
| **9** |  |  |  | Ø²îàôè §¸èÜ²ä²Ü¦ | 12-13 ¹¹. | ·ÛáõÕÇó Ùáï 1 ÏÙ ³», ·»ï³ÏÇ ³ç ³÷ÇÝ | Ð | ÏÇë³í»ñ ¿ |
|  | **9.1** |  |  | Ê³ãù³ñª ¸³íÃÇ | 12-13 ¹¹. |  | Ð |  |

ÌÔàôÎ

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **1** | **2** | **3** | **4** | **5** | **6** | **7** | **8** | **9** |
| **1** |  |  |  | ¸²Ø´²ð²Ü²¸²Þî | ø.³. 3 Ñ³½. í»ñç -  2 Ñ³½. | ·ÛáõÕÇó 1 ÏÙ ÑÛáõëÇë, ë³ñ³­Ñ³­ñ­­ÃÇ íñ³ | Ð | ºñ¨³Ý-¶áñÇë Ù³ÛñáõÕáõ »½­ñÇÝ Ï³éáõó­í³Í é»ëïáñ³­ÝÇó í»ñ |
|  | **1.1** |  |  | ºÏ»Õ»óÇ | ÙÇçÝ³­¹³ñ | ¹³Ùµ³ñ³Ý³¹³ßïÇ ï³ñ³ÍùáõÙ | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |

Ð²ò²ì²Ü

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **1** | **2** | **3** | **4** | **5** | **6** | **7** | **8** | **9** |
| **1** |  |  |  | ²Øðàò ì²ê²Î²´ºð¸ | 5 ¹. | ·ÛáõÕÇ Ñë ÏáÕÙáõÙ, ë³ñÇ ·³·³ÃÇÝ | Ð | ³í»ñí³Í ¿, ë³­ñÇ ³ñ¨»É³­Ñ³Û³ó É³ÝçÇ ÷áñí³ÍùÝ»ñÇó ÑÝáõÙ ³ñï³­Ñ³Ý»É »Ý ³ñ­Í³­ÃÇ å³­ß³ñ­Ý»ñ |
|  | **1.1** |  |  | Ø³ïáõé | 10 ¹. |  | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
| **2** |  |  |  | ¶ÚàôÔ²îºÔÆ | 14-17 ¹¹. | ·ÛáõÕÇó 2 ÏÙ Ñí, ¶ÇÅ  ·»­ïÇ ³ç ³÷ÇÝ, É»éÝ³­É³ÝçÇ Ã»ùáõÃÛ³Ý íñ³, §¶Ûá½³É¹³ñ³¦ í³ÛñáõÙ | Ð | ï³ñ³ÍùÇ Ù»Í Ù³ëÁ Ù»ÉÇáñ³ó­­í³Í ¿ |
|  | **2.1** |  |  | ¶»ñ»½Ù³Ýáó | 14-17 ¹¹. |  | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
|  |  | **2.1.1** |  | Ê³ãù³ñ | 14-15 ¹¹. |  | Ð | å³ñ½áõÝ³Ï ¿, ï»Õ³Ñ³Ýí³Í |
| **3** |  |  |  | ¶ÚàôÔ²îºÔÆ | 16-18 ¹¹. | ·ÛáõÕÇ Ñë-³Ù »½ñÇÝ, ì³ë³Ï³µ»ñ¹Á Ñë-Çó ßñç³ÝóáÕ ·»ï³ÏÇ ³÷ÇÝ, ·áÙ»ñÇ ï³ñ³ÍùáõÙ | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
| **4** |  |  |  | ¶ÚàôÔ²îºÔÆ | 17-18 ¹¹. | ·ÛáõÕÇó 500 Ù ³», ¶ÇÅ ·»ïÇ Ó³Ë ³÷ÇÝ | Ð | ï³ñ³ÍùÇ Ù»Í Ù³ëÁ Ù»ÉÇáñ³ó­í³Í ¿ |
| **5** |  |  |  | ¸²Ø´²ð²Ü²¸²Þî | ø.³. 2-1 Ñ³½. | ·ÛáõÕÇ Ñë »½ñÇÝ, ì³ë³Ï³µ»ñ¹Ç ëïáñáïÇÝ | Ð |  |
| **6** |  |  |  | ÐàôÞ²ðÒ²Üª ºðÎðàð¸ ²ÞÊ²ðÐ²Ø²ðîàôØ ¼àÐì²ÌÜºðÆÜ | 1983 Ã. | ·ÛáõÕÇ ³» »½ñÇÝ | î |  |

ԻՇԽԱՆԱՍԱՐ

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **1** | **2** | **3** | **4** | **5** | **6** | **7** | **8** | **9** |
| **1** |  |  |  | ´Ü²Î²îºÔÆ | ø.³. 1 Ñ³½. | ·ÛáõÕÇó 0.5 ÏÙ Ñë | Ð | ³Ùñ³óí³Í µÝ³Ï³ï»ÕÇ ¿ |
| **2** |  |  |  | ´Ü²Î²îºÔÆ | ø.³. 1 Ñ³½.-ÙÇçÝ³¹³ñ | ·ÛáõÕÇ ³Ù »½ñÇÝ | Ð | ³Ùñ³óí³Í µÝ³Ï³ï»ÕÇ ¿ |
| **3** |  |  |  | ´Ü²ÎºÈÆ ø²ð²Úð | 17-20 ¹¹. | ·ÛáõÕÇ ³Ù »½ñÇÝ, Óáñ³ÏáõÙ | Ð | ÙÇ³ëñ³Ñ ¿, ÁÝ¹³ñÓ³Ï |
| **4** |  |  |  | ¸²Ø´²ð²Ü²¸²Þî | ø.³. 1 Ñ³½. | ·ÛáõÕÇó Ùáï 300 Ù ³Ù | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
| **5** |  |  |  | Ê²âø²ð | 10 ¹. | ·ÛáõÕÇ ³Ù »½ñÇÝ, ý»ñÙ³Ý»ñ ï³ÝáÕ ×³Ý³å³ñÑÇó Ó³Ë | Ð |  |

Øàôòø

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **1** | **2** | **3** | **4** | **5** | **6** | **7** | **8** | **9** |
| **1** |  |  |  | ¶ºðº¼Ø²Üàò | 10-20 ¹¹. | ·ÛáõÕÇ Ñë »½ñÇÝ, µ³ñÓñ³¹Çñ í³ÛñáõÙ | Ð |  |
|  | **1.1** |  |  | Ê³ãù³ñ | 10 ¹. |  | Ð |  |
|  | **1.2** |  |  | Ê³ãù³ñ | 12 ¹. |  | Ð | ÁÝÏ³Í ¿ |
|  | **1.3** |  |  | Ðáõß³ñÓ³Ýª ºñÏñáñ¹ ³ßË³ñÑ³Ù³ñïáõÙ ½áÑí³ÍÝ»ñÇÝ | 1968 Ã. |  | î | ×³ñï.`  ´. ²ñ½áõÙ³ÝÛ³Ý |
|  | **1.4** |  |  | î³å³Ý³ù³ñ | 16-17 ¹¹. |  | Ð | áñëÇ ¨ ËÝçáõÛ­­ùÇ ï»ë³ñ³Ýáí |
| **2** |  |  |  | ¸²Ø´²ð²Ü²¸²Þî | ø.³. 2-1 Ñ³½. | ·ÛáõÕÇó Ùáï 1 ÏÙ ³» | Ð |  |
| **3** |  |  |  | ¸²Ø´²ð²Ü²¸²Þî | ø.³. 2-1 Ñ³½. | ·ÛáõÕÇó ³Ù, êÇëÇ³ÝÇ É»éÝ³ÝóùÇ Ùáï | Ð |  |
| **4** |  |  |  | ºÎºÔºòÆ  ê´. ²êîì²Ì²ÌÆÜ | 1870 Ã. | ·ÛáõÕÇ Ï»ÝïñáÝáõÙ | Ð | »é³Ý³í ÏÇë³­í»ñ ëñ³Ñ ¿ |

Üàð²ì²Ü

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **1** | **2** | **3** | **4** | **5** | **6** | **7** | **8** | **9** |
| **1** |  |  |  | ´Ü²Î²îºÔÆ ²ì²¼²Ð²ÜøÆ ´Èàôð | ø.³. 3-ñ¹ Ñ³½. í»ñç-ø.³. 2-ñ¹ Ñ³½.  í»ñç | ·ÛáõÕÇ Ñë Ù³ïáõÛó­Ý»­ñÇó ÙÇÝã¨ ºñ¨³Ý-¶áñÇë Ù³ÛñáõÕáõ »½­ñÇÝ µ³ñÓ­ñ³óáÕ µÉñ³­ß³ñùÇ Ñí ÷»ß»ñÁ | Ð |  |
|  | **1.1** |  |  | ¸³Ùµ³ñ³Ý³¹³ßï | ø.³. 3-ñ¹ Ñ³½. í»ñç-  ø.³. 2-ñ¹ Ñ³½. í»ñç |  | Ð |  |

Þ²Ô²î

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **1** | **2** | | | **3** | **4** | | **5** | **6** | **7** | **8** | **9** |
| **1** |  | | |  |  | | ²Øðàò Þ²Ô²î – 1 | í³Õ - ÙÇçÇÝ µñáÝ½Ç ¹³ñ»ñ, ø.³.  6-4 ¹¹. | ·ÛáõÕÇ ³Ù »½ñÇÝ | Ð | ³ÛÉ ³Ýí³ÝáõÙ` ÊéÝ¹áõ½ |
|  | **1.1** | | |  |  | | ´Ý³Ï³ï»ÕÇ | í³Õ - ÙÇçÇÝ µñáÝ½Ç ¹³ñ»ñ, ø.³. 6-4 ¹¹. |  | Ð | Ñ³ëÝáõÙ ¿ ÙÇÝã¨ Þ³Õ³ï-3 ³Ù­ñáó, ï³ñ³Í­ùÁ Ù³ë³Ùµ Ù»ÉÇá­ñ³óí³Í ¿ |
|  | **1.2** | | |  |  | | ¸³Ùµ³ñ³Ý³¹³ßï | í³Õ - ÙÇçÇÝ µñáÝ½Ç ¹³ñ»ñ,  ø.³. 6-4 ¹¹. | ³» ¹³ñ³í³Ý¹Ç íñ³ | Ð | ³í»ñí³Í ¿, ¹³Ùµ³ñ³ÝÝ»­ñÇó Ù»ÏáõÙ Ñ³Ûï­Ý³µ»ñí»É ¿ ý³É³Ó¨ ÏáÃáÕ |
| **2** |  | | |  |  | | ²Øðàò Þ²Ô²î – 2 | í³Õ µñáÝ½Ç ¹³ñ-  ÙÇçÝ³¹³ñ | ·ÛáõÕÇ ³» »½ñÇÝ, àñáï³ÝÇ ³ç ³÷ÇÝ | Ð | ³ÛÉ ³Ýí³ÝáõÙ` Ü³ñÇÝÏ³É³ |
| **3** |  | | |  |  | | ²Øðàò Þ²Ô²î – 3 | ø.³. 6-4 ¹¹. | ·ÛáõÕÇ Ñë »½ñÇÝ, ë³ñ³í³Ý¹Ç íñ³ | Ð | Ù³ëÝ³ÏÇ ³í»ñí³Í ¿ |
| **4** |  | | |  |  | | ²Øðàò Þ²Ô²î – 4 | ø.³. 6-4 ¹¹. | ·ÛáõÕÇó Ùáï1.5 ÏÙ Ñë | Ð |  |
| **5** |  | | |  |  | | ¶ºðº¼Ø²Üàò | 10-20 ¹¹. | ·ÛáõÕÇ Ù»ç, êµ. ¶¨áñ· »Ï»Õ»óáõ ßáõñçÁ | Ð |  |
|  | **5.1** | | |  |  | | ºÏ»Õ»óÇ êµ. ¶¨áñ· | 1848 Ã. | ·»ñ»½Ù³ÝáóáõÙ | Ð |  |
|  |  | | | **5.1.1** |  | | Ê³ãù³ñ | 10 ¹. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ Ñí ×³Ï³ïÇÝ | Ð | ³ñÓ³Ý³·Çñ |
|  |  | | | **5.1.2** |  | | Ê³ãù³ñ | 12 ¹. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ ³» ×³Ï³ïÇÝ | Ð |  |
|  |  | | | **5.1.3** |  | | Ê³ãù³ñ | 12 ¹. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ ³» ×³Ï³ïÇÝ | Ð |  |
|  |  | | | **5.1.4** |  | | î³å³Ý³ù³ñ | 16-17 ¹¹. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ  Ñí ×³Ï³ïÇÝ | Ð | å³ïíÇñ³ïáõ` ²ëÉ³Ý,  Ï»Ý­ó³­­Õ³ÛÇÝ ï»ë³­ñ³Ýáí |
|  | **5.2** | | |  |  | | î³å³Ý³ù³ñ | 16-17 ¹¹. | ·»ñ»½Ù³ÝáóáõÙ | Ð | áñëÇ ¨ ËÝçáõÛ­ùÇ ï»ë³ñ³Ýáí |
|  | | **5.3** |  | | |  | î³å³Ý³ù³ñª ²í³·Ç | 1663 Ã. | ·»ñ»½Ù³ÝáóáõÙ, »Ï»Õ»óáõó ³» | Ð | µ³ñÓñ ¿, Ï»Ýó³Õ³ÛÇÝ ï»ë³ñ³Ýáí |
|  | | **5.4** |  | | |  | î³å³Ý³ù³ñª ´³ïÇñÇ | 1653 Ã. | ·»ñ»½Ù³ÝáóáõÙ | Ð | µ³ñÓñ ¿, ù³Ý­¹³­Ï³½³ñ¹, Ï³½­ÙáÕ` áõëï³ ¸³íáõÃ |
|  | | **5.5** |  | | |  | î³å³Ý³ù³ñª ¶á½³ÉÇ | 1704 Ã. | ·»ñ»½Ù³ÝáóáõÙ | Ð |  |
|  | | **5.6** |  | | |  | î³å³Ý³ù³ñª ¸³ïÇ | 1653 Ã. | ·»ñ»½Ù³ÝáóáõÙ, »Ï»Õ»óáõó ³» | Ð | ûñáñáó³Ó¨ ¿, Ï»Ýó³Õ³ÛÇÝ ï»ë³ñ³Ýáí |
|  | | **5.7** |  | | |  | î³å³Ý³ù³ñª ¾¹í³ñ¹Ç (¾¹í³ñïÇ) | 1705 Ã. | ·»ñ»½Ù³ÝáóáõÙ | Ð | ûñáñáó³Ó¨ |
| **6** | |  |  | | |  | ¶ºðº¼Ø²Üàò | 10-20 ¹¹. | ·ÛáõÕÇ ³Ù »½ñÇÝ | Ð |  |
|  | | **6.1** |  | | |  | Ê³ãù³ñ | 10 ¹. |  | Ð | ÁÝÏ³Í ¿ |
|  | | **6.2** |  | | |  | Ê³ãù³ñ | 12-13 ¹¹. |  | Ð | ÁÝÏ³Í ¿ |
| **7** | |  |  | | |  | ¶ºðº¼Ø²Üàò | 19-20 ¹¹. | ·ÛáõÕÇ Ù»ç, ³ÏáõÙµÇ Ùáï | î |  |
| **8** | |  |  | | |  | ¶ºðº¼Ø²Üàò | 19-20 ¹¹. | ·ÛáõÕÇ ³» »½ñÇÝ | î |  |
| **9** | |  |  | | |  | ¶ÚàôÔ²îºÔÆ | ÙÇçÝ³­¹³ñ | ·ÛáõÕÇó Ùáï 1 ÏÙ  Ñë-³Ù, Óáñ³ÏáõÙ | Ð | ³í»ñí³Í ¿, Ï³ñ-ÍÇù Ï³, áñ ÐÇÝ Þ³Õ³ïÝ ¿ |
|  | | **9.1** |  | | |  | ¶»ñ»½Ù³Ýáó | ÙÇçÝ³­¹³ñ | ·ÛáõÕ³ï»ÕÇó ³Ù, µÉñÇ íñ³ | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
|  | | **9.2** |  | | |  | ¶»ñ»½Ù³Ýáó | ÙÇçÝ³­¹³ñ | ·ÛáõÕ³ï»ÕÇó ³», µÉñÇ íñ³ | Ð | Ýëï³Í ¿ µñáÝ­½»­¹³ñÛ³Ý ¹³Ù­µ³ñ³Ý³­¹³ßïÇ íñ³ |
|  | |  | **9.2.1** | | |  | Ê³ãù³ñ |  |  | Ð |  |
|  | |  | **9.2.2** | | |  | Ê³ãù³ñ |  |  | Ð |  |
|  | |  | **9.2.3** | | |  | Ê³ãù³ñ |  |  | Ð |  |
|  | |  | **9.2.4** | | |  | Ê³ãù³ñ |  |  | Ð |  |
|  | |  | **9.2.5** | | |  | Ê³ãù³ñ |  |  | Ð |  |
|  | |  | **9.2.6** | | |  | Ê³ãù³ñ |  |  | Ð |  |
|  | |  | **9.2.7** | | |  | Ê³ãù³ñ |  |  | Ð |  |
|  | | **9.3** |  | | |  | ¸³Ùµ³ñ³Ý³¹³ßï | ø.³. 2-  1 Ñ³½. | ·ÛáõÕ³ï»ÕÇ ³» ÏáÕ­ÙáõÙ, µÉñÇ íñ³ | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
| **10** | |  |  | | |  | ¶ÚàôÔ²îºÔÆ | ÙÇçÝ³-¹³ñ- 20 ¹. ëÏÇ½µ | ·ÛáõÕÇó Ùáï 6 ÏÙ  Ñë-³Ù, Ü³ËÇç¨³Ý ï³­ÝáÕ ×³Ý³å³ñÑÇÝ, ²ñ³·ÉÇ-çáõñ ·»ïÇ  Ó³Ë ³÷ÇÝ | Ð | ·ÛáõÕ³ï»ÕÇ ²ñ»ùÉáõ, ³í»ñ­í³Í ¿, ï³­ñ³Í­ùáõÙ ï»Õ³­íáñ­í³Í ¿ É»é­Ý³Ýó­ùÁ Ñë­ÏáÕ ½ÇÝíáñ³­Ï³Ý í³ßï»ñÇó Ù»ÏÁ |
|  | | **10.1** |  | | |  | Ê³ãù³ñ | 10 ¹. |  | Ð | ÁÝÏ³Í ¿ |
|  | | **10.2** |  | | |  | Ê³ãù³ñ | 10 ¹. |  | Ð | ÁÝÏ³Í ¿ |
|  | | **10.3** |  | | |  | Ê³ãù³ñ | 10 ¹. |  | Ð | ÁÝÏ³Í ¿ |
| **11** | |  |  | | |  | ¶ÚàôÔ²îºÔÆ Þàø²ð | ÙÇçÝ³-¹³ñ- 20 ¹. ëÏÇ½µ | ·ÛáõÕÇó Ùáï 2.5 ÏÙ  Ñë-³Ù | Ð | ³­í»ñ­í³Í ¿ |
|  | | **11.1** |  | | |  | ¶»ñ»½Ù³Ýáó | ÙÇçÝ³¹³ñ | ·ÛáõÕ³ï»ÕÇÇ Ñë-³Ù »½ñÇÝ, µÉñÇ íñ³ | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
|  | |  | **11.1.1** | | |  | Ê³ãù³ñ | 10 ¹. |  | Ð | ³ñÓ³Ý³·Çñ |
|  | | **11.2** |  | | |  | Ä³Ûé³å³ïÏ»ñ | ø.³. 3-2 Ñ³½. | ·ÛáõÕ³ï»ÕÇÇ Ñë »½ñÇÝ | Ð |  |
| **12** | |  |  | | |  | ¶ÚàôÔ²îºÔÆ öàôÈ | 17-20 ¹¹. | ·ÛáõÕÇó 2 ÏÙ Ñë, àñáï³ÝÇ ÏÇñ×áõÙ, ·»ïÇ ³ç ³÷ÇÝ | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
|  | | **12.1** |  | | |  | ¶»ñ»½Ù³Ýáó | 17 ¹. | ·ÛáõÕ³ï»ÕÇÇ Ñë Ù³ëáõÙ, ë³ñ³É³ÝçÇÝ | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
|  | |  | **12.1.1** | | |  | î³å³Ý³ù³ñ | 17 ¹. |  | Ð | ûñáñáó³Ó¨ ¿, áñ­ëÇ ¨ ËÝçáõÛ­ùÇ ï»ë³ñ³Ý­Ý»ñáí |
|  | |  | **12.1.2** | | |  | î³å³Ý³ù³ñª Ú³ÝÇ | 1650 Ã. |  | Ð | Ñ³ñÃ |
|  | | **12.2** |  | | |  | ¶»ñ»½Ù³Ýáó | 17 ¹. | ·ÛáõÕ³ï»ÕÇÇ Ñí Ù³ëáõÙ | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
|  | |  | **12.2.1** | | |  | î³å³Ý³ù³ñª Êáõå³ÝÇ | 1681 Ã. |  | Ð | Ñ³ñÃ |
|  | |  | **12.2.2** | | |  | î³å³Ý³ù³ñª Ø³Ï³ñÇ | 1683 Ã. |  | Ð | Ñ³ñÃ |
| **13** | |  |  | | |  | ¸²Ø´²ð²Ü²¸²Þî Ö¶Ü²ìàðÆ ê²ð | ÙÇçÇÝ µñáÝ½Ç ¹³ñ | ·ÛáõÕÇó Ùáï 1 ÏÙ Ñí | Ð |  |
|  | | **13.1** |  | | |  | Ø³ïáõé | 19 ¹. | ë³ñÇ Ñí µ³ñÓáõÝùÇÝ | Ð |  |
| **14** | |  |  | | |  | Î²Øàôðæ | 19 ¹. | ·ÛáõÕÇó Ùáï 1.5 ÏÙ Ñë, àñáï³Ý ·»ïÇ íñ³ | Ð | Ï³éáõó»É ¿ Ø»­ÉÇù Â³Ý·ÇÝ, »ñÏ­­ÃéÇãù ¿, ³í»ñí³Í |
| **15** | |  |  | | |  | ÐàôÞ²ðÒ²Üª ºðÎðàð¸ ²ÞÊ²ðÐ²Ø²ðîàôØ ¼àÐì²ÌÜºðÆÜ | 1975 Ã. | ·ÛáõÕÇ Ù»ç | î |  |
|  | | **15.1** |  | | |  | ä³ÝÃ»áÝª ²ñó³ËÛ³Ý å³ï»ñ³½ÙáõÙ ½áÑí³Í ³½³ï³Ù³ñïÇÏÝ»ñÇ |  |  | î |  |
| **16** | |  |  | | |  | ÒÆÂÐ²Ü | 19 ¹., í»ñ³­Ï³é. 1970- ³Ï³Ý ÃÃ. | ·ÛáõÕÇ Ù»ç, êµ. ¶¨áñ· »Ï»Õ»óáõó ³Ù | î |  |

Þ²øÆ

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **1** | **2** | **3** | **4** | **5** | **6** | **7** | **8** | **9** |
| **1** |  |  |  | ²Øðàò | ø.³. 2 Ñ³½. ëÏÇ½µ-áõß ³ÝïÇÏ-í³Õ ÙÇçÝ³­¹³ñ | ·ÛáõÕÇó 500 Ù Ñí, µÉñÇ íñ³ | Ð |  |
| **2** |  |  |  | ´Ü²Î²îºÔÆ | ø.³. 2 Ñ³½. í»ñç-ÙÇçÝ³­¹³ñ | ·ÛáõÕÇó Ñë ¨ ³», êÇëÇ³Ý ï³ÝáÕ ×³Ý³å³ñÑÇó ³» | Ð | ºñ¨³Ý-¶áñÇë Ù³ÛñáõÕÇÝ ³Ýó­ÝáõÙ ¿ µÝ³Ï³­ï»ÕÇÇ Ñë »½ñáí |
| **3** |  |  |  | ¶ÚàôÔ²îºÔÆ | 5-17 ¹¹. | ·ÛáõÕÇó 1 ÏÙ Ñí-³», Þ³ùÇ ·»ïÇ Ó³Ë ³÷ÇÝ | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
| **4** |  |  |  | ¶ÚàôÔ²îºÔÆ | 17-18 ¹¹. | ·ÛáõÕÇó 2 ÏÙ Ñë, êÇëÇ³Ý  ï³ÝáÕ ×³Ý³å³ñÑÇó  Ó³Ë, §Â³ÑÝ³Éáõ¦ í³ÛñáõÙ | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
| **5** |  |  |  | ¶ÚàôÔ²îºÔÆ | 17-18 ¹¹. | ·ÛáõÕÇó 2.5 ÏÙ Ñë, ºñ¨³Ý-êÇëÇ³Ý ×³­Ý³å³ñÑÇ Ë³ãÙ»ñáõÏÇ Ùáï, §¶ÛáõÉÉÇµáõÉ³Õ¦ í³ÛñáõÙ | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
| **6** |  |  |  | ÐàôÞ²Ô´Úàôðª ºðÎðàð¸ ²ÞÊ²ðÐ²Ø²ðîàôØ ¼àÐì²ÌÜºðÆÜ | 1957 Ã. | ·ÛáõÕÇ Ï»ÝïñáÝáõÙ | î | í³ñå»ï`  è. ºÕÛ³Ý |
| **7** |  |  |  | ÐàôÞ²ðÒ²Üª ºðÎðàð¸ ²ÞÊ²ðÐ²Ø²ðîàôØ ¼àÐì²ÌÜºðÆÜ | 1980 Ã. | ·ÛáõÕÇ ³» »½ñÇÝ | î | í³ñå»ï`  è. ºÕÛ³Ý |
| **8** |  |  |  | Ø²îàôè | 14 ¹. | ·ÛáõÕÇó Ùáï 1 ÏÙ ³Ù, µÉñÇ ·³·³ÃÇÝ | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
|  | **8.1** |  |  | ¶»ñ»½Ù³Ýáó | ÙÇçÝ³¹³ñ |  | Ð |  |
|  | **8.2** |  |  | Ê³ãù³ñ | 14 ¹. | Ù³ïáõéáõÙ | Ð | å³ñ½ |
| **9** |  |  |  | æð²Ô²ò | 19-20 ¹¹. | ·ÛáõÕÇ ³» »½ñÇÝ, ÓáñáõÙ | î | í»ñ³­Ýáñá·í»É ¿ 1993 Ã. |
| **10** |  |  |  | ø²ð²Úð - Î²ò²ð²Ü ÈàôÚê ²ÜÒ²ì | ÙÇçÝ³¹³ñ | ·ÛáõÕÇ ³» »½ñÇÝ | Ð |  |
| **11** |  |  |  | ø²ð²Úð - Î²ò²ð²Ü ØàôÂ ²ÜÒ²ì | ÙÇçÝ³¹³ñ | ·ÛáõÕÇ ³» »½ñÇÝ | Ð |  |
| **12** |  |  |  | ø²ð²Úð - Î²ò²ð²Ü à¼Üàô ´àôÚÜ | ÙÇçÝ³¹³ñ | ·ÛáõÕÇ ³» »½ñÇÝ | Ð |  |

ÞºÜ²Â²Ô

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **1** | **2** | **3** | **4** | **5** | **6** | **7** | **8** | **9** | |
| **1** |  |  |  | ²Øðàò | ÙÇçÝ³­¹³ñ | ·ÛáõÕÇó 1 ÏÙ Ñí | Ð | ³Ùñáó  ê³·áõ Õ³É³ | |
| **2** |  |  |  | ²Øðàò |  | ·ÛáõÕÇó 4 ÏÙ Ñë | Ð |  | |
| **3** |  |  |  | ¶ºðº¼Ø²Üàò | 16-20 ¹¹. | ·ÛáõÕÇ Ù»ç | Ð |  |
|  | **3.1** |  |  | ºÏ»Õ»óÇ  êµ. ²ëïí³Í³ÍÇÝ | 1860 Ã. |  | Ð | »é³Ý³í µ³½ÇÉÇÏ |
|  |  | **3.1.1** |  | Ê³ãù³ñ | 15-16 ¹¹. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ Ñí ×³Ï³ïÇÝ | Ð |  |
|  | **3.2** |  |  | î³å³Ý³ù³ñª å³ñáÝ ä³ñÇùÇ | 1509 Ã. |  | Ð | å³ïÏ»ñ³ù³Ý- ¹³ÏÝ»ñáí |
| **4** |  |  |  | ¶ºðº¼Ø²Üàò | 18-20 ¹¹. | ·ÛáõÕÇ Ù»ç, ¹åñáóÇ Ùáï | Ð |  |
| **5** |  |  |  | ¶ÚàôÔ²îºÔÆ ²Ð²ìÆ¼ | ÙÇçÝ³¹³ñ | ·ÛáõÕÇó Ùáï 500 Ù  Ñë-³Ù | Ð |  |
| **6** |  |  |  | ¶ÚàôÔ²îºÔÆ ²Ü²ä²î | ÙÇçÝ³¹³ñ- 19 ¹. | ·ÛáõÕÇó Ùáï 2 ÏÙ  Ñë-³Ù, µÉñ³É³ÝçÇÝ | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
| **7** |  |  |  | ¶ÚàôÔ²îºÔÆ Øðàò | 16-18 ¹¹. | ·ÛáõÕÇó Ùáï 4 ÏÙ ³Ù | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
|  | **7.1** |  |  | ¶»ñ»½Ù³Ýáó | 16-18 ¹¹. | ·ÛáõÕ³ï»ÕÇÇ »Ï»Õ»óáõ Ùáï | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
|  | **7.2** |  |  | ºÏ»Õ»óÇ | 16-17 ¹¹. | µÉñ³É³ÝçÇÝ | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
| **8** |  |  |  | ¶ÚàôÔ²îºÔÆ ÞÈàð¸²ò | ÙÇçÝ³¹³ñ- 17 ¹. | ·ÛáõÕÇó 2 ÏÙ Ñí, Ã»ù ï»Õ³ÝùáõÙ | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
|  | **8.1** |  |  | ¶»ñ»½Ù³Ýáó | ÙÇçÝ³¹³ñ- 17 ¹. | ·ÛáõÕ³ï»ÕÇÇ »Ï»Õ»óáõ Ùáï | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
|  | **8.2** |  |  | ºÏ»Õ»óÇ | ÙÇçÝ³¹³ñ |  | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
| **9** |  |  |  | ºÎºÔºòÆ  ê´. Ø²ðîÆðàê | 1704 Ã. | ·ÛáõÕÇ Ù»ç | Ð |  |
|  | **9.1** |  |  | Ê³ãù³ñ æ³ÝÇÏÇ | 12-13 ¹¹. | »Ï»Õ»óáõ ³» ×³Ï³ïÇ Ùáï | Ð | ³ñÓ³Ý³·Çñ å³ïí³Ý¹³ÝÇ íñ³ |
| **10** |  |  |  | ºÎºÔºòÆ ê´. ê²ð¶Æê | ÙÇçÝ³¹³ñ | ·ÛáõÕÇ Ù»ç | Ð |  |
| **11** |  |  |  | ÐàôÞ²Ô´Úàôðª ºðÎðàð¸ ²ÞÊ²ðÐ²Ø²ðîàôØ ¼àÐì²ÌÜºðÆÜ | 1968 Ã. | ·ÛáõÕÇ Ù»ç | î |  |
| **12** |  |  |  | ÐàôÞ²ðÒ²Üª ºðÎðàð¸ ²ÞÊ²ðÐ²Ø²ðîàôØ ¼àÐì²ÌÜºðÆÜ | 1970 Ã. | ·ÛáõÕÇ Ù»ç | î |  |

àðàîÜ²ì²Ü

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **1** | **2** | **3** | **4** | **5** | **6** | **7** | **8** | **9** |
| **1** |  |  |  | ²Øðàò àðàîÜ²´ºð¸ | 5 ¹. | ·ÛáõÕÇó Ñí-³Ù, àñáï³Ý ·»ïÇ ³ç ³÷ÇÝ | Ð | êÛáõÝÇùÇ Ýß³­Ý³-íáñ ³Ùñáó­Ý»ñÇó ¿ñ, ³í»ñ­í³Í ¿, ï³­ñ³Í­ùÇ Ñí-³Ù Ù³­ëáõÙ å³Ñ­å³Ý­í»É »Ý ÏáÃáÕ­Ý»ñÇ µ»ÏáñÝ»ñ |
| **2** |  |  |  | ¶ÚàôÔ²îºÔÆ àðàîÜ ¥àðàî²Ü¤ | í³Õ ÙÇçÝ³-¹³ñ-áõß ÙÇçÝ³-¹³ñ | ·ÛáõÕÇó Ùáï 3 ÏÙ ³Ù, àñáïÝ³µ»ñ¹Ç ¹ÇÙ³ó, ì³Õ³ïÇÝ-Þ³Ùµ ×³Ý³­å³ñÑÇó ³ç, àñáï³Ý ·»ïÇ ³ç³÷ÝÛ³ µ³ñÓáõÝùÇÝ | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
|  | **2.1** |  |  | ¶»ñ»½Ù³Ýáó | 9-18 ¹¹. | ë³ñ³Ñ³ñÃÇ íñ³ | Ð | Ù»Í ¿, ³í»ñí³Í |
|  |  | **2.1.1** |  | Ê³ãù³ñ | 9-10 ¹¹. |  | Ð |  |
|  |  | **2.1.2** |  | Ê³ãù³ñ | 10 ¹. |  | Ð | ÏÇëáí ã³÷ Ñá­ÕÇ Ù»ç ¿ |
|  |  | **2.1.3** |  | Ê³ãù³ñ | 10-11 ¹¹. |  | Ð | ÏÇëáí ã³÷ Ñá­ÕÇ Ù»ç ¿ |
|  |  | **2.1.4** |  | Ê³ãù³ñ | 10-11 ¹¹. |  | Ð | ÏÇëáí ã³÷ Ñá­ÕÇ Ù»ç ¿ |
|  |  | **2.1.5** |  | Ê³ãù³ñ | 10-11 ¹¹. |  | Ð | ÏÇëáí ã³÷ Ñá­ÕÇ Ù»ç ¿ |
|  |  | **2.1.6** |  | Ê³ãù³ñ | 10-11 ¹¹. |  | Ð | ÏÇëáí ã³÷ Ñá­ÕÇ Ù»ç ¿ |
|  |  | **2.1.7** |  | Ê³ãù³ñ | 10-11 ¹¹. |  | Ð | ÏÇëáí ã³÷ Ñá­ÕÇ Ù»ç ¿ |
|  |  | **2.1.8** |  | Ê³ãù³ñ | 10-11 ¹¹. |  | Ð | ÏÇëáí ã³÷ Ñá­ÕÇ Ù»ç ¿ |
|  |  | **2.1.9** |  | Ê³ãù³ñ | 11 ¹. |  | Ð |  |
|  |  | **2.1.10** |  | Ê³ãù³ñ | 11 ¹. |  | Ð | ÁÝÏ³Í ¿ |
|  |  | **2.1.11** |  | Ê³ãù³ñ | 11 ¹. |  | Ð |  |
|  |  | **2.1.12** |  | Ê³ãù³ñ | 11 ¹. |  | Ð |  |
|  |  | **2.1.13** |  | Ê³ãù³ñ | 11 ¹. |  | Ð | ÏÇëáí ã³÷ Ñá­ÕÇ Ù»ç ¿ |
|  |  | **2.1.14** |  | Ê³ãù³ñ | 11 ¹. |  | Ð | ÁÝÏ³Í ¿ |
|  |  | **2.1.15** |  | Ê³ãù³ñ | 11 ¹. |  | Ð | ÁÝÏ³Í ¿ |
|  |  | **2.1.16** |  | Ê³ãù³ñ | 11 ¹. |  | Ð |  |
|  |  | **2.1.17** |  | Ê³ãù³ñ | 11 ¹. |  | Ð |  |
|  |  | **2.1.18** |  | Ê³ãù³ñ | 11 ¹. |  | Ð | ³ñÓ³Ý³·Çñ |
|  |  | **2.1.19** |  | Ê³ãù³ñ | 12 ¹. |  | Ð | ÁÝÏ³Í ¿ |
|  |  | **2.1.20** |  | Ê³ãù³ñ | 12 ¹. |  | Ð | ÁÝÏ³Í ¿ |
|  |  | **2.1.21** |  | Ê³ãù³ñ | 15 ¹. |  | Ð | ÁÝÏ³Í ¿ |
|  |  | **2.1.22** |  | Ê³ãù³ñ | 15-16 ¹¹. |  | Ð | ÁÝÏ³Í ¿, ëïá­ñÇÝ »½ñÁ` Ïáïñí³Í |
|  |  | **2.1.23** |  | Ê³ãù³ñ | 15-16 ¹¹. |  | Ð | ÁÝÏ³Í ¿ |
|  |  | **2.1.24** |  | Ê³ãù³ñ | 15-16 ¹¹. |  | Ð | ÁÝÏ³Í ¿ |
|  |  | **2.1.25** |  | Ê³ãù³ñª | 16-17 ¹¹. |  | Ð | ÁÝÏ³Í ¿ |
|  |  | **2.1.26** |  | Ê³ãù³ñª ¼³ù³ñ»Ç | 1164 Ã. |  | Ð | ÁÝÏ³Í ¿ |
|  |  | **2.1.27** |  | Ê³ãù³ñª îñ¹³ïÇ | 1426 Ã. |  | Ð | ÁÝÏ³Í ¿ |
|  |  | **2.1.28** |  | Ê³ãù³ñª öáÉ³¹Ç | 12 ¹. |  | Ð | ÁÝÏ³Í ¿ |
|  |  | **2.1.29** |  | î³å³Ý³ù³ñª ÊáõÙ³ñÇ | 15 ¹. |  | Ð | Ñ³ñÃ |
|  |  | **2.1.30** |  | î³å³Ý³ù³ñª ÞÙ³íáÝ ù³Ñ³Ý³ÛÇ | 15 ¹. |  | Ð | Ñ³ñÃ |
|  | **2.2** |  |  | ¶»ñ»½Ù³Ýáó | 17-18 ¹¹. | Ë×áõÕáõó ·ÛáõÕ³ï»ÕÇ ï³ÝáÕ ³ñ³Ñ»ïÇ ëÏ½µÝ³Ù³ëáõÙ, ë³ñ³É³ÝçÇÝ | Ð | ÷áùñ ¿, ³í»ñí³Í |
| **3** |  |  |  | Î²Øàôðæ | 1855 Ã. | ·ÛáõÕÇó Ùáï 500 Ù Ñí | Ð | ÙÇ³ÃéÇãù, Ï³éáõó»É ¿ Ø»ÉÇù Â³Ý·ÇÝ |
|  | **3.1** |  |  | Ê³ãù³ñ | 1514 Ã. | ³·áõóí³Í ¿ Ï³ÙñçÇ ³ç³÷ÝÛ³ Ë»ÉÇÝ | Ð |  |
|  | **3.2** |  |  | Ê³ãù³ñ | 1663 Ã. | ³·áõóí³Í ¿ Ï³ÙñçÇ Ó³Ë³÷ÝÛ³ Ë»ÉÇÝ | Ð |  |

ê²èÜ²ÎàôÜø

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **1** | **2** | **3** | **4** | **5** | **6** | **7** | **8** | **9** |
| **1** |  |  |  | ¶ÚàôÔ²îºÔÆ | 14-20 ¹¹. | ·ÛáõÕÇó 2.2 ÏÙ Ñí | Ð | ·ÛáõÕ³ï»ÕÇ Ô³É³çáõÕ |
|  | **1.1** |  |  | ºÏ»Õ»óÇ  êµ. ²ëïí³Í³ÍÇÝ | áõß ÙÇçÝ³­¹³ñ |  | Ð |  |
| **2** |  |  |  | ¶ÚàôÔ²îºÔÆ ØàôÊàôðÂàðÚ²Ü | 9-20 ¹. ëÏÇ½µ | ·ÛáõÕÇó 2 ÏÙ Ñë-³» | Ð |  |
|  | **2.1** |  |  | ¶»ñ»½Ù³Ýáó | 9-20 ¹. ëÏÇ½µ |  | Ð |  |
|  | **2.2** |  |  | ºÏ»Õ»óÇ |  |  | Ð |  |
| **3** |  |  |  | ¸²Ø´²ð²Ü²¸²Þî | ø.³.  10-7 ¹¹. | ·ÛáõÕÇó Ñí-³» | Ð |  |
| **4** |  |  |  | Ä²Úè²ä²îÎºðÜºð | ø.³. 3-2 Ñ³½. | §æ»ñÙ³çáõñ¦ ¥§î³ùçáõñ¦¤ í³ÛñáõÙ | Ð |  |

ՆԺԴԵՀ

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **1** | **2** | **3** | **4** | **5** | **6** | **7** | **8** | **9** |
| **1** |  |  |  | ¶ÚàôÔ²îºÔÆ Îìð²Ê | 15-20 ¹¹. | ·ÛáõÕÇó ³», ¸³ëï³Ï»ñï ù³Õ³ùÇó 2 ÏÙ Ñë-³Ù | î | Éùí»É ¿ 1940 Ã. |

òÔàôÜÆ

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **1** | **2** | **3** | **4** | **5** | **6** | **7** | **8** | **9** |
| **1** |  |  |  | ¶ÚàôÔ²îºÔÆ |  | ·ÛáõÕÇó 1 ÏÙ Ñí-³», ë³ñ³É³ÝçÇÝ | Ð | ·ÛáõÕ³ï»ÕÇ ¸³ßµ³ß, å³Ñå³Ýí»É »Ý ßÇÝáõÃÛáõÝÝ»ñÇ ³í»ñ³ÏÝ»ñ ¨ ·»ñ»½Ù³ÝÝ»ñ |
| **2** |  |  |  | ¶ÚàôÔ²îºÔÆ |  | ·ÛáõÕÇó ³Ù, ë³ñ³Ñ³ñÃÇ íñ³ | Ð | ·ÛáõÕ³ï»ÕÇ øÛ³É³ùÉÇ, å³Ñå³Ýí»É »Ý ßÇÝáõÃÛáõÝÝ»ñÇ Ñ»ïù»ñ ¨ ï³å³Ý³ù³ñ»ñ |

êä²Ü¸²ðÚ²Ü

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **1** | **2** | **3** | **4** | **5** | **6** | **7** | **8** | **9** |
| **1** |  |  |  | ²Øðàò | ø.³. 2-1 Ñ³½. | ·ÛáõÕÇó 500 Ù Ñí, ì»ñÇÝ ´áñïÇ ·ÛáõÕ³ï»ÕÇÇ Ñë »½ñÇÝ, µ³ñÓáõÝùÇ íñ³ | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
| **2** |  |  |  | ²Øðàò  ø²æ²ò ´ºð¸ ¥øàâ²´ºð¸¤ | ÙÇçÝ³-¹³ñ | ·ÛáõÕÇó Ñí, ºñ¨³Ý-êÇëÇ³Ý Ë×áõÕáõó ³ç | Ð | ÏÇë³í»ñ ¿ |
| **3** |  |  |  | ¶ÚàôÔ²îºÔÆ  ÜºðøÆÜ ´àðîÆ | 15-17 ¹¹. | ·ÛáõÕÇó 1 ÏÙ Ñí-³», àñáï³ÝÇ ÏÇñ×áõÙ | Ð | ³ÛÉ ³Ýí³ÝáõÙ` ê³ÛßÇí³Ý, ³í»ñí³Í ¿ |
| **4** |  |  |  | ¶ÚàôÔ²îºÔÆ  ìºðÆÜ ´àðîÆ | 5-19 ¹¹. | ·ÛáõÕÇó 500 Ù Ñí, àñáï³ÝÇ Ó³Ë ³÷ÇÝ | Ð | ³ÛÉ ³Ýí³ÝáõÙ` ì»ñ¹ÇÏ, Ø»ÉÇùÉ³ñ,  ³í»ñí³Í ¿ |
|  | **4.1** |  |  | ´Ý³Ï»ÉÇ ïáõÝ  §Ø»ÉÇùÇ ïáõÝ¦ | 18 ¹. |  | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
|  | **4.2** |  |  | ´Ý³Ï»ÉÇ ù³ñ³Ûñ | 14-18 ¹¹. | ·ÛáõÕ³ï»ÕÇÇ Ñë »½ñÇÝ | Ð | ÙÇ³ëñ³Ñ ¿ |
|  | **4.3** |  |  | ´Ý³Ï»ÉÇ ù³ñ³Ûñ | 14-18 ¹¹. | ·ÛáõÕ³ï»ÕÇÇ Ñë »½ñÇÝ | Ð | ÙÇ³ëñ³Ñ ¿ |
|  | **4.4** |  |  | ºÏ»Õ»óÇ | 5 ¹. | ·ÛáõÕ³ï»ÕÇÇ ³» Ù³ëáõÙ, ë³ñ³­É³ÝçÇÝ | Ð | ÙÇ³Ý³í ÏÇë³­í»ñ ëñ³Ñ ¿ |
|  |  | **4.4.1** |  | ¶»ñ»½Ù³Ýáó | 10-14 ¹¹. | »Ï»Õ»óáõ ßáõñçÁ | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
|  |  |  | **4.4.**  **1.1** | Ê³ãù³ñ | 11 ¹. |  | Ð |  |
|  |  |  | **4.4.**  **1.2** | Ê³ãù³ñ | 12 ¹. |  | Ð | ÁÝÏ³Í ¿ |
|  |  |  | **4.4.**  **1.3** | î³å³Ý³ù³ñ | 1329 Ã. |  | Ð | ûñáñáó³Ó¨ ¿, áñëÇ ï»ë³ñ³­Ýáí |
|  | **4.5** |  |  | Ä³Ûé³Ë³ã | 15-16 ¹¹. | ·ÛáõÕ³ï»ÕÇáõÙ, ³Õ­µÛáõñ ï³ÝáÕ ×³Ý³­å³ñÑÇÝ | Ð |  |
|  | **4.6** |  |  | Ä³Ûé³Ë³ã | 15-16 ¹¹. | ·ÛáõÕ³ï»ÕÇÇ ³» »½ñÇÝ | Ð |  |
|  | **4.7** |  |  | Ê³ãù³ñ | 14-15 ¹¹. | ·ÛáõÕ³ï»ÕÇÇ Ñë-³» »½ñÇÝ | Ð |  |
|  | **4.8** |  |  | ÒÇÃÑ³Ý | 17 ¹. | ·ÛáõÕ³ï»ÕÇÇ Ñë »½ñÇÝ | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
|  | **4.9** |  |  | æñ³Õ³ó | 18 ¹. | ·ÛáõÕ³ï»ÕÇÇ ³Ù »½ñÇÝ | Ð | å³Ñå³Ýí»É »Ý ÑÇÙÝ³å³ï»ñÁ |
|  | **4.10** |  |  | æñ³Õ³ó | 18 ¹. | ·ÛáõÕ³ï»ÕÇÇ ³Ù »½ñÇÝ, Ý³Ëáñ¹Çó 50 Ù Ñí | Ð | å³Ñå³Ýí»É ¿ Ñí å³ïÁ |
|  | **4.11** |  |  | æñ³Õ³ó | 18 ¹. | ·ÛáõÕ³ï»ÕÇÇ ³Ù »½ñÇÝ, Ý³Ëáñ¹Ç ¹ÇÙ³ó | Ð | å³Ñå³Ýí»É »Ý ³Ù ¨ Ù³ë³Ùµ` Ñí å³­ï»ñÁ |
|  | **4.12** |  |  | ø³ñ³Ûñ  Ö·Ý³íáñÇ ³Ûñ | 17-18 ¹¹. | ·ÛáõÕ³ï»ÕÇáõÙ, ÑÛáõëÇë³Ñ³Û³ó Å³ÛéÇ Ù»ç | Ð | ÙÇ³ëñ³Ñ ¿ |
| **5** |  |  |  | ¸²Ø´²ð²Ü²¸²Þî | ø.³. 1 Ñ³½. | ·ÛáõÕÇ Ñë »½ñÇÝ | Ð |  |
| **6** |  |  |  | Ê²âø²ð | 9-10 ¹¹. | ·ÛáõÕÇ Ñí »½ñÇÝ, ·ÛáõÕ³å»ï³ñ³ÝÇ Ùáï | Ð | ï»Õ³÷áËí»É ¿ ì»ñÇÝ ´áñïÇ ·ÛáõÕ³ï»ÕÇÇó |
| **7** |  |  |  | Î²Øàôðæ | 1930 Ã. | ·ÛáõÕÇó 500 Ù ³», ·ÛáõÕ ÙïÝáÕ ÑÇÝ ×³Ý³å³ñÑÇ Ùáï | î |  |
| **8** |  |  |  | ÐàôÞ²Ô´Úàôð | 1987 Ã. | ·ÛáõÕÇ Ñí »½ñÇÝ | î |  |
| **9** |  |  |  | ÐàôÞ²Ô´Úàôðª 1937 Ã. ¼àÐºðÆÜ | 1983 Ã. | ·ÛáõÕÇó 1 ÏÙ Ñí-³Ù, ÓáñáõÙ | î |  |
| **10** |  |  |  | ÐàôÞ²ðÒ²Üª ºðÎðàð¸ ²ÞÊ²ðÐ²Ø²ðîàôØ ¼àÐì²ÌÜºðÆÜ | 1979 Ã. | ·ÛáõÕÇ ³» »½ñÇÝ | î |  |

ì²Ô²îÆÜ

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **1** | **2** | **3** | **4** | **5** | **6** | **7** | **8** | **9** |
| **1** |  |  |  | ´Ü²ÎºÈÆ ø²ð²Úð | áõß ÙÇç-Ý³¹³ñ | ·ÛáõÕÇó 3 ÏÙ Ñë, ¼áñ½áñ ·»ïÇ µ³ñÓñ³¹Çñ Ó³Ë ³÷ÇÝ | î |  |
| **2** |  |  |  | ´Ü²ÎºÈÆ ø²ð²Úðºð | áõß ÙÇç-Ý³¹³ñ | ·ÛáõÕÇó Ñí-³», ÓáñáõÙ | î | Ùáï 30 ³Ûñ»ñ »Ý, û·ï³·áñÍ­í»É »Ý áñå»ë ³­å³ëï³ñ³ÝÝ»ñ |
| **3** |  |  |  | ´Ü²ÎºÈÆ ø²ð²Úðºð | áõß ÙÇç-Ý³¹³ñ | ·ÛáõÕÇó 1.5 ÏÙ Ñë, ¼áñ½áñ ·»ïÇ Ó³Ë³÷ÝÛ³ÏáõÙ | î | 2 ù³ñ³Ûñ |
| **4** |  |  |  | Ê²âø²ð | 1283 Ã. | ·ÛáõÕÇ Ù»ç,  Ð. ²í»ïÇëÛ³ÝÇ ï³Ý å³ïÇÝ ³·áõóí³Í | Ð |  |
| **5** |  |  |  | ì²Ü²Î²Ü Ð²Ø²ÈÆð àðàîÜ²ì²Üø | 10-11 ¹¹. | ·ÛáõÕÇó 2 ÏÙ Ñí, àñáï³ÝÇ ÏÇñ×Ç »½ñÇÝ | Ð | ·áñÍ»É ¿ ÙÇÝã¨ 20 ¹. ëÏÇ½µÁ |
|  | **5.1** |  |  | ¶³íÇÃ | 11 ¹. ëÏÇ½µ | ÏÇó ¿ êµ. êï»÷³Ýáë »Ï»Õ»óáõÝ ³Ù-Çó | Ð | Ï³é.` êÛáõÝÛ³ó Þ³Ñ³Ý¹áõËï Ã³·áõÑÇ |
|  |  | **5.1.1** |  | Ê³ãù³ñª Ø³ñ·³ñ» ù³Ñ³Ý³ÛÇ | 1389 Ã. | ·³íÃáõÙ, ³» å³ïÇ Ùáï | Ð |  |
|  | **5.2** |  |  | ¶»ñ»½Ù³Ýáó | í³Õ ÙÇçÝ³-¹³ñ- 20 ¹. | í³ÝùÇ å³ñëå³÷³Ï µ³ÏáõÙ | Ð |  |
|  |  | **5.2.1** |  | Ê³ãù³ñ | 10 ¹. | êµ. Î³ñ³å»ï »Ï»Õ»­óáõ ³» å³ïÇ Ùáï | Ð | ï»Õ³Ñ³Ýí³Í ¿ |
|  |  | **5.2.2** |  | Ê³ãù³ñ | 10-11 ¹¹. | êµ. Î³ñ³å»ï »Ï»Õ»­óáõó Ùáï 10 Ù ³» | Ð | »ñÏ³ïí³Í ¿ |
|  |  | **5.2.3** |  | Ê³ãù³ñ | 11 ¹. | ·»ñ»½Ù³ÝáóÇ Ñí-³» »½ñÇÝ | Ð | ³ñÓ³Ý³·Çñ í»ñÇÝ Ï»ë |
|  |  | **5.2.4** |  | Ê³ãù³ñ | 11-12 ¹¹. | ·»ñ»½Ù³ÝáóáõÙ | Ð | ÁÝÏ³Í ¿, í»ñÇÝ »½ñÁ` Ïáïñí³Í |
|  |  | **5.2.5** |  | Ê³ãù³ñ | 12 ¹. | êµ. êï»÷³Ýáë »Ï»­Õ»­óáõÝ ÏÇó ëñ³ÑÇ Ñí å³ïÇ Ùáï | Ð | ï»Õ³Ñ³Ýí³Í ¿ |
|  |  | **5.2.6** |  | Ê³ãù³ñ | 12-13 ¹¹. | ·»ñ»½Ù³ÝáóáõÙ | Ð | ÁÝÏ³Í ¿ |
|  |  | **5.2.7** |  | Ê³ãù³ñ | 12-13 ¹¹. | ·»ñ»½Ù³ÝáóÇ Ñí-³» Ù³ëáõÙ | Ð | ³ñÓ³Ý³·Çñ ¿, í»ñÝ³Ù³ëÁ` Ïáïñí³Í |
|  |  | **5.2.8** |  | Ê³ãù³ñ | 12-13 ¹¹. | êµ. Î³ñ³å»ï »Ï»­Õ»­óáõó Ùáï 15 Ù ³» | Ð | ÁÝÏ³Í ¿, áõÝÇ ËÇëï íÝ³ëí³Í ³ñÓ³Ý³·ñáõ­ÃÛáõÝ |
|  |  | **5.2.9** |  | Ê³ãù³ñ | 12-13 ¹¹. | ·»ñ»½Ù³ÝáóáõÙ | Ð | ³ñÓ³Ý³·Çñ µ»Ïáñ |
|  |  | **5.2.10** |  | Ê³ãù³ñ | 12-13 ¹¹. | ·»ñ»½Ù³ÝáóáõÙ | Ð | ³ñÓ³Ý³·Çñ ëïáñÇÝ Ï»ë |
|  |  | **5.2.11** |  | Ê³ãù³ñ | 14-15 ¹¹. | ·»ñ»½Ù³ÝáóáõÙ | Ð | ³ñÓ³Ý³·Çñ ëïáñÇÝ Ï»ë |
|  |  | **5.2.12** |  | Ê³ãù³ñ | 14-15 ¹¹. | êµ. ¶ñÇ·áñ Èáõë³íáñÇã »Ï»Õ»óáõó Ñí | Ð | ³ñÓ³Ý³·Çñ ëïáñÇÝ µ»Ïáñ |
|  |  | **5.2.13** |  | Ê³ãù³ñ | 14-15 ¹¹. | êµ. êï»÷³Ýáë »Ï»Õ»­óáõÝ ÏÇó ëñ³ÑÇ Ñí å³ïÇ Ùáï | Ð | ³ñÓ³Ý³·Çñ í»ñÇÝ Ï»ë |
|  |  | **5.2.14** |  | Ê³ãù³ñ | 14-15 ¹¹. | êµ. êï»÷³Ýáë »Ï»Õ»­óáõÝ ÏÇó ëñ³ÑÇ Ñí å³ïÇ Ùáï | Ð | ³ñÓ³Ý³·Çñ ¿, ï»Õ³Ñ³Ýí³Í |
|  |  | **5.2.15** |  | Ê³ãù³ñ | 14-15 ¹¹. | êµ. Î³ñ³å»ï »Ï»­Õ»­óáõÝ ÏÇó ëñ³ÑÇó Ñí | Ð | í»ñÇÝ Ï»ë |
|  |  | **5.2.16** |  | Ê³ãù³ñ | 1413 Ã. | êµ. êï»÷³Ýáë »Ï»Õ»­óáõÝ ÏÇó ëñ³ÑÇ Ñí å³ïÇ Ùáï | Ð | ³ñÓ³Ý³·Çñ ¿, ï»Õ³Ñ³Ýí³Í |
|  |  | **5.2.17** |  | Ê³ãù³ñ | 1476 Ã. | êµ. êï»÷³Ýáë »Ï»Õ»­óáõÝ ÏÇó ëñ³ÑÇ Ñí å³ïÇ Ùáï | Ð | ï»Õ³Ñ³Ýí³Í ¿ |
|  |  | **5.2.18** |  | Ê³ãù³ñ | 15-16 ¹¹. | ·»ñ»½Ù³ÝáóÇ Ñí-³Ù »½ñÇÝ | Ð | ³ñÓ³Ý³·Çñ ¿, ÁÝÏ³Í |
|  |  | **5.2.19** |  | Ê³ãù³ñ | 15-16 ¹¹. | êµ. êï»÷³Ýáë »Ï»Õ»­óáõÝ ÏÇó ëñ³ÑÇ Ñí å³ïÇ Ùáï | Ð | ³ñÓ³Ý³·Çñ ¿ |
|  |  | **5.2.20** |  | Ê³ãù³ñ | 16 ¹. | êµ. êï»÷³Ýáë »Ï»Õ»­óáõÝ ÏÇó ëñ³ÑÇ Ñí å³ïÇ Ùáï | Ð | ï»Õ³Ñ³Ýí³Í ¿ |
|  |  | **5.2.21** |  | Ê³ãù³ñ | 16 ¹. | êµ. Î³ñ³å»ï »Ï»Õ»­óáõó Ñí | Ð | í»ñÇÝ Ï»ë |
|  |  | **5.2.22** |  | Ê³ãù³ñ | 16 ¹. | êµ. Î³ñ³å»ï »Ï»Õ»­óáõó Ñí | Ð | ÁÝÏ³Í ¿, ëïá­ñÇÝ »½ñÁ` Ïáïñí³Í |
|  |  | **5.2.23** |  | Ê³ãù³ñª ²ë³ëÇ | 1419 Ã. | ·»ñ»½Ù³ÝáóÇ ³» »½ñÇÝ | Ð | ÁÝÏ³Í ¿ |
|  |  | **5.2.24** |  | Ê³ãù³ñª ÜÇñÙ»ÉÇùÇ | 1507 Ã. | êµ. êï»÷³Ýáë »Ï»Õ»­óáõÝ ÏÇó ëñ³ÑÇ Ñí å³ïÇ Ùáï | Ð | ³ñÓ³Ý³·Çñ ¿, »ñÏ³ïí³Í |
|  |  | **5.2.25** |  | Ê³ãù³ñª ö³ß³ÛÇ | 1407 Ã. |  | Ð |  |
|  |  | **5.2.26** |  | ÎáÃáÕ | 11 ¹. | êµ. Î³ñ³å»ï »Ï»Õ»­óáõ Ñí å³ïÇ Ùáï | Ð |  |
|  |  | **5.2.27** |  | î³å³Ý³ù³ñ | 16-17 ¹¹. | ·»ñ»½Ù³ÝáóÇ ³Ù »½ñÇÝ | Ð | µ³ñÓñ ¿, ûÓ³­ÏéíÇ ï»ë³­ñ³­Ýáí |
|  |  | **5.2.28** |  | î³å³Ý³ù³ñ | 16-17 ¹¹. |  | Ð | Ï³½­ÙáÕ` Ô³ñï³ß |
|  |  | **5.2.29** |  | î³å³Ý³ù³ñ | 16-17 ¹¹. |  | Ð | ³ñÓ³Ý³·Çñ ¿, ûñáñáó³Ó¨, ÷áùñ, Ï»Ýó³­Õ³ÛÇÝ ï»ë³­ñ³­Ýáí |
|  |  | **5.2.30** |  | î³å³Ý³ù³ñ | 16-17 ¹¹. |  | Ð | ËáÛ³Ó¨ ¿, ·ÁÉ­Ë³­Ù³ëÁ` Ïáïñí³Í |
|  |  | **5.2.31** |  | î³å³Ý³ù³ñ | 16-17 ¹¹. |  | Ð | µ³ñÓñ ¿, ù³Ý¹³Ï³½³ñ¹ |
|  |  | **5.2.32** |  | î³å³Ý³ù³ñ | 1606 Ã. |  | Ð | ûñáñáó³Ó¨ ¿, Ï»Ýó³Õ³ÛÇÝ ù³Ý¹³ÏÝ»ñáí, ç³ñ¹áïí³Í |
|  |  | **5.2.33** |  | î³å³Ý³ù³ñª ¶³ëå³ñÇ | 1577 Ã. | êµ. ¶ñÇ·áñ Èáõë³íáñÇã »Ï»Õ»óáõó Ñí-³Ù | Ð | Ï»Ýó³Õ³ÛÇÝ ù³Ý¹³ÏÝ»ñáí |
|  |  | **5.2.34** |  | î³å³Ý³ù³ñª Îáëï³Ý¹ÇÝ ù³Ñ³Ý³ÛÇ | 16-17 ¹¹. |  | Ð | Ñ³ñÃ |
|  |  | **5.2.35** |  | î³å³Ý³ù³ñª Ð³Ûñ³å»ï ÷³Ï³Ï³ÉÇ | 1423 Ã. |  | Ð | Ñ³ñÃ |
|  | **5.3** |  |  | ºÏ»Õ»óÇ êµ. ¶ñÇ·áñ Èáõë³íáñÇã | 10 ¹. | Ñ³Ù³ÉÇñÇ Ï»ÝïñáÝáõÙ | Ð |  |
|  |  | **5.3.1** |  | Ê³ãù³ñ | 15 ¹. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ ³Ù ×³Ï³ïÇÝ | Ð | å³ñ½áõÝ³Ï |
|  |  | **5.3.2** |  | î³å³Ý³ù³ñ | 15-16 ¹¹. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ  Ñí ×³Ï³ïÇÝ | Ð | ù³Ý¹³Ï³½³ñ¹ |
|  |  | **5.3.3** |  | î³å³Ý³ù³ñ | 15-16 ¹¹. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ Ñí ×³Ï³ïÇÝ | Ð | ³ñÓ³Ý³·Çñ ¿, ³éÛáõÍÇ ¨ óÉÇ ÏéíÇ ï»ë³­ñ³Ýáí |
|  | **5.4** |  |  | ºÏ»Õ»óÇ êµ. Î³ñ³å»ï | 1006 Ã. | Ñ³Ù³ÉÇñÇ ³» Ù³ëáõÙ | Ð | Ï³é.` ê¨³¹³ ÇßË³Ý.  Ï»Ýïñá­­Ý³·Ùµ»Ã, Ý»ñ­ëáõÙ å³Ñ­å³Ý­í»É »Ý áñÙÝ³­ÝÏ³ñ­Ý»ñÇ ÙÝ³óáñ¹­Ý»ñ |
|  |  | **5.4.1** |  | Ê³ãù³ñ | 11 ¹. | »Ï»Õ»óáõ Ëáñ³ÝáõÙ | Ð |  |
|  |  |  |  | ºÏ»Õ»óÇ êµ. êï»÷³Ýáë | 1000 Ã. |  | Ð | ÙÇ³Ý³í, Ã³Õ³­Í³ÍÏ ëñ³Ñ, Ï³é.` Þ³Ñ³Ý­¹áõËï Ã³·áõ­ÑÇ |
|  | **5.6** |  |  | ÐÛáõñ³ïáõÝ | 14 ¹. | ÏÇó ¿ ·³íÃÇÝ ³»-Çó | Ð |  |
|  |  | **5.6.1** |  | Ê³ãù³ñ | 10-11 ¹¹. | ³·áõóí³Í ¿ ÑÛáõñ³­ï³Ý Ñë ×³Ï³ïÇÝ | Ð |  |
|  |  | **5.6.2** |  | Ê³ãù³ñ | 1226 Ã. | ÑÛáõñ³ï³Ý Ñí å³ïÇ Ùáï | Ð |  |
|  | **5.7** |  |  | ÞÇÝáõÃÛáõÝÝ»ñª ûÅ³Ý¹³Ï | 11 ¹. | Ñ³Ù³ÉÇñÇ ³Ù ÏáÕÙáõÙ | Ð | Ï³é.` Þ³Ñ³Ý­¹áõËï Ã³·áõ­ÑÇ |
|  |  | **5.7.1** |  | Ê³ãù³ñ | 9-10 ¹¹. | ÁÝÏ³Í ¿ ßÇÝáõÃÛáõÝ­Ý»ñÇó Ù»ÏÇ Ù»ç | Ð |  |
|  | **5.8** |  |  | ä³ñÇëå | 11 ¹. ëÏÇ½µ | í³ÝùÇ ³», Ñí ¨ ³Ù ÏáÕÙ»ñáõÙ | Ð | Ï³é.` Þ³Ñ³Ý-¹áõËï Ã³·áõÑÇ |
|  | **5.9** |  |  | êñ³Ñ | 11 ¹. | ÏÇó ¿ êµ. Î³ñ³å»ï »Ï»Õ»­óáõÝ ³Ù-Çó | Ð | Ï³Ù³ñ³Ï³å, Ï³é.` ê¨³¹³ ÇßË³Ý |
|  |  | **5.9.1** |  | Ê³ãù³ñ | 10-11 ¹¹. | ³·áõóí³Í ¿ ëñ³ÑÇ ³» å³ïÇÝ, Ý»ñùáõëï | Ð |  |
|  |  | **5.9.2** |  | Ê³ãù³ñª ²ÉÙ³×³ÝÇ | 16-17 ¹¹. | ëñ³ÑáõÙ | Ð | »é³ïí³Í ¿ |
|  | **5.10** |  |  | êñ³Ñ | 11 ¹. | ÏÇó ¿ êµ. êï»÷³Ýáë »Ï»­Õ»óáõÝ ¨ ·³íÃÇÝ Ñí-Çó | Ð |  |
|  |  | **5.10.1** |  | Ê³ãù³ñ | 10 ¹. | ëñ³ÑáõÙ, ³» å³ïÇ Ùáï | Ð | ³ñÓ³Ý³·Çñ ëïáñÇÝ Ï»ë |
|  |  | **5.10.2** |  | Ê³ãù³ñª ²éáõëï³ÙÇ ¥Àéëï³ÙÇ¤ | 1501 Ã. | ëñ³ÑáõÙ, ³» å³ïÇ Ùáï | Ð |  |
|  |  | **5.10.3** |  | Ê³ãù³ñª å³ñáÝ ´áõñÃ»ÉÇ | 1407 Ã. | ëñ³ÑáõÙ, ³» å³ïÇ Ùáï | Ð | å³ïí³Ý¹³ÝÇ íñ³ |
| **6** |  |  |  | î²ä²Ü²ø²ð | 1657 Ã. | ·ÛáõÕÇ Ù»ç, ². ´³Õ¹³­ë³ñÛ³ÝÇ ïÝ³Ù»ñÓ ÑáÕ³Ù³ëáõÙ | Ð | ûñáñáó³Ó¨ ¿, Ï»Ýó³Õ³ÛÇÝ ï»ë³ñ³Ýáí |

îàÈàðê

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **1** | **2** | **3** | | **4** | **5** | **6** | **7** | **8** | **9** |
| **1** |  |  | |  | ¶ºðº¼Ø²Üàò | 16-20 ¹¹. | ·ÛáõÕÇ ³Ù »½ñÇÝ, çñ³Ùµ³ñÇ Ùáï | Ð |  |
|  | **1.1** |  | |  | ²ñÓ³Ý³·Çñ ù³ñ | 1861 Ã. |  | Ð | çñ³Ùµ³ñÇ ï³Ï ÙÝ³ó³Í ·ÛáõÕÇ »Ï»Õ»­óáõ Ùáõï­ùÇ ×³Ï³­ï³­Ï³É ù³ñÝ ¿ |
|  | **1.2** |  | |  | Ê³ãù³ñ | 1501 Ã. |  | Ð |  |
|  | **1.3** |  | |  | Ê³ãù³ñ | 1549 Ã. |  | Ð |  |
|  | **1.4** |  | |  | Ê³ãù³ñ | 1554 Ã. |  | Ð |  |
|  | **1.5** |  | |  | Ê³ãù³ñ | 1580 Ã. |  | Ð |  |
|  | **1.6** |  | |  | Ê³ãù³ñ | 16 ¹. |  | Ð |  |
|  | **1.7** |  | |  | Ê³ãù³ñ | 16 ¹. |  | Ð |  |
|  | **1.8** |  | |  | Ê³ãù³ñ | 16 ¹. |  | Ð | ³ñÓ³Ý³·Çñ |
|  | **1.9** |  | |  | Ê³ãù³ñ | 16 ¹. |  | Ð |  |
|  | **1.10** |  | |  | Ê³ãù³ñ | 16 ¹. |  | Ð | ëïáñÇÝ Ï»ë,  ·ÉËÇí³Ûñ Ëñ­í³Í ¿ ÑáÕÇ Ù»ç, å³ïíÇñ³ïáõ` ä³ñÇ»ù |
|  | **1.11** |  | |  | Ê³ãù³ñ | 1653 Ã. |  | Ð |  |
|  | **1.12** |  | |  | Ê³ãù³ñ | 17 ¹. |  | Ð |  |
|  | **1.13** |  | |  | Ê³ãù³ñª ´»ÏÇ | 16 ¹. |  | Ð |  |
|  | **1.14** |  | |  | Ê³ãù³ñª ÔáõÝÇÇ ¨ ö³ñÇË³ÝÇ | 16 ¹. |  | Ð |  |
|  | **1.15** |  | |  | î³å³Ý³ù³ñ | 16-17 ¹¹. |  | Ð | ë»Õ³Ý³Ó¨ ¿,  ËÝ­çáõÛùÇ ¨ áñëÇ ï»ë³­ñ³Ý­áí, ï»Õ³­÷á­Ë»É »Ý çñ³Ù­µ³­ñÇ ï³Ï ÙÝ³­ó³Í »Ï»Õ»­óáõó |
|  | **1.16** |  | |  | î³å³Ý³ù³ñ | 1651 Ã. |  | Ð | ûñáñáó³Ó¨ ¿, Ï»Ýó³Õ³ÛÇÝ ï»ë³ñ³Ýáí |
|  | **1.17** |  | |  | î³å³Ý³ù³ñ | 1652 Ã. |  | Ð | Ï»Ýó³Õ³ÛÇÝ ï»ë³ñ³Ýáí |
|  | **1.18** |  | |  | î³å³Ý³ù³ñª ²í»ïÇëÇ | 1652 Ã. |  | Ð | Ï³½­ÙáÕ` ¸³íáõÃ |
|  | **1.19** |  | |  | î³å³Ý³ù³ñª ¶áñ·Ç | 1602 Ã. |  | Ð | ûñáñáó³Ó¨ ¿, ù³Ý¹³Ï³½³ñ¹ |
|  | **1.20** |  | |  | î³å³Ý³ù³ñª ÎáõÉ³åÇ | 1633 Ã. |  | Ð | µ³ñÓñ ¿, Ë³ã³½³ñ¹ |
|  | **1.21** |  |  | | î³å³Ý³ù³ñª Ø»ÉÇù ë³ñÏ³í³·Ç | 1607 Ã. |  | Ð | µ³ñÓñ ¿, ù³Ý¹³Ï³½³ñ¹ |
|  | **1.22** |  |  | | î³å³Ý³ù³ñª ØÇÝ³ëÇ | 1592 Ã. |  | Ð | ûñáñáó³Ó¨ ¿, ËÝçáõÛùÇ ï»ë³ñ³Ýáí |
|  | **1.23** |  |  | | î³å³Ý³ù³ñª ì³ñ¹³Ý»ëÇ | 1580 Ã. |  | Ð | µ³ñÓñ ¿, í³ñ áõ ó³ÝùÇ ï»ë³ñ³Ýáí |
|  | **1.24** |  |  | | î³å³Ý³ù³ñª àõÉÝáõË³ÝÇ | 1583 Ã. |  | Ð | µ³ñÓñ ¿, ù³Ý­¹³Ï³½³ñ¹ |
|  | **1.25** |  |  | | î³å³Ý³ù³ñª öÇñÇµ»ÏÇ | 1592 Ã. |  | Ð | µ³ñÓñ ¿, ËÝçáõÛ­­ùÇ ï»ë³­ñ³Ýáí |
| **2** |  |  |  | | ÐàôÞ²ðÒ²Üª ºðÎðàð¸ ²ÞÊ²ðÐ²Ø²ðîàôØ ¼àÐì²ÌÜºðÆÜ | 1972 Ã. | ·ÛáõÕÇ Ñë »½ñÇÝ | î | í³ñå»ï`  Ê. ¶ñÇ·áñÛ³Ý |

îàðàôÜÆø

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **1** | **2** | **3** | **4** | **5** | **6** | **7** | **8** | **9** |
| **1** |  |  |  | ¸²Ø´²ð²Ü²¸²Þî | 1-2 ¹¹. | îáñáõÝÇù-¸³ëï³Ï»ñï ×³Ý³å³ñÑÇó ³» | Ð |  |

àôÚÌ

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **1** | | **2** | | **3** | | **4** | **5** | | **6** | **7** | **8** | **9** |
| **1** | |  | |  | |  | ²Øðàò | | ø.³. 3 Ñ³½. í»ñç-1 Ñ³½.1-ÇÝ Ï»ë, ÙÇç-Ý³¹³ñ | ·ÛáõÕÇó 1 ÏÙ Ñë-³», ¶ÇÅ ·»ïÇ ³ç ³÷ÇÝ, 6-Çó ³í»ÉÇ µÉáõñÝ»ñÇ íñ³ | Ð | ³Ùñáó ê³Ý·Û³é,  ½µ³Õ»óÝáõÙ ¿ Ùáï 70 Ñ³ ï³ñ³Íù |
|  | | **1.1** | |  | |  | ´Ý³Ï³ï»ÕÇ | | ø.³. 3 Ñ³½. í»ñç-1 Ñ³½.1-ÇÝ Ï»ë, ÙÇç-Ý³¹³ñ |  | Ð |  |
|  | | **1.2** | |  | |  | ¸³Ùµ³ñ³Ý³¹³ßï | | ø.³. 3 Ñ³½. í»ñç-1 Ñ³½. Ï»ë | µÝ³Ï³ï»ÕÇÇ ï³ñ³Í­ùáõÙ ¨ å³ñÇëåÝ»ñÇó ¹áõñë | Ð | å³ñµ»ñ³µ³ñ ³í»ñíáõÙ ¿ ·³Ý­­­Ó³ËáõÛ½Ý»­ñÇ ÏáÕÙÇó |
| **2** | |  | |  | |  | ²Øðàò | | ÙÇçÝ³¹³ñ | ·ÛáõÕÇ Ñë »½ñÇÝ, µÉñÇ ·³·³ÃÇÝ | Ð | ³í»ñí³Í ¿ |
|  | | **2.1** | |  | |  | ¶»ñ»½Ù³Ýáó | | 16-20 ¹¹. | ³ÙñáóÇ ï³ñ³ÍùáõÙ | Ð | ï³ñ³ÍùáõÙ ÝÏ³-ï»ÉÇ »Ý ßÇÝáõ-ÃÛ³Ý, Ñ³í³Ý³-µ³ñ` »Ï»Õ»óáõ, ÙÝ³óáñ¹Ý»ñ |
|  | |  | | **2.1.1** | |  | î³å³Ý³ù³ñ | | 16-17 ¹¹. |  | Ð | µ³ñÓñ |
|  | |  | | **2.1.2** | |  | î³å³Ý³ù³ñ | | 16-17 ¹¹. |  | Ð | ûñáñáó³Ó¨ ¿, áñ­ëÇ ¨ ËÝçáõÛ­ùÇ ï»ë³ñ³Ýáí |
|  | |  | | **2.1.3** | |  | î³å³Ý³ù³ñ | | 16-17 ¹¹. |  | Ð | µ³ñÓñ ¿, ËÝçáõÛùÇ ï»ë³ñ³Ýáí |
|  | |  | | **2.1.4** | |  | î³å³Ý³ù³ñ | | 16-17 ¹¹. |  | Ð | ë»Õ³Ý³Ó¨ ¿, áñ­ëÇ ¨ ËÝçáõÛùÇ ï»ë³ñ³Ýáí |
|  | |  | | **2.1.5** | |  | î³å³Ý³ù³ñ | | 16-17 ¹¹. |  | Ð | µ³ñÓñ ¿, áñëÇ ï»ë³ñ³Ýáí |
|  | |  | | **2.1.6** | |  | î³å³Ý³ù³ñ | | 1623 Ã. |  | Ð | ë»Õ³Ý³Ó¨ |
|  | |  | | **2.1.7** | |  | î³å³Ý³ù³ñ | | 1660 Ã. |  | Ð | ë»Õ³Ý³Ó¨ |
|  | |  | | **2.1.8** | |  | î³å³Ý³ù³ñª ²¹Çµ»ÏÇ | | 1605 Ã. |  | Ð | ËÝçáõÛ­ùÇ ï»ë³-ñ³­Ýáí, Ï³½ÙáÕ` Ê³ñ³Ý½»ë |
|  | |  | | **2.1.9** | |  | î³å³Ý³ù³ñª ²å³ñ½³ñÇ | | 1645 Ã. |  | Ð | Ñ³ñÃ |
|  | |  | | **2.1.10** | |  | î³å³Ý³ù³ñª ²íÇÇ | | 16 ¹. |  | Ð | áñëÇ ¨ ËÝçáõÛ­ùÇ ï»­ë³­ñ³Ýáí, Ï³½­ÙáÕ` ´³Ëß³ÛÇß |
|  | |  | | **2.1.11** | |  | î³å³Ý³ù³ñª ¶³ÝçÇÇ | | 1577 Ã. |  | Ð | Ï»Ýó³­Õ³ÛÇÝ ï»ë³ñ³­Ýáí |
|  | |  | | **2.1.12** | |  | î³å³Ý³ù³ñª ¾í³½Ç | | 1660 Ã. |  | Ð | ËÝçáõÛ­ùÇ ï»ë³ñ³Ýáí |
|  | |  | | **2.1.13** | |  | î³å³Ý³ù³ñª ÐáíÑ³ÝÝ»ëÇ | | 1712 Ã. |  | Ð | ËÝçáõÛ­ùÇ ï»ë³ñ³Ýáí |
|  | |  | | **2.1.14** | |  | î³å³Ý³ù³ñª Ô³ñ³ÙÇ | | 1581 Ã. |  | Ð | µ³ñÓñ ¿, í³ñ áõ ó³ÝùÇ ï»ë³­ñ³­Ýáí |
|  | | **2.2** | |  | |  | ºÏ»Õ»óÇ | | áõß ÙÇç-Ý³¹³ñ |  | Ð | å³Ñå³Ýí»É ¿ Ëáñ³ÝÁ` Ùáï 1 Ù µ³ñÓñáõ­ÃÛ³Ùµ |
| **3** | |  | |  | |  | ´Ü²ÎºÈÆ ø²ð²Úð | | áõß ÙÇç­Ý³¹³ñ | ·ÛáõÕÇ ³» »½ñÇÝ, ²Ý³å³ï ·ÛáõÕ³ï»ÕÇ ï³ÝáÕ ×³Ý³å³ñÑÇó Ó³Ë | Ð | »ñÏëñ³Ñ |
| **4** | |  | |  | |  | ´Ü²ÎºÈÆ ø²ð²Úð | | áõß ÙÇç­Ý³¹³ñ | ·ÛáõÕÇ ³» »½ñÇÝ | Ð | ÙÇ³ëñ³Ñ |
| **5** | |  | |  | |  | ¶ºðº¼Ø²Üàò | | áõß ÙÇç-Ý³¹³ñ-  20 ¹. | ·ÛáõÕÇ ³» »½ñÇÝ | Ð |  |
|  | | **5.1** | |  | |  | Ê³ãù³ñ | | 16 ¹. |  | Ð |  |
|  | | **5.2** | |  | |  | Ê³ãù³ñ | | 16 ¹. |  | Ð | ÁÝÏ³Í ¿ |
|  | | **5.3** | |  | |  | Ê³ãù³ñ | | 16 ¹. |  | Ð | ³ñÓ³Ý³·Çñ ¿, ÁÝÏ³Í |
|  | | **5.4** | |  | |  | î³å³Ý³ù³ñ | | 1550 Ã. |  | Ð | ûñáñáó³Ó¨ ¿, Ï»Ýó³Õ³ÛÇÝ ï»ë³ñ³Ýáí |
|  | | **5.5** | |  | |  | î³å³Ý³ù³ñ | | 16-17 ¹¹. |  | Ð | ë»Õ³Ý³Ó¨ ¿, óÉÇ ¨ ³éÛáõÍÇ ÏéíÇ ï»ë³ñ³­Ýáí |
|  | | **5.6** | |  | |  | î³å³Ý³ù³ñ | | 16-17 ¹¹. |  | Ð | µ³ñÓñ ¿, Ï»Ýó³­Õ³­ÛÇÝ ï»ë³ñ³Ýáí |
|  | | **5.7** | |  | |  | î³å³Ý³ù³ñ | | 1637 Ã. |  | Ð | Ñ³ñÃ |
|  | | **5.8** | |  | |  | î³å³Ý³ù³ñ | | 1637 Ã. |  | Ð | Ñ³ñÃ |
|  | | **5.9** | |  | |  | î³å³Ý³ù³ñ | | 1654 Ã. |  | Ð | µ³ñÓñ ¿, áñëÇ ¨ ËÝçáõÛùÇ ï»ë³­ñ³­Ýáí |
|  | **5.10** | |  | |  | | | î³å³Ý³ù³ñ | 1655 Ã. |  | Ð | Ï»Ýó³Õ³ÛÇÝ ï»ë³ñ³Ýáí | |
|  | **5.11** | |  | |  | | | î³å³Ý³ù³ñª ²Ý³ÝÇ | 1657 Ã. |  | Ð | Ñ³ñÃ | |
|  | **5.12** | |  | |  | | | î³å³Ý³ù³ñª ´ÇÝ»³ÃÇ | 1668 Ã. |  | Ð | Ñ³ñÃ | |
|  | **5.13** | |  | |  | | | î³å³Ý³ù³ñª ¶áÑ³ñÇ | 1673 Ã. |  | Ð | Ñ³ñÃ | |
|  | **5.14** | |  | |  | | | î³å³Ý³ù³ñª ¼áÑñ³åÇ | 1657 Ã. |  | Ð | áñ­ëÇ ¨ ËÝçáõÛùÇ ï»ë³ñ³Ýáí | |
|  | **5.15** | |  | |  | | | î³å³Ý³ù³ñª ¾í³½Ç | 1561 Ã. |  | Ð | Ë³­ã³½³ñ¹ | |
|  | **5.16** | |  | |  | | | î³å³Ý³ù³ñª ¾ïÇÇ | 1541 Ã. |  | Ð | ûñáñáó³Ó¨ ¿, å³ïÏ»ñ³ù³Ý-¹³ÏÝ»ñáí | |
|  | **5.17** | |  | |  | | | î³å³Ý³ù³ñª Ê³ÝáõÙÇ | 1675 Ã. |  | Ð | Ñ³ñÃ | |
|  | **5.18** | |  | |  | | | î³å³Ý³ù³ñª Ê»ãáõÙÇ | 1554 Ã. |  | Ð | Ï»Ýó³­Õ³ÛÇÝ ï»ë³­ñ³­Ýáí | |
|  | **5.19** | |  | |  | | | î³å³Ý³ù³ñª Î³ñ³å»ïÇ | 1514 Ã. |  | Ð | å³ï­Ï»ñ³ù³Ý­¹³Ï­Ý»ñáí | |
|  | **5.20** | |  | |  | | | î³å³Ý³ù³ñª Ø³ñ·³ñÇ | 1657 Ã. |  | Ð | Ñ³ñÃ | |
|  | **5.21** | |  | |  | | | î³å³Ý³ù³ñª ØÇÝ³ëÇ | 1624 Ã. |  | Ð | Ñ³ñÃ | |
|  | **5.22** | |  | |  | | | î³å³Ý³ù³ñª ØÇñ³ÕÇ ¨ ¶á½³ÉÇ | 1657 Ã. |  | Ð | áñëÇ ¨ ËÝçáõÛùÇ ï»ë³ñ³Ýáí | |
|  | **5.23** | |  | |  | | | î³å³Ý³ù³ñª Ø»ÉÇùÇ | 1673 Ã. |  | Ð | Ñ³ñÃ | |
|  | **5.24** | |  | |  | | | î³å³Ý³ù³ñª ØÏñïãÇ | 1641 Ã. |  | Ð | Ñ³ñÃ | |
|  | **5.25** | |  | |  | | | î³å³Ý³ù³ñª Þ³Ñµ³½Ç | 1708 Ã. |  | Ð | áñëÇ ¨ ËÝçáõÛùÇ ï»ë³ñ³Ýáí | |
|  | **5.26** | |  | |  | | | î³å³Ý³ù³ñª ä³ÉÇ | 16-17 ¹¹. |  | Ð | Ï»Ý­ó³Õ³ÛÇÝ ï»ë³ñ³Ýáí | |
|  | **5.27** | |  | |  | | | î³å³Ý³ù³ñª ä³ß³ñ³ÃÇ | 1665 Ã. |  | Ð | Ñ³ñÃ | |
|  | **5.28** | |  | |  | | | î³å³Ý³ù³ñª ä³åÇ | 1671 Ã. |  | Ð | Ñ³ñÃ | |
|  | **5.29** | |  | |  | | | î³å³Ý³ù³ñª ê³ÉÃ³ÝÕáõÉÇ | 16 ¹. |  | Ð | ËÝçáõÛ­ùÇ ï»ë³ñ³Ýáí | |
|  | **5.30** | |  | |  | | | î³å³Ý³ù³ñª î³ÃÉáõÇ | 1671 Ã. |  | Ð | Ñ³ñÃ | |
|  | **5.31** | |  | |  | | | î³å³Ý³ù³ñª öÇñÇµ»ÏÇ | 1573 Ã. |  | Ð | Ë³ã³½³ñ¹ | |
| **6** |  | |  | |  | | | ¶ÚàôÔ²îºÔÆ ²Ü²ä²î | 13-17 ¹¹. | ·ÛáõÕÇó Ùáï 2 ÏÙ Ñë-³» | Ð | ³í»ñí³Í ¿ | |
|  | **6.1** | |  | |  | | | ¶»ñ»½Ù³Ýáó | 13-17 ¹¹. |  | Ð | ³í»ñí³Í ¿ | |
|  |  | | **6.1.1** | |  | | | Ê³ãù³ñ | 13 ¹. |  | Ð | »ñÏ³ïí³Í ¿ | |
|  |  | | **6.1.2** | |  | | | î³å³Ý³ù³ñ | 16-17 ¹¹. |  | Ð | ûñáñáó³Ó¨ ¿, áñ­ëÇ ï»ë³ñ³Ýáí | |
|  |  | | **6.1.3** | |  | | | î³å³Ý³ù³ñª Ð³ËÝ³½³ñÇ | 16-17 ¹¹. |  | Ð | µ³ñÓñ ¿, Ï»Ýó³Õ³ÛÇÝ ï»ë³ñ³Ýáí | |
| **7** |  | |  | |  | | | ¸²Ø´²ð²Ü²¸²Þî | ø.³. 2-1 Ñ³½. | ·ÛáõÕÇó Ñë-³», ²ÕÇïáõ ·ÛáõÕÇó 1.5 ÏÙ ³Ù | Ð | å³Ñå³Ýí»É ¿ 2 Ñ³ïí³Íáí | |
| **8** |  | |  | |  | | | ºÎºÔºòÆ §Âºì²ÜÆ êàôð´¦ | 5-7 ¹¹. | ·ÛáõÕÇó Ùáï 500 Ù ³», ×³Ý³å³ñÑÇ ³ç ÏáÕÙáõÙ | Ð | ³í»ñí³Í ¿ | |
| **9** |  | |  | |  | | | ºÎºÔºòÆ ê´. ¶ðÆ¶àð | 1617 Ã. | ·ÛáõÕÇ Ù»ç | Ð | ÏÇë³í»ñ ¿ | |
|  | **9.1** | |  | |  | | | ¶»ñ»½Ù³Ýáó | áõß ÙÇç-Ý³¹³ñ | »Ï»Õ»óáõ Ùáï | Ð | ³í»ñí»É ¿ Ï³­éáõó³å³ïÙ³Ý Ñ»ï¨³Ýùáí | |
|  |  | | **9.1.1** | |  | | | Ê³ãù³ñ | 1527 Ã. |  | Ð | ï»Õ³Ñ³Ýí³Í ¿ | |
|  |  | | **9.1.2** | |  | | | î³å³Ý³ù³ñ | 16-17 ¹¹. |  | Ð | ï»Õ³Ñ³Ý­í³Í ¿, ûñáñáó³Ó¨, áñ­ëÇ ¨ ËÝçáõÛ­ùÇ ï»ë³ñ³­Ýáí | |
|  |  | | **9.1.3** | |  | | | î³å³Ý³ù³ñª êï»÷³ÝáëÇ | 16-17 ¹¹. |  | Ð | µ³ñÓñ ¿, å³ïÏ»ñ³ù³Ý-¹³ÏÝ»ñáí | |
|  | **9.2** | |  | |  | | | Ê³ãù³ñ | 9-10 ¹¹. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ Ñë ×³Ï³ïÇÝ | Ð |  | |
|  | **9.3** | |  | |  | | | Ê³ãù³ñ | 9-10 ¹¹. | ³·áõóí³Í ¿ »Ï»Õ»óáõ Ñë å³ïÇÝ, Ý»ñùáõëï | Ð |  | |
| **10** |  | |  | |  | | | ÐàôÞ²ðÒ²Üª ºðÎðàð¸ ²ÞÊ²ðÐ²Ø²ðîàôØ ¼àÐì²ÌÜºðÆÜ | 1970 Ã. | ·ÛáõÕÇ Ù»ç | î |  | |

Հուշարձանները կարող են օգտագործվել գիտական, կրթական, մշակութային և ճանաչողական նպատակներով, ինչպես նաև իրենց սկզբնական ու հարմարեցված գործառնական նշանակությամբ:

Համայնքի տարածքում գտնվող պատմության և մշակույթի հուշարձանների պահպանության գոտիների սահմաններում կառուցապատման ցանկացած աշխատանք իրականացնել միայն համապատասխան նախագծերի առկայության դեպքում:

Տվյալները հիմնավորվում են պատմության և մշակույթի անշարժ հուշարձան­ների պետական ցուցակներով, համապատասխան լուսանկարներով:

1. **ՊԱՀՊԱՆՄԱՆ ԵՆԹԱԿԱ ՇԵՆՔԵՐ, ՇԻՆՈՒԹՅՈՒՆՆԵՐ**
2. Պահպաման ենթակա են 7 կետում նշվածները, ինչպես նաև համայնքի տարածքում գտնվող համայնքի համար կարևոր նշանակություն ունեցող հետևյալ շենքերը և շինությունները.
3. խմելու ջրի օրական կարգավորման ջրամբարները, ջրամատակարարման ցանցը,
4. ջրահեռացման ցանցեր դիտահորերի հետ միասին:
5. համայնքի տարածքով անցնող ոռոգման հիմնական ջրանցքները, ոռոգման առուների ցանցը,
6. էլեկտրահաղորդման ցանցի օբյեկտները՝ ենթակայաններ, հենասյուներ, հաղորդագծեր,
7. գազամատակարարման ցանցի օբյեկտները՝ բաշխիչ կայաններ, խողովակաշարեր,
8. հեռահաղորդակցման և կապի ցանցի օբյեկտները՝ վերգետնյա և ստորգետնյա մալուխներ, բջջային կապի կայաններ, աշտարակներ,
9. մայրուղիների և ճանապարհների հետիոտնային անցումներ,
10. հանրային այգիները,
11. արվեստի դպրոցները,
12. մարզադպրոցը,
13. մանկապարտեզները,
14. համայնքի փողոցների ցանցը՝ ճանապարհային նշանների և սարքավորումների հետ միասին,
15. գերեզմանոցները՝ սանիտարարապաշտպանիչ գոտու հետ միասին,
16. ՀՀ ՊՆ, ՆԳ, ԱԻՆ օյեկտները, պաշտպանական, քաղաքացիական պաշտպանության կառույցները, ապաստարարանները, ազդանշանման համակարգերը:
17. **ՀԱՄԱՅՆՔԻ ՏԱՐԱԾՔՈՒՄ ԽՐԱԽՈՒՍՎՈՂ ՃԱՐՏԱՐԱՊԵՏԱԿԱՆ ՈՃԸ   
    ԵՎ ՇԻՆԱՐԱՐԱԿԱՆ ՏԵԽՆՈԼՈԳԻԱՆ**
18. Համայնքի տարածքում խրախուսվում են ինչպես ավանդական, այնպես էլ արդի ճարտարապետական ոճերը, հնարքները, դեկորատիվ տարրերը, ճակատների ձևավորման առանձնահատկությունները, դռների, պատուհան­ների համաչափությունները, շինարարական նյութերը և կառուցման եղանակը՝ պայմանով, որ կատարվեն ճաշակով և մասնագիտական բարձր վարպետությամբ:
19. Շենքերի և շինությունների ծավալային ու ճարտարապետահատակագծային լուծումներին, ինչպես նաև դրանց առանձին մասերին ներկայացվող պահանջները`
20. շենքի մասշտաբը, ճակատային լուծումներն ու դրանք շեշտադրող տարրերը (զարդա­քանդակները, շքամուտքը (պորտալը), որմնախորշերը, շվաքարանները, քիվերը, կամարները և այլն), իրականացնելիս հաշվի առնել քաղաքաշինական ձևավորված կամ նոր ձևավորվող միջավայրին հարազատ մնալու, չխաթարելու, այլ ընդհակառակը, բարելավելու, զարգացնելու անհրաժեշտությունը.
21. հատուկ ուշադրություն դարձնել փողոցի կողմի ցանկապատի և մուտքի գեղարվեստական ձևավորմանը, բարեկարգել փողոցի հարակից հատվածը միասնական ոճով և նյութերով.
22. շենքի տանիքներն ու շենքերի հորիզոնական հարթությունները («հինգերորդ ճակատ»), ինչպես նաև ճակտոնները (ֆրոնտոնները), մանսարդները, ձեղնանցքները, եզրապատերը (պարապետները) և այլն իրականացնել, հաշվի առնելով համայնքի քաղաքաշինական միջավայրի ձևավորման վրա դրանց մեծ ազդեցությունը.
23. խրախուսվում են շենքի ճակատների և փողոցի հարակից մասերի մաքրությունը, ամրությունը, արտաքին լուսավորությունը.
24. Փողոցների, անցումների, հետիոտն ճանապարհների ու հեծանվաուղիների (ճանապարհային ցանց), հրապարակների, ներքին բակերի, շքաբակերի (կուրդոնյերների) և հարթակների կառուցվածքին ու ձևավորմանը, ավտոկայանատեղիների կազմակերպմանը ներկայացվող պահանջները`
25. ճանապարհային ծածկույթը (նյութը, դեկորատիվ տարրերը և գունային լուծումները). խրախուսվում են բարձրորակ, հարատև, էկոլոգիապես մաքուր ու անվնաս շինարարական նյութերը.
26. համայնքն սպասարկող տրանսպորտի համար նախատեսված կանգառները ծածկոցով, նստարաններով և լուսավորության ցանցով հագեցնել և ձևավորել գեղարվեստական ճաշակով բարձրորակ շինարարական նյութերով.
27. հասարակական նշանակության շենքերում և տարածքներում ապահովել հաշմանդամների և բնակչության սակավաշարժուն խմբերի տեղաշարժման համար կահավորանքը (թեքահարթակներն ու հատուկ հարմարանքները` լուսային, ձայնային և այլ նախազգուշացման միջոցներով).
28. հասարակական, ինչպես նաև մասնավոր տարածքներում խրախուսվում է ֆունկցիոնալ ձևավորումը, կանաչապատումը և կահավորանքը (փոքր ճարտարապետական ձևեր կամ դեկորատիվ արվեստի նմուշներ, զրուցարաններ, շվաքարաններ, նստարաններ, շատրվաններ, դեկորատիվ ջրավազաններ, կանաչ տնկարկներ, այդ թվում` ուղղահայաց կանաչապատում և այլն).
29. Լանդշաֆտին, այգեպուրակային շինարարությանը և կանաչապատմանը ներկայացվող պահանջները՝
30. ընդհանուր օգտագործման կանաչ տարածքների և հետիոտն շարժման ակտիվ գոտիների կանաչապատումն ու բարեկարգումը (փոքր ճարտարապետական ձևեր, ջրային մակերեսներ, շատրվաններ, նստարաններ, տաղավարներ, զրուցարաններ և բարեկարգման այլ տարրեր) հանդիսանում են մշտական հոգածության ոլորտներ.
31. հետևողականորեն իրականացնել, ամբողջ համայնքի հատվածում, հանքերի փոշու և քամու դեմ պաշտպանական գոտու, ինչպես նաև գերեզմանոցների շուրջ սանիտարական գոտու ստեղծման միջո­ցառումները (ծառատունկ, կանաչ ծածկույթների իրականացում տեղական ավան­դական տնկանյութերի տեսակներից` տարբեր բարձրության բույսերի զուգակցմամբ):
32. **ՔԱՂԱՔԱՇԻՆԱԿԱՆ ՓԱՍՏԱԹՂԹԵՐԸ**
33. Քաղաքաշինական գործունեություն իրականացնող բոլոր սուբյեկտների համար պարտադիր են քաղաքաշինական նորմատիվ-տեխնիկական փաստաթղթերի պահանջների կատարումը, որը ապահովում է հուսալիության, շրջակա միջավայրի պահպանության, հակահրդեհային, սանիտարահիգիենիկ այլ անհրաժեշտ նորմեր, կանոններ, ցուցանիշեր, ինչպես նաև նախագծման իրականացման ու շահագործման ընթացքում որակի ապահովման պայմաններ:
34. Ճարտարապետահատակագծային առաջադրանքը համայնքում տալիս է համայնքի ղեկավարը` ՀՀ կառավարության սահմանած կարգով: Շինարարության թույլտվությունը տրվում է ճարտարապետաշինարարական նախագծային փաստաթղթերի հաստատումից հետո, համայնքի ղեկավարի կողմից: Շինարարության թույլտվություն չի պահանջվում շենքերի, շինությունների, ընթացիկ վերանորոգման, շենքերի հարդարման և տարածքների բարեկարգման աշխատանքների համար, եթե դրանք չեն խոչընդոտում անշարժ գույքի նպատակային օգտագործումը կամ չեն հակասում սահմանված սերվիտուտներին:
35. Քանդման թույլտվությունը տալիս է համայնքի ղեկավարը:
36. Քաղաքաշինական գործունեությունը իրականացվում է բացառապես հաստատված քաղաքաշինական փաստաթղթերին համապատասխան:
37. Ավարտված շինարարության փաստագրումը թույլատրվում է միմիայն շահագործման ակտը ձևակերպելուց հետո: Ավարտված շինարարության շահագործման ընդունումը փաստագրում է համայնքի ղեկավարը` ՀՀ կառավարության սահմանած կարգով:
38. Օբյեկտների կառուցումը իրականացվում է ՀՀ քաղաքաշինության օրենքով` սահմանված կարգով նախագծերի ձեռքբերման, փորձաքննության անցկացման, շինարարության թույլտվության ստացումով:
39. Արգելվում է առանց համայնքի ղեկավարի որոշման և թույլտվության շենքերի պատշգամբների, ինչպես նաև վարձակալած ոչ բնակելի տարածքներում որևէ վերափոխումներ կատարելը, շենքի արտաքին տեսքը փոփոխելը:
40. Արգելվում է շենքերի բակերում որևէ տաղավար կամ ավտոտնակ տեղադրելիս կամ կառուցելիս ցանկապատումները, ծանր տրանսպորտային միջոցների կանգառումը:
41. Արգելվում է գազոններին կամ մայթերին կից հողատարածքները բանջարանոցի վերածելը, նախամուտքերը և սանդուղքավանդակները տնտեսական իրերով ծանրաբեռնելը, չնախատեսված տեղերում ընտանի կենդանիներ պահելը:
42. **ԳՈՎԱԶԴՆԵՐԻ ԵՎ ԺԱՄԱՆԱԿԱՎՈՐ ՏԱՂԱՎԱՐՆԵՐԻ ՏԵՂԱԴՐՈՒՄԸ**
43. Բոլոր տեսակի արտաքին գովազդային նյութերի, ցուցափեղկերի, հայտարարությունների, ցուցատախտակների և այլ տեղեկատվական միջոցների տեղադրումը շենքերի, պարիսպների առանձին վահանակների, ստենդների և նման ճարտարապետական կառույցների վրա թույլատրվում է միայն համայնքի ղեկավարի որոշմամբ և սույն կանոնադրությամբ սահմանված կարգով:
44. Գովազդները պետք է լինեն «Գովազդի մասին» ՀՀ օրենքի պահանջներին համապատասխան` հավաստի, օրինական, պատշաճ պահպանելով արտաքին գովազդի տեղադրման համար թույլտվության բոլոր պայմանները:
45. Գովազդի տեղաբաշխման նկատմամբ հսկողությունը իրականացնում է համայնքապետարանը: Արգելվում է անբարեխիղճ, ոչ ՀՀ օրենքներին համապատասխանող գովազդի տեղադրումը:
46. Ժամանակավոր տաղավարների տեղադրումը թույլատրվում է ըստ կառավարության կողմից սահմանված կարգի, համայնքի ղեկավարի որոշմամբ, հող.օգտագործման և շինարարության բաժնի մասնագետի ներկայությամբ` համաձայն առևտրի և սպասարկման համայնքային կանոնների:
47. Վերը նշված գործողությունների համար գանձվում են համայնքի ավագանու կողմից սահմանված տեղական վճարներ:
48. Համայնքի ղեկավարը սահմանում է շենքերի և շինությունների համարակալումը: Համայնքի ավագանու որոշմամբ անվանվում և վերանվանվում են համայնքային նշանակության փողոցները, հրապարակները, զբոսայգիները և այլն:
49. Արգելվում է ինքնուրույն կերպով հանել, տեղադրել և վերատեղադրել փողոցների անվանումների և համարակալման ցուցանակները:
50. **ԿԱՌՈՒՑԱՊԱՏՈՂՆԵՐԻ ԻՐԱՎՈՒՆՔՆԵՐԸ ԵՎ ՊԱՐՏԱԿԱՆՈՒԹՅՈՒՆՆԵՐԸ**
51. Կառուցապատողները պարտավոր են կառուցապատումն իրականացնել օրենքով սահմանված կարգով ճարտարապետաշինարարական նախագծին համապատասխան շինարարության թույլտվության հիման վրա առանց էական շեղումների:
52. Ապահովել քաղաքաշինական փաստաթղթերի փորձաքննությունը ՀՀ կառավարության սահմանված կարգով:
53. Ինժեներական սպասարկում իրականացնող ծառայություններից ստանալ քաղաքաշինական օբյեկտի ինժեներական ենթակառուցվածքների նախագծման, կառուցման և շահագործման տեխնիկական պայմանները:
54. Շինարարական աշխատանքներ կատարելիս շինհրապարակները պետք է ցանկապատվեն` ժամանակավորապես և տեսանելի տեղում փակցվեն համապատասխան ցուցանակներ ունենան համապատասխան կահավորում: Շինարարական աղբն ու հողը պետք է դուրս բերվեն կուտակվելու ընթացքում: Շինարարական կամ վերանորոգման աշխատանքներ կատարելիս ձեռնարկում է միջոցառումներ, որպեսզի չկեղտոտվեն շինհրապարակին հարող տարածքները, չաղտոտվի օդը:
55. Հողային աշխատանքների կատարումը (հրապարակներում, մայթերում, անցումներում, բակերում, սիզամարգերում, այգիներում, պուրակներում և այլ տեղերում) ստորգետնյա ինժեներական ցանցերի կառուցման և վերանորոգման ժամանակ, կապված վերգետնյա կառույցների հետ, թույլատրվում է միայն ըստ համաձայնեցված նախագծերի և համայնքի ղեկավարի թույլտվության հիման վրա:
56. Ճանապարհածածկույթի կամ հողածածկի քանդման հետ կապված վթարային աշխատանքները թույլատրվում են ընդունված վթարային հեռախոսագրի առկայությամբ այն կազմակերպությունների կողմից, որոնք տնօրինում են հաշվեկշռում գտնվող ինժեներական ցանցերը:
57. Ստորգետնյա ինժեներական ցանցերի վթարների վերացումը սկսվում է անմիջապես հեռախոսագրի հաղորդումից հետո, այդ մասին տեղյակ պահելով ավտովերահսկողությանը և կոմունալ սպասարկման ձեռնարկությանը:
58. Վթարային աշխատանքների տեղը պետք է շրջափակվի, կահավորվի ճանապարհային նշաններով և լուսավորվի մութն ընկնելիս: Վթարը վերացնող կազմակերպությունը պարտավոր է նաև անհապաղ (նախնական) վերականգնի քանդված հատվածը հողով` շերտային խտացումով և համապատասխան չափի խճանյութով, ինչպես նաև մաքրի ավելորդ հողից և շինարարական մնացորդներից, գոյացած աղբից:
59. Վթարից վերականգնված հատվածները հանձնվում են կոմունալ սպասարկման ձեռնարկությանը կամ ճանապարհային հսկողություն իրականացնող ծառայությունների ներկայացուցիչներին ակտով, ճանապարհի ծածկույթը ամբողջովին վերականգնելուց հետո:
60. Կտրականապես արգելվում է ստորգետնյա ինժեներական ցանցերի կառուցման կամ պլանային վերանորոգման աշխատանքների կատարումը վթարային աշխատնքների պատրվակով:
61. Արգելվում է ինքնակամ պեղումների, հորատման, սյուների ու ձողերի տեղադրման, հողածածկույթի մշակման, հրապարակների հողահավասարեցման, փլատակների և քանդման ենթակա կառույցների տակի հողածածկույթների մշակումը առանց ստորգետնյա ինժեներական ցանցերի (էլեկտրականություն, գազ, ջուր և այլն) անջատման:
62. Մագիստրալային փողոցների հատման հիմնական մեթոդը հանդիսանում է, որպես կանոն, փակ` ստորգետնյա ձևը, որը լուծվում է նախագծային կազմակերպությունների կողմից, նախագծանախահաշվային փաստաթղթերի կազմման ընթացքում և համաձայնեցվում ընդունված կարգով:
63. Արգելվում է որևէ տեսակի հողային աշխատանքների կատարումը նոր ճանապարհածածկույթի (ասֆալտի) կատարումից հետո փողոցներում, հրապարակներում: Բացառություններ թույլատրվում են միայն վթարների դեպքում:
64. Շինարարական, վերանորոգման աշխատանքների ժամանակ ցանկապատման, երթևեկության կարգավորման, ճանապարհային նշաններով կահավորման և գիշերային լուսավորման պատասխանատվությունը կրում է քաղաքաշինության գործունեության սուբյեկտը: Շինարարական կազմակերպությունը պարտավոր է մագիստրալային և հասարակական տրանսպորտի երթևեկության, փողոցների շարժման ուղղությունների փոփոխության մասին պետավտոտեսչության միջոցով ապահովել բնակիչների անվտանգությունը: Աշխատանքների ավարտից հետո ժամանակավոր կարգավորման նշանները վերացվել են:
65. Փողոցների երթևեկելի մասի մասնակի վերանորոգումների ժամանակ պետք է ապահովվի տրանսպորտի անխափան երթևեկությունը, իսկ միջանցիկ անցման փակելիս ապահովվի հրդեհային պաշտպանության, շտապ օգնության, հատուկ սանիտարական մաքրման, էլեկտրական և գազի ծառայության մեքենաների երթևեկության պայմանները: Անցումների փակման վերաբերյալ տեղյակ է պահվում շտապ օգնության, հակահրդեհային ծառայություններին և պետավտոտեսչությանը:
66. Ժամանակավոր շրջանցումային ճանապարհները, հետիոտնային արահետները, կամուրջները, բակերի և շենքերի մուտքերի մերձեցման ուղիների վերանորոգման աշխատանքները ավարտելիս վերացվում են կառուցապատման աշխատանքներն իրականացնող կազմակերպությունների կողմից:
67. Ճանապարհների լրիվ փակման և երթևեկության դադարեցման որոշումը ընդունում է համայնքի ղեկավարը` համաձայնեցնելով պետավտոտեսչության հետ:
68. Երթևեկելի մասի և մայթերի շինարարության վերանորոգման աշխատանքների ժամանակ ստորգետնյա ցանցերի տնօրինողները պարտավոր են իրենց ուժերով, վերանորոգում կատարողների պահանջով, կատարել վերատեղադրող ցանցերի անջատումը: Բարեկարգման նպատակով ստորգետնյա ինժեներական ցանցերի նոր նշումների վերատեղադրումը կատարում են ցանցերը տնօրինողների կողմից, շինարարության կամ վերանորոգումը իրականացնող պատվիրատուի կազմակերպության պատվերով ու նրա միջոցներով: Նախագծից էական շեղումներ ունեցող ինժեներական ցանցերի տնօրինողները վերատեղադրման աշխատնքները կատարում են իրենք, սեփական միջոցներով:
69. Քաղաքացիների կողմից ինժեներական կառուցումների միացումը, որպես կանոն իրականացվում է բարեկարգման աշխատանքների ժամանակ:
70. Թրթուրավոր տրակտորների և այլ մեքենաների շարժումը վերանորոգված փողոցներով արգելվում է: Նման տրանսպորտի տեղափոխությունը համայնքի տարածքում կազմակերպվում է միջդաշտային ճանապարհներով և երկրորդային նշանակության փողոցներով:
71. Փողոցները, մայթերը, ասֆալտապատված և բարեկարգված այլ տարածությունները ինքնակամ քանդողները անհապաղ դադարեցնում են քանդման աշխատանքները, իրենց միջոցներով վերականգնում քանդված տարածքի նախկին տեսքը և օրենքով սահմանված կարգով կրում պատասխանատվություն:
72. **ՏԱՐԱԾՔՆԵՐՈՒՄ ԿԵՆՍԱԳՈՐԾՈՒՆԵՈՒԹՅՈՒՆ ԱՊԱՀՈՎՈՂ ԻՆԺԵՆԵՐԱԿԱՆ ԵՎ ՏՐԱՆՍՊՈՐՏԱՅԻՆ ԿԱՌՈՒՑՎԱԾՔՆԵՐԻ ՇԻՆԱՐԱՐԱԿԱՆ ՆՈՐՈԳՄԱՆ ՊԱՅՄԱՆՆԵՐԸ**
73. Ստորգետնյա ինժեներական ցանցերի հետ առնչվող բոլոր տեսակի շինարարական և վերանորոգման աշխատանքները թույլատրվում են միայն այն նախագծով և սխեմաներով (տեխնիկական պայման), որոնք համաձայնեցված են համայնքապետարանի և ներքոհիշյալ կազմակերպությունների հետ.
74. Էլեկտրոցանց
75. Կապի ծառայություններ
76. Գազի շահագործման միջշրջանային վարչություն
77. Ճանշին վերանորոգման կազմակերպություններ
78. Կոմունալ սպասարկման կազմակերպություն
79. Ջրմուղ-կոյուղու կազմակերպություն
80. Պարեկային ծառայություն
81. Առանձին դեպքերում, երբ ինժեներական ստորգետնյա կառույցները շոշափում են այն կազմկերպությունների շահերը (զինվորական, հատուկ շինարարական, երկաթգիծ և այլն) նախագծերը պետք է նույնպես համաձայնեցվեն նրանց հետ:
82. Արգելվում է հաստատված ինժեներական ցանցերի ծրագծերի (տրասա) փոխումը առանց համայնքի ղեկավարի և շահագրգռված կազմակերպությունների հետ համաձայնեցման: Ծրագրերի տարաձայնությունների վերաբերյալ վերջնական որոշում է ընդունվում համայնքապետարանի համապատասխան հարցերի հանձնաժողովի կողմից:
83. Համաձայնեցված նախագծերը ուժի մեջ են երկու տարվա ընթացքում: Անկախ դրանից յուրաքանչյուր նախագծով կատարվող ինժեներական ցանցերի տեղակայման վերակառուցման աշխատանքները, որոնք կապված են հողածածկի, ասֆալտի և բարեկարգ այլ տարածությունների հետ աշխատանքները սկսելուց առաջ պետք է ունենալ համայնքապետարանի թույլտվությունը:
84. Առանց համայնքապետարանի հետ համաձայնեցնելու, հողային աշխատանքները կարող են կատարվել սեփական տարածքում կամ օտարման գոտիներում, դրանց ինժեներական կառուցվածքների տնօրինող հիմնարկ-ձեռնարկությունների ղեկավարների պատասխանատվությամբ, եթե դրանք չեն պահանջում 50-րդ կետում նշված ծառայությունների համաձայնությունը, չեն խախտում որևէ մեկի իրավունքները:
85. Անհատ քաղաքացիներին առանձին վթարների դեպքում թույլատվությունը տրվում է համայնքապետարանի կողմից, 50-րդ կետում նշված կազմակերպությունների համաձայնության և առաջադրած տեխնիկական պայմանի հիման վրա:
86. Թույլտվությունները տրվում են պատվիրատու կազմակերպություններին, անհատ քաղաքացիներին, անմիջապես աշխատանք կատարողներին, որը ուժի մեջ է վերջինների համար նշված տեղամասի, աշխատանքի ձևի, ծավալի և ժամանակաշրջանի նշումների դեպքում:
87. Կարմիր գծերի սահմաններում (փողոցների և թաղամասերի անցումները) ստորգետնյա ինժեներական ցանցերի շինարարության կամ վերանորոգման աշխատանքների կամ վերանորոգման աշխատանքների թույլտվություննները ստանալու համար համայնքապետարանին պետք է ներկայացվեն հետևյալ փաստաթղթերը՝
88. Ճանապարհածածկույթի, ինժեներական ցանցերի տեղակայման, վերանորոգման թերությունների ակտ, նշելով ճանապարհածածկույթի և ինժեներական կառույցների առկա վիճակը և վերանորոգման չափերն ու ծավալները.
89. Ծրագրի նախագիծը, համաձայնեցված ճարտարապետական բաժնի և 50-րդ կետում նշված շահագրգռված կազմակերպությունների հետ.
90. Կապալառու կազմակերպության կնիքով համաձայնեցված պլան.
91. Կապալային կազմակերպության հետ պայմանագիր չունեցող կազմակերպությունները բարեկարգման կառույցների վերանորոգման համար պետք է ներկայացնեն երաշխավորագիր-նամակ, ստորագրված պետի և հաշվապահի կողմից:
92. Աշխատանքի կատարման պատվերները նախօրոք քննարկվում են քաղաքաշինության հանձնաժողովի կողմից, և նրա որոշումը ձևակերպվում է արձանագրությամբ, որտեղ նշվում են նաև աշխատանքների կատարման ժամկետները:
93. Աշխատանքների կատարման թույլտվությունները տրվում են սահմանված վճարները մուծելուց հետո:
94. Ստորգետնյա և վերգետնյա ինժեներական ցանցերի տեղակայման և վերանորոգման, ինչպես նաև ասֆալտի ծածկի և բարեկարգման այլ էլեմենտների վերականգման աշխատանքները պետք է կատարեն մասնագիտացված կազմակերպությունները: Աշխատանքների կատարման սկզբում պետք է ունենալ ճարտարապետական բաժնի կողմից տրվող տեղակայման արձանագրությունը կարմիր գծերի և օբյեկտների կապումով, ինժեներական կապերի տեխ պայմանի հետ միասին:
95. Աշխատանքների կատարման ընթացքում պատասխանատու աշխատողի ներկայությունը պարտադիր է, որն իր հետ պետք է ունենա թույլտվություն ու աշխատանքի կատարման նախագիծ:
96. Աշխատանքներն սկսելու նախօրյակին պետք է տեղյակ պահել ինժեներական ցանցեր ունեցող շահագրգռված կազմակերպություններին, ցանցեր ունեցող կազմակերպություններին` ցանցերի տեղը համատեղ ճշտելու, անհամապատասխանությունները պարզելու համար:
97. Աշխատանքների կատարման տարածքում գոյություն ունեցող ստորգետնյա ինժեներական ցանցերի փչացումից ապահովելու պատասխանատուն է այն անձը, որը ղեկավարում է աշխատանքների կատարումը: Նրանք պարտավոր են կատարելու բոլոր տեխնիկական պահանջները և կազմակերպությունների պայմանները:
98. Փողոցում, հրապարակներում և մյուս բարեկարգված տարածություններում ստորգետնյա ինժեներական ցանցերի խրամուղիների փորման և լցման, վերգետնյա կառույցների ժամանակ պետք է ապահովվեն հետևյալ պայմանների կատարումը:
99. Խրամուղու լայնությունները պետք է լինի նվազագույնը, ասֆալտի քանդումը պետք է կատարվի կտրման հատուկ մեքենաներով: Խրամուղիների ու փոսորակների պատերը համաձայն նախագծերի պետք է ամրացվեն, նրանց լցման համար պետք է օգտագործվի մաքուր հող 20սմ-ից ոչ ավելի շերտով, որը պետք է խտացվի համաձայն շինարարական նորմաների:
100. Ջրահոսների և հեղուկների հեռացումը խրամուղիներից և փոսորակներից պետք է կատարվի միայն դեպի անձրևատարների մեջ: Արգելվում է դրանց լցնելը երթևեկելի մաս կամ մայթի վրա:
101. Շինարարական, վերակառուցման կամ վերանորոգման աշխատանքների ավարտից հետո պատասխանատու կատարողը պետք է՝
102. 24 ժամվա ընթացքում մաքրի վերանորոգումից հետո մնացած շինարարական մնացորդները.
103. Կանչել կոմունալ ծառայության կամ փողոցները, մայթերը տարածությունները տնօրինող կազմակերպություններին, պատասխանատու անձերին, ակտով հանձնել վերանորոգված բարեկարգման կառուցվածքները և ասֆալտածածկույթը:
104. Քանդված մայթերի վերանորոգումը անկախ ծածկույթի ձևերից պետք է կատարվի ամբողջ գոյություն ունեցող լայնությամբ:
105. Փողոցի երթևեկելի մասի ասֆալտաբետոնային ծածկը վերանորոգվում է նախկին վիճակով, մինչև քանդումը կազմված հատուկ ակտի պահանջներից, խճածածկի դեպքում խրամուղու կրկնակի լայնության չափով.
106. Ասֆալտաբետոնյա ծածկույթը լրացվում է մինչև եզրաքարերը, եթե խրամուղու և նրա միջև տարածությունը փոքր է 2մ-ից:
107. Վերանորոգված կառուցվածքների տնօրինող կազմակերպության առաջին իսկ պահանջով` մեկ տարվա երաշխավորված ժամկետում:
108. Ավազապատ և հողածածկ ունեցող տարածությունների վերականգնումը կատարվում է քանդման չափով, որը պետք է հաստատվի երկկողմ ակտավորումով, մինչև աշխատանքների սկսելը:
109. Կանաչ տարածությունները վերականգնվում են համաձայն կոմունալ ձեռնարկությունների և կանաչապատման ծառայության պայմանների:
110. Վերգետնյա կառույցների (ցանկապատներ, հենասյուներ, ճանապարհային նշաններ և այլն) վերանորոգվում են շինարարույթան վերանորոգում կատարող կազմակերպությունների կամ անհատների կողմից:
111. Ճանապարհածածկույթի վերանորոգման ժամկետները սահմանվում են` ելնելով փողոցների նշանակության և աշխատանքների ծավալից: Մագիստրալային և ինտենսիվ շարժման փողոցներում` 24, իսկ մյուսներում` 48 ժամվա ընթացքում:

Նախագծանախահաշվային փաստաթղթերը կազմելիս պետք է հաշվի առնել սույն կետի պահանջները:

1. Վերականգնված ճանապարհային ծածկույթներն ըստ պատկանելության հանձնվում են շահագործող կազմակերպություններին` կատարողական գծագրերի հետ միասին:
2. **ՔԱՂԱՔԱՇԻՆԱԿԱՆ ԳՈՐԾՈՒՆԵՈՒԹՅԱՆ ՎԵՐԱՀՍԿՈՂՈՒԹՅՈՒՆԸ   
   ԵՎ ՎԵՃԵՐԻ ԼՈՒԾՄԱՆ ԿԱՐԳԸ**
3. Քաղաքաշինական գործունեության վերահսկողությունն իրականացնում է քաղաքաշինական պետական տեսչության Սյունքի տարածքային բաժինը, Սյունիքի մարզպետը, որը միաժամանակ համակարգում Է համայնքի ղեկավարների գործունեությունը քաղաքաշինության բնագավառում:
4. Սիսիան համայնքի ղեկավարը վերահսկում է կառուցապատողներին ճարտարապետահատակագծային առաջադրանքների, քաղաքաշինական կանոնադրության պահանջների կատարումը, հողերի և ամրակայված գույքի քաղաքաշինական նպատակային օգտագործումը, ինչպես նաև կանխարգելումը, կասեցնում է ինքնակամ շինարարության դեպքերը և օրենքով սահմանված կարգով ապահովում է դրանց հետևանքների վերացումը:
5. Քաղաքաշինական գործունեության հետ կապված վեճերը լուծվում են դատական կարգով:

**Համայնքի ղեկավարի առաջին տեղակալ՝                                             Կ. Հովհաննիսյան**